जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 27 सितम्बर, 2023

4 लोग क्या कहेंगे?

4 दिन में अगर 5 लाख का फायदा Miss करेंगे !

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL 1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		अगस्त की रेट	सितम्बर की रेट	अक्टूबर की रेट	नवम्बर की रेट	दिसम्बर की रेट	जनवरी की रेट	पजेशन की रेट	POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज	NPO NEW PRODUCT OFFER	+5%	+10%	+15%	+20%	+25%	+50%	पजेशन के बाद रैंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

दान-पुण्य केवल परलोक में सुख देता है पर योग्य संतान सेवा द्वारा इहलोक और तर्पण द्वारा परलोक दोनों में सुख देती है।

–कालिदास

सबको शिक्षा का लक्ष्य क्या मरीचिका ही बना रहेगा!

पिछले दिनों जयपुर में सबको झकझोर देने वाला एक व्याख्यान हुआ जो देश में प्रचलित शिक्षा व्यवस्था पर एक शिक्षाविद् की बेलाग टिप्पणी थी। दुर्भाग्य से आज के प्रायोजित और प्रचारतंत्र द्वारा प्रसारित आयोजनों की चकाचौंध में अकादमिक ऊर्जा लिए हुए ऐसे कार्यक्रम अनदिखे रह जाते हैं। यह व्याख्यान भारत में बुनियादी शिक्षा के विकास और प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए यूनेस्को एविसेना गोल्ड मेडल से सम्मानित तथा नागरिक सम्मान 'पद्मभूषण' से अलंकृत अनिल बोर्दिया की स्मृति में शिक्षाविद् आर. गोविंदा ने दिया था।

आज़ादी के 75 साल बाद भी सबको शिक्षा देने का लक्ष्य न पा सकने का बुनियादी सवाल ही व्याख्यान में खड़ा नहीं किया गया बल्कि यह भी स्थापित किया गया कि स्वतंत्र भारत में लुभावनी शब्दावली वाली नीतियां तो खूब बनाई गई, लेकिन व्यवहार, अवधारणा और परिपेक्ष्य को नहीं बदला गया। शिक्षाविद् का यह तंज़ भी था कि उपनिवेशवादी हमें छोड़ कर चले गए, मगर हमारी उपनिवेशवादी मानसिकता नहीं बदल पाई। वह यहां तक कह गया कि उपनिवेशी काल का मैकाले तो नहीं रहा, लेकिन इस देश में मैकालेवाद अब भी जीवित है और फल-फूल रहा है।

सबको शिक्षा के लिए संघर्ष सौ साल से भी पुराना है, जब गोपालकृष्ण गोखले ने 1910-1911 में ऐसे भारत की कल्पना की थी जहां सभी बच्चे पढ़ने-लिखने में सक्षम होंगे। तब प्राथमिक विद्यालयों में केवल 15 प्रतिशत बच्चे नामांकित थे और देश की साक्षरता सिर्फ छह प्रतिशत थी। गोखले ने इंपीरियल असेंबली में अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा शुरू करने की वकालत करते हुए कहा था कि ऐसा करके अगले दो दशकों में सबको शिक्षा का लक्ष्य हासिल करना संभव होगा। लेकिन उपनिवेशवादी शासकों ने उनके प्रस्ताव को अव्यावहारिक और अनावश्यक मान कर खारिज कर दिया। फिर 40 साल के बाद 1950 में जब भारत गणराज्य का संविधान बनाया गया तब उसमें देश के सभी बच्चों के लिए मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत के रूप में अपनाया गया। तब देश में साक्षरता लगभग 18 प्रतिशत थी और करीब 40 प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन था। सबको शिक्षा का लक्ष्य हासिल करने की संविधान में दस साल की सीमा निर्धारित की गई। मगर उस समय सीमा में वह लक्ष्य नहीं पाया जा सका। इसके 60 साल बाद 2010 में सामाजिक न्याय के सिद्धांत के अनुरूप बच्चों की शिक्षा को मौलिक अधिकार घोषित किया गया और शिक्षा के बुनियादी अधिकार का कानून बना जिसमें सबको प्राथमिक शिक्षा दे देने के लिए पांच साल की समय सीमा रखी गई। वह समय सीमा भी वर्षों पहले बीत चुकी है। हम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति कहती है कि हम लर्निंग क्राइसिस में फंसे दिख रहे हैं।

कहते हैं अपर्याप्त वित्तपोषण तथा कार्यान्वयन में अक्षमता इसका कारण है, लेकिन वास्तव में इसके मूल में संरचनात्मक सुधारों की हमारी अनिच्छा है। यह अनिच्छा 75 सालों से बनी हुई है। हम जीवन में व्यक्तिगत प्रगति के लिए शिक्षा का सीढ़ी के रूप में उपयोग करते हैं।

यह सीढ़ी इतनी मजबूत होनी चाहिए कि ऊपर चढ़ने की कोशिश कर रहे लोगों का बोझ वहन कर सके। हमारी स्कूल प्रणाली वास्तव में बढ़ते बोझ को उठाने में असमर्थ है। स्कूल में न्यूनतम भौतिक बुनियादी ढांचे और शैक्षिणक संसाधनों के संदर्भ में क्या होना चाहिए यह अपरिभाषित ही रहा। 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' में इसकी कोशिश की गई लेकिन वह आगे नहीं चला। आखिर में यह काम शिक्षा के अधिकार कानून ने किया। इसमें प्रत्येक स्कूल की आवश्यकताओं को परिभाषित किया गया। किन्तु दुर्भाग्य से भारत में आज 15 लाख स्कूलों का केवल छोटा सा प्रतिशत ही उस कानून में निर्दिष्ट प्रावधानों के अनुरूप सुविधाएं पा रहा है। समस्या का समाधान न तो अज्ञात है और न ही अव्यावहारिक है। हमारे पास देश के प्रत्येक स्कूल का डेटा है। हम स्कूल को सुधारना भी चाहते हैं। मगर गरीबों के प्रति शासन और समाज की उदासीनता के कारण यह नहीं हो पा रहा है। सामान्य सरकारी स्कूलें उपेक्षा की शिकार रहती हैं। स्कूल में होने वाली लगभग हर गतिविधि शिक्षा अधिनियम या शिक्षा संहिताओं तथा राज्य सरकारों द्वारा बनाये गए नियमों और विनियमों से चलती है, मगर नियमों की पालना के लिए बारीकी से निगरानी नहीं की जाती। अधिकांश प्राथमिक विद्यालयों का न तो मार्गदर्शन होता है और न परिवीक्षण होता हैं। वे बिना पतवार के जहाज की भांति चलते हैं। ऐसे में अगर कुछ बच्चे पढाई बीच में छोड देते हैं या कक्षाओं में आगे बढ़ कर भी मुश्किल से पढना और गणना सीख पाते हैं तो क्या आश्चर्य है। शासन की उदासीनता के कारण कुछ शिक्षक नियमित रूप से स्कूल नहीं जाने के अभ्यस्त हो जाते हैं।

स्कूल को स्थानीय संस्कृति व परंपराओं, व्यावसायिक संबद्धताओं आदि का प्रतिनिधित्व करने वाला सूक्ष्म जगत बताया जाता है। स्कूल प्रणाली जाति, वर्ग, धर्म, भाषा क्षेत्र और लिंग के विभाजन के विविध सामाजिक परिवेश में कार्य करती है, मगर उस प्रणाली से अपेक्षा की जाती है कि वह सीखने के लिए वैसा वातावरण बनाये जो ऐसे विभाजनों के हानिकारक प्रभावों से विद्यार्थियों को बचाये।

कुछ उद्यमी शिक्षकों द्वारा अपनी जगह अन्यों को पढ़ाने भेज देने की खबरें भी आती हैं। स्वामित्व और जवाबदेही का मजबूत तंत्र एकदम गायब है। सभी सर्वे रिपोर्टें यही बताती है कि बच्चों ने स्कूलों में आठ साल पूरे कर लिये परंतु वे दूसरी के स्तर का भी पढ़-लिख नहीं पाते। यह सुनिश्चित ही नहीं किया जाता कि स्कूलों में शिक्षण नियमित रूप से हो, बच्चे प्रतिदिन सीखने के लिए पर्याप्त समय के लिए आयें, और शिक्षक शिक्षण संबंधी गतिविधियों के लिए स्कूल में पर्याप्त समय दें। स्कूलों में शिक्षण मजबूत करने के लिए पेशेवर शिक्षकों समुदाय ही नहीं है। दुर्भाग्य से पिछले बीस साल में अपनाई गई नीतियों ने शिक्षक समुदाय को विखंडित कर दिया है। उन नीतियों ने शिक्षक की व्यावसायिक पहचान को भी पूरी तरह नष्ट कर दिया है। शिक्षकों के शिक्षण का काम पूरी तरह निजी व्यावसायिक संस्थानों के हाथों में छोड़ दिया गया है।

स्कूल को स्थानीय संस्कृति व परंपराओं, व्यावसायिक संबद्धताओं आदि का प्रतिनिधित्व करने वाला सूक्ष्म जगत बताया जाता है। स्कूल प्रणाली जाति, वर्ग, धर्म, भाषा क्षेत्र और लिंग के विभाजन के विविध सामाजिक परिवेश में कार्य करती है, मगर उस प्रणाली से अपेक्षा की जाती है कि वह सीखने के लिए वैसा वातावरण बनाये जो ऐसे विभाजनों के हानिकारक प्रभावों से विद्यार्थियों को बचाये। लेकिन सामाजिक और आर्थिक आधार पर लोगों को विभिन्न श्रेणियों में फिट कर देने की समस्या स्कूलों में संस्थागत हो गई है। मैकाले का मुख्य सिद्धांत स्कूलों और जन-समूहों के बीच विभाजन करना था। भारतीय अभिजात्य वर्ग और बुद्धिजीवियों ने मैकाले की शिक्षा व्यवस्था के प्रस्ताव का कडा विरोध किया था, लेकिन विडंबना यह है कि मैकाले प्रणाली की अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में अभिजात्य वर्ग और बुद्धिजीवियों के बच्चों का ही नामांकन तेजी से बढ़ा है। स्थानीय भाषाओं के प्राथमिक स्कूल जिन्हें गरीबों की शिक्षा पूरी करनी थी वे उपेक्षित रहे हैं। शिक्षाविद् उचित ही सवाल उठा रहे हैं कि क्या हम अब मैकालेवाद को अधिक प्रतिबद्धता के साथ पुनर्जीवित नहीं कर रहे हैं?

बहुधा इसका दोष महत्वाकांक्षी पाठ्यक्रम निर्माताओं पर डाल दिया जाता हैं, तो कभी सुविधाओं की कमी और शिक्षकों की गैर-जिम्मेदारी को कारण बता दिया जाता है और कभी प्रशासन की उदासीनता को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। लेकिन, जैसा कि यशपाल कमेटी ने कहा था कि हम सिर्फ बाहरी अभिव्यक्तियां देख रहे हैं, हम शिक्षा व्यवस्था की अंतर्निहित अस्वस्थता के बारे में नहीं सोचते। हमारी सामाजिक कुरीतियां स्कूली व्यवस्था में घर कर गई है। समाजशास्त्रीय भाषा में कहें तो यह कुलीन विद्यालय बनाम छोटे विद्यालय की विकृति हैं। कुलीन स्कूल वे हैं जिनमे बच्चे तीन साल या छह साल की उम्र में प्रवेश लेते हैं और 18 साल की उम्र में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करते हुए शैक्षिक सीढ़ी पर आसानी से ऊपर चढ़ते चले जाते हैं। कुलीन वर्ग के बच्चों के लिए शिक्षा लगभग एक मानक हो गई है।

उनके अधिकांश स्कूल केन्द्रीय विद्यालयों के बराबर हैं। पूरे देश में ऐसे 25,000 स्कूल हैं। राज्य बोर्डों के भी कुछ स्कूल इनमें जोड़ दें तो भी उनकी कुल संख्या एक लाख से ज्यादा नहीं होगी। दूसरी ओर 14 लाख छोटे स्कूल ऐसे हैं जिनमें अधिकांश बच्चे प्राथमिक स्तर से आगे नहीं बढ़ पाते हैं। छोटे स्कूल संसाधनों की दृष्टि से कुलीन स्कूलों से बिल्कुल विपरीत हैं। यह विभाजन केवल इमारतों या संसाधनों का नहीं है। यह विभाजन स्कूल निर्माण से लेकर पाठ्यक्रम निर्माण और मूल्यांकन तक शिक्षा के हर पहलू में व्याप्त है। मीडिया का और प्रशासन का ध्यान हमेशा बड़े स्कूलों पर ही होता है। सार्वजनिक शिक्षा की समस्या कुलीनों की नहीं है। सार्वजनिक शिक्षा के लिए संघर्ष छोटे स्कूलों को ही करना होता है। इस समाजशास्त्रीय दरार पर प्रशासन मूक दर्शक बना रहता है। इससे देश के आम अभिभावकों के साथ न केवल नैतिक रूप से दुर्भाव होता है बल्कि झूठे तर्कं से उन पर बौद्धिक कुठाराघात भी होता है। हमें स्कूली शिक्षा के उद्देश्य की एक साझा दृष्टि तैयार करनी होगी जहां बच्चों को एक सामंजस्यपूर्ण तथा अन्योनाश्रित सदस्य के रूप में खुद की कल्पना करने के लिए तैयार किया जा सके। असफलताओं के बावजूद यह आशावाद बनाए रखना है कि सभी के लिए शिक्षा के लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। आशावाद का स्त्रोत हमें सामान्य लोगों के बदलते परिपेक्ष्य में दिखता है। आज सबसे गरीब व्यक्ति भी व्यक्तिगत प्रगति के लिए स्कूली शिक्षा को एक आवश्यक शर्त मानता है। सीमित आर्थिक संसाधनों और कोई सामाजिक पूंजी न होने के बावजूद भारत के लोगों ने अपने बच्चों के भविष्य के निर्माण के लिए स्कूली शिक्षा को अपनाया है। उनका यही भरोसा हमारी आशा को बल देता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

यू.जी.सी. से प्रताड़ित खुले विश्वविद्यालय

प्रो.कैलाश सोडाणी

दुनियां में दूरस्थ शिक्षा का प्रादुर्भाव प्रतिभावान एवं गरीब एकलव्य की शिक्षण व्यवस्था से होता है। आज भी इस व्यवस्था से अधिकाधिक होनहार गरीब विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में निर्धारित 2035 तक उच्च शिक्षा में नामांकन को 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक पहुँचाने के लक्ष्य को दूरस्थ शिक्षा अर्थात खुला विश्वविद्यालयों के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकेगा। खुला विश्वविद्यालयों के माध्यम से उच्च शिक्षा की सर्वजन सुलभता सम्भव है। आज दूरस्थ शिक्षा दूरदराज गाँव में बैठे व्यक्ति, गृहणियों, रोजगार में व्यस्त लोगों तक ही सीमित नहीं रही है। अपितु आम विद्यार्थी एवं नागरिक भी उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा हमारे देश की अर्थव्यवस्था के भी अनुकूल है। हमारे बजट का मात्र लगभग 3 प्रतिशत हिस्सा ही शिक्षा पर खर्च हो रहा है, 6 प्रति तक करने का लक्ष्य है। अर्थात देश की शैक्षणिक संस्थाएँ आर्थिक संकट में काम कर रही है। यहाँ यह चर्चा भी आवश्यक है कि देश के बजट का 94 प्रति हिस्सा उन केन्द्रीय शिक्षण संस्थाओं पर खर्च हो रहा है जहाँ मात्र 6 प्रति विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। शेष शिक्षण संस्थाओं पर जिनमें 94 प्रति विद्यार्थी हैं, वहाँ मात्र 6 प्रतिशत खर्च हो रहा है। बजट की कमी से राज्यस्तरीय विश्वविद्यालयों एवं कालेजों में शिक्षकों की भारी कमी है। प्रयोगशालाएँ तथा पुस्तकालय खाली पडे हैं। ऐसे परम्परागत एवं रेगूलर कालेजों में प्रवेशित विद्यार्थियों को शिक्षकों के अभाव में ज्ञान के नाम पर क्या मिल रहा है ? कुछ नहीं, केवल समय बर्बाद कर रहे हैं। शिक्षकों के अभाव में संचालित विश्वविद्यालय एवं कॉलेज मूलतः रेगुलर टीचिंग के नाम पर विद्यार्थियों को खुले आम धोखा दे रहे हैं। इस स्थिति के बावजूद भी देश में उच्च शिक्षा का सुप्रिमों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली शान्त भाव से, आँखें बन्द कर के, चिरनिद्रा में बैठा है।

रेगुलर कालेज और विश्वविद्यालय को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए पर्याप्त बजट की आवश्यकता रहती हैं। प्रायः राज्य सरकारें तो आर्थिक दृष्टि से बडी तंग हालात में ही रहती है। ऐसी स्थिति में उच्च शिक्षा के व्यापक विस्तार के लिए राज्य सरकारों के पास खुला विश्वविद्यालय ही श्रेष्ठ विकल्प है। विज्ञान के आशीर्वाद से संचार जगत में क्रान्तिकारी परिवर्तनों से दुनियाँ डिजिटल वर्ल्ड में बदल गयी है। केवल संवाद ही नहीं व्हाट्सएप, गूगल, ट्विटर फेसबुक आदि से जैसे ज्ञान की बाढ आ गयी है। नई पीढी गुरु से ज्यादा गूगल पर आश्रित हो गई है। विद्यार्थी ज्ञान के अमृत्व को क्लास रूम में नहीं वरन् व्हाट्सएप और ट्विटर पर तलाश रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग, ऑनलाइन बैंकिंग, ऑनलाइन ऑफिस, ऑनलाइन फूड एवं टैक्सी के युग में ऑनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा की ओर हमें तेजी से बढ़ना होगा।

गांव एवं खलिहान में काम करने वाले गरीब तथा महिलाओं को उच्च शिक्षा से जोडने में खुले विश्वविद्यालयों की भूमिका सराहनीय रही है। उच्च शिक्षा में कुल नामांकन में 11 प्रतिशत का योगदान खुला विश्वविद्यालयों का है। जबकि देश में लगभग 110॰प्रतिशत विश्वविद्यालयों में राजकीय खुले विश्वविद्यालयों की संख्या मात्र 18 है।

इस दृष्टि से हमें खुला विश्वविद्यालय की कार्यपद्धति को सरल एवं सुगम बनाना चाहिये। जबकि धरातल पर उल्टा हो रहा है। आज की स्थिति में अपने अनुभव के आधार पर कह रहा हूँ कि खुला विश्वविद्यालय की तुलना में नियमित विश्वविद्यालय की कार्य पद्धति बहुत ही सरल एवं सुगम है। देश में नियमित विश्वविद्यालय पूर्ण स्वायत्तता के साथ शानदार गति से संचालित हो रहे हैं। दो विभिन्न नियमित विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर कार्य करते हुए मुझे किसी भी पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने अथवा छात्रों के प्रवेश को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दरवाजे खटखटाने की आवश्यकता ही नहीं हुई। इस दृष्टि से नियमित विश्वविद्यालयों को पूर्ण स्वायत्तता थी और आज भी है। नई शिक्षा नीति में तो स्वायत्तता तक को स्वायत्तता प्रदान करने की अनुशंसा की गयी है। दूसरी ओर खुले विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता तो दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के पास गिरवी रखी है। मेरा तो यह भी मानना है कि दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के अमर्यादित नियंत्रण की कार्य पद्धति को देखते हुए देश के स्टेट खुला विश्वविद्यालयों में कुलपति पद ही समाप्त कर देना चाहिए।

मुझे खुला विश्वविद्यालय में कार्य करते हुए मात्र 10 माह ही हुए हैं। अनुभव कह रहा है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेब) 2017 या 2020 विनियमन के कारण पढ ाई लिखाई बन्द हो गयी। मैं और मेरे अध्यापक साथी कभी दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (डेब) का तो, कभी नैक का आवेदन फॉर्म भरने में ही रात-दिन लगे हुए हैं। पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु प्रत्येक पाँच वर्ष में हजारों दस्तावेजों के साथ फार्म भरिये, अनुमति लीजिए अन्यथा प्रवेश पर रोक के लिए तैयार रहिये। 30 जून 2023 तक नैक की कोई सी भी ग्रेड प्राप्त कर लीजिये अन्यथा प्रवेश बन्द। यह क्या मजाक हो रही है? देश में इस सत्र में पाँच राजकीय खुला विश्वविद्यालयों में नैक ग्रेड के अभाव में दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो प्रवेश पर ताले लगा चुकी है। लोकसभा में 12 फरवरी, 2023 को शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष सरकार ने जो जानकारी प्रदान की, उसके अनुसार देश में अभी तक 62 प्रतिशत विश्वविद्यालयों और 78 प्रतिशत कॉलेजों ने नैक से मान्यता प्राप्त नहीं की है। तो फिर देश के इन 18 खुला विश्वविद्यालयों पर ही 30 जून 2023 तक नैक की मान्यता का डंडा क्यों लगा रखा है? बार-बार, हर बात में प्रवेश बन्द करने की धमकी देना कहाँ तक न्यायसंगत है। प्रश्न यह उठता है कि नियमित विश्वविद्यालयों के लिए 30 जून,23 तक नैक ग्रेड प्राप्त करने की बाध्यता क्यों नहीं है ? दूसरा पक्ष ओर देखिये कि स्वयं नैक की कार्यपद्धति समयबद्ध नहीं है। चार माह का काम 12 माह में हो रहा है। फिर भी यू॰जी॰सी॰शांत है।

देश में कार्यरत सभी राजकीय विश्वविद्यालय वहाँ की विधान सभा से पारित एक अधिनियम के तहत बनता है और चलता है। अधिनियम में विश्वविद्यालय संचालन के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज, कमेटी ऑफ कोर्सेज, विद्या परिषद, प्रबंध मंडल का गठन किया जाता है। इन सभी के ऊपर कुलाधिपति हैं। इन विभिन्न निकायों में लिए जाने वाले निर्णयों के अनुसार कुलपति विश्वविद्यालय चलाने के लिए बाध्य हैं। सम्बन्धित राज्य सरकार अधिनियम बनने के बाद भूमि भवन-शैक्षणिक-गैर शैक्षणिक कार्मिक आदि की व्यवस्था करती है। राज्य सरकार ही प्रति माह वेतन की व्यवस्था करती है। कुलपति के सामने दुविधा यह हो रही है कि विश्वविद्यालय को अधिनियम के अनुसार चलावें या दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के अनुसार। मेरे विश्वविद्यालय के अधिनियम में दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो का कहीं भी उल्लेख नहीं है।

आपकी जानकारी के लिए राजस्थान सरकार राज्य में केवल मात्र वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं की फीस का 100 प्रतिशत पुनर्भरण कर रही है। सत्र 2022-23 में हमारी राज्य सरकार ने हमारे खुला विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाली 37,560 छात्राओं की फीस का पुनर्भरण किया है। यह सुविधा राज्य के अन्य किसी नियमित विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने पर नहीं है। अर्थात हमारी राज्य सरकार खुला विश्वविद्यालय प्रणाली को किस उच्च स्तर तक प्रमोट कर रही है। दूसरी ओर दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग क्या कर रहा है ? विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उन लाखों विद्यार्थियों के बारे में क्यों नहीं सोच रहा जो अपनी उच्च शिक्षा केवल खुला विश्वविद्यालय से ही पूर्ण कर सकते हैं और करना चाहते हैं। विद्यार्थियों को बिना उनकी किसी गलती के उच्च शिक्षा से वंचित रहने की सजा क्यों दी जा रही है?

प्रत्येक खुला विश्वविद्यालय अपनी अध्ययन सामग्री देश के विभिन्न विद्वान शिक्षकों से तैयार करवाता है, जिसे अनुमोदन के लिए दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के गैर शैक्षणिक कार्मिकों के पास भेजना पडता है। शिक्षकों की इससे बडी मजाक क्या हो सकती है दूसरी ओर नियमित विश्वविद्यालयों में उपलब्ध साहित्य से ही गाडी चल रही है और अच्छी चल रही है। नियमित विश्वविद्यालयों में एक बहुत बडा वर्ग स्वयंपाठी विद्यार्थियों का है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उनके बारे में कभी चिंता व्यक्त नहीं की। परीक्षा प्रारम्भ होने से मात्र 24 घण्टे पहले तक फॉर्म भरकर परीक्षा दीजिए एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमोदित डिग्री लेकर पधारिये। राजस्थान में ऐसे स्वयंपाठी विद्यार्थियों की संख्या गत वर्ष लगभग 7 लाख थी।

दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो ने खुला विश्वविद्यालयों के लिए अच्छी संख्या में शिक्षकों की आवश्यकता की बाध्यता कर रखी है। शिक्षकों के पद राज्य सरकार से प्राप्त करना होता है और राज्य सरकार अपने सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए अनुमति प्रदान करती है। दूसरी ओर 7 लाख स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए एक भी शिक्षक नहीं है फिर भी शान से आगे बढ़ रहे है। राजस्थान में आज भी लगभग 6 नियमित विश्वविद्यालय ऐसे हैं जिनके पास एक भी शिक्षक नहीं है परन्तु छात्रों की संख्या लाखों में है। निजी विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली से तो पूरा देश वाकिफ है परन्तु यू.जी.सी.बेखबर है। दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से अपेक्षा तो यह थी कि ब्यूरो गरीब विद्यार्थी के हित में राज्य खुला विश्वविद्यालयों को सकारात्मक सहयोग के साथ आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। परन्तु व्यवहार में यू॰जी॰सी॰ने खुला विश्वविद्यालयों मार्ग में इतने बेरियर लगा दिए हैं जिससे ऐसा लगता है कि इनके हिडन एजेंडे में कहीं निजी विश्वविद्यालयों को आगे बढ़ाने का मंतव्य तो नहीं है ? हो सकता है मैं गलत दिशा में सोच रहा हूँ परन्तु स्थिति चिन्ताजनक तो है।

–प्रो.कैलाश सोडाणी,
कुलपति, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

शिक्षा रोजगार परक और स्वावलंबन सिद्ध होनी चाहिए : राज्यपाल कलराज मिश्र

■ गोविंद गुरु जन जातीय वि.वि. के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, संविधान उद्यान और संविधान स्तम्भ का लोकार्पण

शहीदी मानगढ़ धाम के प्रणेता गोविन्द गिरि की प्रतिमा का अनावरण राज्यपाल कलराज मिश्र, सांसद कनकमल कटारा, राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने किया।

बांसवाड़ा, (निसं)। आजादी के बाद से अब तक हम आदिवासी एवं सामान्य वर्ग के बीच की खाई को पाट नहीं पाए हैं, ऐसे में हमें शिक्षा का ऐसा सेतु तैयार करना होगा जो इस खाई को पाट सके। ये विचार राज्यपाल कलराज मिश्र ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, संविधान उद्यान और संविधान स्तम्भ का लोकार्पण, अकादमिक भवन के शिलान्यास एवं गोविन्द गुरु की प्रतिमा के अनावरण के त्रिआयामी समारोह में व्यक्त किए। मिश्र ने कहा कि शिक्षा रोजगार परक और स्वावलंबन सिद्ध होनी चाहिए ताकि ज्ञान की सभी विद्याओं से आदिवसी शसक्तिकरण हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र का आधार शिक्षा है अतः स्किल डवलपमेंट के कार्यक्रम संचालित करें ताकि विद्यार्थी शिक्षा अर्जित करने के बाद विश्वकर्मा के रूप में काम कर सकें। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति में इस पर बल दिया गया है ताकि शिक्षा अर्जन के बाद विद्यार्थी नौकरी के लिए हाथ नहीं पसारे वरन रोजगार सर्जक बन सके। विद्यार्थी आत्मनिर्भर हो और उसका मौलिक चिंतन हो।

उन्होंने कहा कि गोविंद गुरु व्यक्ति नहीं संस्था थे वे युग प्रवर्तक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने अपने समय में सामाजिक जागरूकता की क्रांति का शंखनाद करते हुए जन-जन का मार्ग प्रशस्त किया। गोविन्द गुरु ने 1911 में भगत पंथ की स्थापना के साथ धार्मिक जागृति और स्वाधीनता संग्राम में अहम योगदान दिया। आतताईयों के विरूद्ध संघर्ष करते हुए उन्होंने न केवल समाज को संगठित किया वरन् आत्मविश्वास जागृत करते हुए सामाजिक और राजनेतिक चेतना जागृत की। संप सभा की स्थापना कर जीवन शैली बदली। विवि परिसर में स्थापित हुई उनकी प्रतिमा युवा पीढी का पथ प्रदर्शित करेगी। राज्यपाल ने संविधान उद्यान के निर्माण पर बधाई देते हुए कहा कि इससे देश की युवा पीढी संविधान संस्कृति से जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि संविधान उद्यान नई पीढी को संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ कर्तव्यों की याद दिलाता रहेगा। उन्होंने बताया कि देश संविधान से ही चल रहा है और हमारे संविधान में ज्ञान दर्शन की महान परम्पराएं है जो वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना प्रवाहित करती है। उन्होंने बताया कि प्रारंभ में ही हम भारत के लोग कहा गया है यह वाक्य नहीं वरन् आत्मानुभूति और समर्पण के भावों का प्रतीक है। इस अवसर पर उन्होंने काली बाई, नाना भाई, संत मावजी एवं उनकी भविष्य वाणियों का भी उल्लेख किया।

टीएडी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि वागड धरा आध्यात्मिक धरा है। उन्होंने बताया कि काशी में जितने मंदिर है उतने ही इस पवित्र धरा पर भी है। उन्होंने बताया कि यहां कंइ विद्वानों को वेदों की जानकारी है अतरू नई पीढ ी को ज्ञान संस्कृति से जोड़ने के लिये वेद विद्यापीठ एवं गुरुकुल महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने बताया कि गुरुकुल में कंइ जनजाति परिवारों के बच्चों ने प्रवेश लिया था। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में मानव विज्ञान आदि नये विषय प्रारंभ करने की भी जरुरत बताई। उन्होंने कहा कि संस्कृति पर भी शोध होना चाहिए। सांसद कनकमल कटारा ने बताया कि टीएसपी क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ है प्रशासनिक सेवाओं में अधिकतर लोग पूर्वोत्तर के ही है ऐसे में 12 प्रतिशत आरक्षण में से 6 फीसदी पृथक आरक्षण इस क्षेत्र के युवाओं को दिया जाना चाहिए ताकि वे प्रशासनिक अधिकारी बन सके और इस क्षेत्र का समुचित विकास हो सके। कटारा ने इस अवसर पर खेल मैदान के लिये 10 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि गोविन्द गिरि ने समाज सुधार, भक्ति भाव से परिवार और गांव सुधारे थे।

उन्होंने धूणियां स्थापित कर नशामुक्ति और स्वस्थ जीवन की राह दिखाई थी। उन्होंने बताया कि संत मावजी महाराज ने जो भविष्यवाणियां की वे अक्षरशरू सत्य साबित होती जा रही है। प्रारंभ में कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से लगभग सवा लाख विद्यार्थी जुडे हैं यहां शोध का कार्य भी हो रहा है। इसी तरह से वेद विद्यापीठ व वैदिक गुरुकुल की स्थापना की जा रही है। कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त नीरज के पवन, पुलिस महानिरीक्षक एस. परिमला, जिला कलक्टर प्रकाशचंद्र शर्मा, एसपी अभिजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

राशिफल बुधवार 27 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, धनिष्ठा नक्षत्र प्रातः 7:10 तक, धृति योग प्रातः 7:53 तक, कौलव करण दिन 3:23 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग प्रातः 7:10 से सांय 6:55 तक है। आज प्रदोष व्रत है। गौत्रि रात्रि व्रत आरम्भ होंगे। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:49 से 12:18 तक, चर 3:16 से 4:46 तक, लाभ 4:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:15

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

तुला

व्यावसायिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक

घर-परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा। वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा।

मीन

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 57 प्रभात जयपुर, बुधवार 27 सितम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Tradition of leading from the front

Some call 'leading from the front' overambition, misplaced bravado or lapse of better sense – it may be shades of all of these, Kargil was possible thanks to that unique josh

Connect To Your Senses

Judging Mental Health Posts On Social Media

इकतालीस साल बाद ड्रैसाज (इक्वेस्ट्रियन हॉर्स राइडिंग) में गोल्ड मैडल जीतकर भारत ने इतिहास रचा है। चीन में आयोजित हो रहे एशिअन गेम्स में भारत ने यह शानदार सफलता हासिल की। टीम के सभी चार भारतीय घुड़सवारों ने शानदार प्रदर्शन किया। अपने घोड़े "एट्रो" पर सवार अनुष अग्रवाल 71.088 अंक के स्कोर के साथ सबसे आगे रहे। घोड़े "केमक्सप्रो एमरल्ड" पर सवार हृदय छेदा 69.941 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि दिव्यकृति सिंह ने 68.176 अंक हासिल किए और अपने घोड़े "चिन्स्की" के साथ सुदीप्ति हजेला ने 66.706 अंक अपने नाम किए। भारतीय टीम का कुल स्कोर 209.205 रहा, इस प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम को गोल्ड मैडल हासिल हुआ। व्यक्तिगत रैंकिंग के अनुसार, अनुष अग्रवाल और हृदय छेदा, सिउ जैकलीन विंग यिंग के बाद दिन के दूसरे और तीसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। सभी चार भारतीय घुड़सवार बुधवार को व्यक्तिगत ड्रैसाज इंटरमीडिएट प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेंगे। उम्मीद की जा रही है कि, ये खिलाड़ी व्यक्तिगत स्पर्धा में भी गोल्ड मैडल हासिल करेंगे। भारतीय टीम की इस जीत में जयपुर की दिव्यकृति सिंह का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। दिव्यकृति सिंह इस जीत के बाद ग्लोबल रैंकिंग में 14वीं व एशियाई रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं। दिव्यकृति सिंह अजमेर के मेयो गर्ल्स कॉलेज की पूर्व छात्रा हैं।

दिल्ली और जयपुर के बीच युद्ध छिड़ गया है कांग्रेस में

गहलोत जिस तरह से वरिष्ठ नेताओं को साइडलाइन कर रहे हैं, उससे राहुल गांधी बेहद रूष्ट हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। क्या अब कांग्रेस पार्टी में दिल्ली बनाम जयपुर की स्थिति बन गई है। माहौल में एक बदलाव दिखाई दे रहा है क्योंकि अशोक गहलोत जिस तरह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करने की कोशिश कर रहे हैं तथा अपनी स्वयं की प्रधानता दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, उस तौर-तरीके से राहुल गांधी नाराज़ हैं।

सूत्रों का कहना है कि जब गहलोत ने जयपुर में राहुल-खड़गे की जनसभा में वक्ताओं की सूची से सचिन पायलट का नाम हटा दिया था हालांकि राहुल ने इसे फिर से शामिल करा दिया था उसके बाद हवाई अड्डे पर राहुल ने रंधावा से जवाब तलब किया।

दोनों की बातचीत के समय मौजूद लोगों का कहना है कि राहुल ने बड़ी रुखाई के साथ रंधावा से कहा था, "अगर आप पार्टी के मामलों के समन्वयन एवं प्रबंधन में सक्षम नहीं हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने पद से इस्तीफा दे दें।" इस्तीफा देने के बजाय, रंधावा ने कहा कि वे सब कुछ व्यवस्थित करेंगे तथा उसके परिणाम दिखाई देंगे।

रंधावा ऐसे व्यक्ति हैं जो मुख्यमंत्री के पूरी तरह, "यस मैन" हैं तथा राहुल गांधी बिना किसी खास हाल चाल के उन्हें बर्खास्त कर देंगे।

उल्लेखनीय है कि अब दिल्ली और जयपुर के बीच खुली लड़ाई है तथा यह और भी बड़े रूप में तब दिखाई देगी, जब टिकट-वितरण प्रक्रिया चलेगी तथा गहलोत अपने समर्थकों को टिकट दिलाने की कोशिश करेंगे, जबकि सुनील कानूगोलू ने अपने सर्वे की रिपोर्ट में कहा है कि अगर पार्टी को अच्छा प्रदर्शन करना है तो 60 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिये जाने चाहिये।

राहुल गांधी ने गौरव गोगोई से कह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी ने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से यहां तक कह दिया कि, अगर आप पार्टी को मैनेज नहीं कर सकते तो बेहतर होगा पद से इस्तीफा दे दें।
- रंधावा ने लेकिन पद छोड़ने से इंकार कर दिया। रंधावा पूरी तरह से गहलोत के नियंत्रण में हैं और यह सब जानते हैं कि, वे गहलोत के कहे अनुसार ही काम करते हैं।
- दिल्ली और जयपुर की यह जंग कांग्रेस के टिकट वितरण के समय और ज्यादा उभरेगी, क्योंकि गहलोत अपने समर्थक विधायकों को टिकट देना चाहते हैं और इसके लिए कई मनगढंत सर्वे और रिपोर्ट भी पेश की जा रही हैं।
- राहुल गांधी ने साफ कह दिया है कि, टिकट वितरण में सुनील कानूगोलू की रिपोर्ट को ही आधार बनाया जाए। सुनील की रिपोर्ट के अनुसार, अगर कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करना है तो, 60 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटने होंगे।
- सुनील कानूगोलू कर्नाटक में कांग्रेस के प्रमुख रणनीतिकारों में शामिल थे, उन्होंने कर्नाटक में चुनाव प्रचार के नए-नए तरीके बताए तथा कई सर्वे किए, जिनकी वजह से वहां कांग्रेस को जीत मिली।

मुम्बई के सहकारी बैंक का लाइसैंस रद्द

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी.आई.) ने सोमवार, 25 सितम्बर से "कपोल को-ऑपरेटिव बैंक ऑफ मुम्बई" का लाइसैंस रद्द कर दिया। मंगलवार से बैंक में पैसों का लेन-देन नहीं हो सकेगा। यह एक और ऐसा बैंक है जिसका लाइसैंस अभी हाल ही रद्द हुआ है।

- रिज़र्व बैंक ने यह कहते हुए कपोल सहकारी बैंक का लाइसैंस रद्द कर दिया कि, बैंक के पास जमाकर्ताओं को भुगतान करने के लिए पैसा नहीं है।

आर.बी.आई. ने बैंक का लाइसैंस क्यों रद्द किया?

आर.बी.आई. ने कहा कि इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

'हाई कोर्ट के 80 जजों के नाम दस महीने से लम्बित हैं'

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति व तबादले में केन्द्र सरकार की ढिलाई की आलोचना की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। आज सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार द्वारा न्याय के रास्ते में रोड़े अटकाने की मोदी सरकार की चालों को रेखांकित करते हुए कहा "हाई कोर्ट से 8 नाम 10 माह से अधिक समय से लंबित पड़े है।

जजों की नियुक्ति का मामला कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक दूसरे को नीचा दिखाने का हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केन्द्र सरकार ने उच्च न्यायालयों की सिफारिशें अभी तक कोलीजियम के पास नहीं भेजी हैं।

केन्द्र द्वारा नामों को स्वीकृति देने में विलंब के आरोप पर याचिकाओं को सुनते हुए जस्टिस संजय कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बैंच ने कहा कि वे मामले पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं। हाई कोर्ट से प्राप्त 80 नाम 10 माहों से लंबित पड़े हैं। केवल एक आधारभूत प्रक्रिया पूरी होनी है। आपकी राय जाननी है ताकि कोलीजियम कार्रवाई कर सके।

बैंच ने कहा कि एक "हाई कोर्ट में 26 जजों और एक संवेदनशील हाई कोर्ट में चीफ जस्टिस की नियुक्ति करनी है।

जस्टिस कौल ने कहा, "मेरे पास सूचना है कि हाई कोर्ट से सिफारिश किए हुए कितने नाम लंबित हैं जो कोलीजियम तक नहीं पहुंचे।

- जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बैंच ने कहा कि, वे इस मामले पर कड़ी नज़र रखे हुए हैं और उन्हें पता है कि, हाई कोर्ट ने कितने नामों की सिफारिश की, पर नाम अभी तक कोलीजियम को नहीं भेजे गए हैं।
- एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण ने केन्द्र सरकार की तरफ से जवाब पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। कोर्ट ने उन्हें दो सप्ताह का समय दिया, पर कहा कि, इस बार जवाब के साथ ही कोर्ट में पेश हों।

एटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमण ने जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। बैंच ने उन्हें दो सप्ताह देते हुए केन्द्र सरकार के जवाब के साथ उपस्थित होने को कहा। अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी।

कड़ी टिप्पणी में जस्टिस कौल ने कहा, "मुझे बहुत कुछ कहना है लेकिन मैं खुद को रोक रहा हूं। मैं इसलिए चुप हूं क्योंकि एटॉर्नी जनरल ने एक सप्ताह का समय मांगा है लेकिन अगली तारीख पर मैं चुप नहीं रहूंगा।"

2014 में जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से जजों की नियुक्ति के मामले में कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच विवाद चल रहा है। मोदी सरकार ने तो 2014 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग भी बनाया था, ताकि हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में उसका वर्चस्व रहे लेकिन अक्टूबर 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। केन्द्रीय मंत्री लगातार जोर दे रहे है कि जजों के चयन में सरकार की भूमिका होनी चाहिए।

कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच विवाद और बढ़ गया जब गत वर्ष उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने टिप्पणी की कि कैसे सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने कानून को अस्तित्वहीन कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा कि कोलीजियम व्यवस्था देश का कानून है जिसका अक्षरशः पालन होना चाहिए। उसने कहा कि केवल इसलिए यह देश का कानून बंद नहीं होता कि समाज के कुछ वर्ग कोलीजियम व्यवस्था के खिलाफ हैं।

कोलीजियम व्यवस्था भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह व नड्डा आज जयपुर में

जयपुर 26 सितंबर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह एक दिवसीय प्रवास पर बुधवार को जयपुर आ रहे हैं। दोनों नेता करीब शाम 7 बजे भाजपा मुख्यालय पहुचेंगे।

दोनों नेता भाजपा मुख्यालय के विभिन्न बैठके लेंगे और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ चुनाव सम्बंधित मसलों पर चर्चा करेंगे।

- गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा प्रदेश के चुनावों के संबंध में पार्टी की कई बैठके करेंगे और नेताओं से फीडबैक लेंगे।

जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान के चुनाव को लेकर नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर फीडबैक भी लेंगे। सूत्रों के अनुसार वे कोर कमेटी एवं नेताओं से अलग-अलग चर्चा भी कर सकते हैं। नड्डा व अमित शाह का संघ कार्यालय जाने का भी कार्यक्रम बताया जा रहा हैं। वहां वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह को हाशिए पर धकेलने की तैयारी

विधानसभा प्रत्याशियों की लिस्ट में अभी तक भी शिवराज का नाम शामिल नहीं किया गया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। नवीनतम समाचारों के अनुसार मध्य प्रदेश को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भाजपा के भीतर ही गंभीर प्रतिद्वंदिता का सामना करना पड़ रहा है।

एक असामान्य कदम के तौर पर पार्टी नेतृत्व ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों को आगामी विधानसभा चुनाव लड़वाने का निर्णय लिया है:- नरेन्द्र सिह तोमर, प्रहलाद पटेल आर. फग्गन सिंह कुलस्ते। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कुछ वर्तमान सांसदों को भी उम्मीदवार बनाया जा रहा है। संक्षेप में, शीर्ष पद के लिए मुकाबला भारी हो जाएगा, अगर भाजपा सत्ता में लौट आई। पार्टी के सूत्र पहले ही संकेत दे चुके हैं कि चुनाव के बाद कोई भी बड़ा नेता मुख्यमंत्री बन सकता है।

वर्तमान मुख्यमंत्री का नाम उम्मीदवारों की पहली सूची में घोषित करने की पुरानी परम्परा के विरूद्ध चौहान का नाम भाजपा द्वारा अभी तक जारी की गई दो सूचियों में नहीं है। पार्टी ने 79 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं और संभव है कि चौहान का नाम शेष 151 उम्मीदवारों की सूची में हो।

लेकिन अभी चौहान की स्थिति हल्की लग रही है। साथ ही घटनाक्रम ने विपक्षी कांग्रेस को मौका दे दिया, चौहान और भाजपा पर हमला बोलने का। कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कमलनाथ ने कहा कि चौहान का नाम प्रत्याशी के रूप में जारी करने में भाजपा की असफलता इस बात का पुख्ता सबूत है कि भाजपा हार मान रही है। भाजपा में आत्मविश्वास की कमी है और इस पर उसे अपने सबसे बड़े गढ़ में सबसे बड़ी हार मिलेगी। भाजपा की डबल इंज़िन की सरकार डबल हार की ओर बढ़ रही है।

कमलनाथ के पार्टी सहयोगी रणदीप सुरजेवाला ने दावा किया है कि भाजपा को अब विपक्ष से डर लग रहा है। अपनी तरफ से चौहान अभी तक टीम वाला खेल खेल रहे हैं। जब उनसे कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों को उम्मीदवार बनाने के लिए पूछा गया तो मुख्यमंत्री ने कहा, "यह शानदार और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जबकि परम्परा है कि, मुख्यमंत्री का नाम पहली लिस्ट में ही घोषित कर दिया जाता है।
- भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों और कुछ सांसदों को मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में उतारा है। केन्द्रीय नेतृत्व ने संकेत दिया है कि चुनाव के बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है।

कांग्रेस का चुनावी मुद्दा, जात आधारित जनगणना

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गत सप्ताह संसद में जात आधारित जनगणना की मांग की थी, अब यही मांग कांग्रेस का मुख्य मुद्दा बन गई है। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि पारदर्शिता व समान वितरण के लिए जात आधारित जनगणना जरूरी है।

- ओ.बी.सी. मतों को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस जात आधारित जनगणना का मुद्दा जोर शोर से उठा रही है।

कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि भारत की आबादी का 60 प्रतिशत ओ.बी.सी. है लेकिन उन्हें उनकी आबादी के अनुपात में हक नहीं मिला है। अनुसूचित जाति, जनजाति के विपरीत इन्हें राजनैतिक आरक्षण भी नहीं मिला है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के कोटपूतली आवास सहित 10 व्यवसायिक ठिकानों पर ई.डी. की रेड

करीब 9 घंटे चली कार्यवाही, 5 गाड़ियों में सवार होकर आए करीब डेढ़ दर्जन अधिकारी कार्यवाही में शामिल रहे

कोटपूतली, 26 सितम्बर (निसं)। एक ओर जहां विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे है, वहीं, राजस्थान में सत्ताधारी पार्टी के गृहमंत्री के यहां हुई ईडी की रेड ने सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है।

मामला गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव से जुड़ा है। पांच गाड़ियों में सवार होकर आई, करीब डेढ दर्जन प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) अधिकारियों की टीम ने गृह राज्य मंत्री के कोटपूतली आवास सहित दस व्यवसायिक ठिकानों पर छापेमारी की है।

सूत्रों के अनुसार, कार्रवाही के दौरान अधिकारियों ने दो मोबाइल जब्त किए और मौके पर ताला तोड़ने वाले एक युवक को भी बुलाया है। बताया जा रहा है कि, करीब 9 घंटे चली कार्रवाही में 2 अलमारियों व एक बॉक्स का ताला तोड़कर कुछ अहम दस्तावेज जब्त किए हैं।

मंगलवार अल सुबह करीब 7 बजे से शाम 4.15 बजे तक चली कार्यवाही में ईडी की टीम ने लोगों का आना जाना बंद करते हुए घर में मौजूद कर्मचारियों से भी उनके मोबाईल आदि ले लिये, जों बाद में लौटा दिए गए। बताया जा रहा है कि, कार्यवाही के वक्त स्वयं गृह राज्यमंत्री यादव व उनके बेटे भी आवास पर ही मौजूद थे। टीम ने लैपटॉप व प्रिन्टर आदि भी अन्दर मंगवाकर कार्यवाही को आगे बढ़ाया।

गौरतलब है कि, विगत 7 सितंबर 2022 को भी मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की, कोटपूतली के पाथरेड़ी स्थित फैक्ट्री सहित 53 ठिकानों पर इन्कम टैक्स विभाग की रेड हुई थी। दरअसल मामला मिड-डे मील सप्लाई में हुई गड़बड़ी से जुड़ा बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब राजेन्द्र यादव से संबंधित कंपनियों में रेड हुई थी, तब कमलजीत राणावत, सतीश मूलचंद व्यास से संबंधित कंपनियों में भी रेड की गई थी और 15 बैंक लॉकरों को भी खोला गया था। बताया जा रहा है कि, इन्कम टैक्स विभाग को करोड़ों की राशि घोषित नहीं की जा रही थी और स्थानीय सूत्रों के अनुसार राजेन्द्र यादव के परिवार जनों ने लगभग 14 करोड़ रूपये इन्कम टैक्स को सरेंडर किये थे।

जिस कंपनी में रेड की गयी थी उनमें से एक कम्पनी, एम.आर.टी. एन्टरप्राइज़ेज थी। जिसमें राजेन्द्र यादव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूत्रों ने बताया कि, ई.डी. ने 2 मोबाइल सहित अहम् दस्तावेज जब्त किए व 3 ताले भी तोड़े।
- गत वर्ष 7 सितम्बर को आई.टी. ने भी राजेन्द्र यादव के 53 ठिकानों पर छापा मारा था।
- शाम को ई.डी. की कार्यवाही के बाद मंत्री राजेन्द्र यादव ने जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रैंस कर कहा कि, मेरा कोई लेना देना नहीं है, मुझे सिर्फ बेवजह परेशान किया जा रहा है।

बॉलीवुड की अतिलोकप्रिय अभिनेत्री वहीदा रहमान को भारतीय सिनेमा जगत के सर्वोच्च सम्मान "दादा साहब फाल्के" पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने "एक्स" अकाउंट पर एक लंबा नोट शेयर कर यह जानकारी दी। फिल्म प्यासा, कागज़ के फूल, चौदहवीं का चांद, साहब बीवी और गुलाम, गाइड और खामोशी जैसी कई चर्चित फिल्मों में अपने अभिनय से वहीदा रहमान ने बहुत प्रसिद्धि हासिल की। पांच दशक से अधिक की अभिनय यात्रा में वहीदा रहमान को पद्मश्री और पद्म भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

'विधायकों के इस्तीफों पर स्पीकर कितने दिनों तक बिना निर्णय लिए बैठे रह सकते हैं?'

राजेन्द्र राठौड़ ने हाईकोर्ट में कहा कि, ''स्पीकर द्वारा अनिर्णय की स्थिति बनाए रखना आलाकमान को दबाव में लाने का नया तरीका है, जो ना केवल लोकतंत्र के साथ मजाक है, बल्कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कांग्रेस के 81 विधायकों द्वारा विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे देने से जुड़े मामले में लंबित याचिका में संशोधन के लिए एक सप्ताह का समय देते हुए मामले की सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान विधानसभा सचिव की ओर से ए.जी. एम.एस. सिंघवी और अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जनहित याचिका में कांग्रेस विधायकों के इस्तीफों पर स्पीकर की ओर से निर्णय कराने का आग्रह किया था। स्पीकर ने गत 13 जनवरी को इस्तीफों पर अपना फैसला दे दिया है। ऐसे में याचिका में की गई प्रार्थना पूरी हो गई है, "इसलिए याचिका को निस्तारित किया जाए"।

वहीं राजेन्द्र राठौड़ ने अपने अधिवक्ता हेमंत नाहटा के साथ संयुक्त रूप से पैरवी करते हुए कहा कि विधानसभा स्पीकर ना तो सदस्यों के इस्तीफों की कॉपी रिकॉर्ड पर लाए और ना ही उनके इस्तीफों में जांच के आदेश ही दिए।

राजस्थान के कांग्रेस विधायकों द्वारा स्पीकर को सौंपे गए इस्तीफा प्रकरण को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करने वाले नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भी मंगलवार को अदालत पहुंचे।

राठौड़ की ओर से अदालत को बताया गया कि," स्पीकर ने एमएलए के इस्तीफों पर फैसला देने में 113 दिन की देरी की है। ऐसा करना कांग्रेस के आलाकमान को दबाव में लाए जाने का एक नया तरीका है, जो ना केवल लोकतंत्र के साथ मजाक है बल्कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था के लिए भी घातक है।" ऐसे में अदालत इस बिंदु पर भी संज्ञान लेकर स्पीकर की ओर से एमएलए के इस्तीफों पर निर्णय करने की वैध अवधि भी तय करे, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो।

इस पर अदालत ने राठौड़ के दलीलों को संगीनता से लेते हुए कांग्रेस के 81 विधायकों द्वारा राजस्थान विधानसभाध्यक्ष को इस्तीफे देने से जुड़े मामले में लंबित याचिका में संशोधन के लिए एक सप्ताह का समय देते हुए अब मामले की सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है

गौरतलब है कि जनहित याचिका में कहा गया था कि कांग्रेस के विधायकों ने 25 सितंबर 2022 को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे दिए थे। इसके बाद 18 अक्टूबर, 19 अक्टूबर, 12 नवंबर और 21 नवंबर को याचिकाकर्ता ने स्पीकर को प्रतिवेदन देकर उनके इस्तीफों पर निर्णय करने का आग्रह किया था, लेकिन स्पीकर ने एमएलए के इन इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं किया है। इसलिए, स्पीकर से एमएलए के इस्तीफों पर निर्णय करवाया जाए।

पड़ौसी राज्यों के भाजपा नेता डालेंगे राजस्थान में डेरा

जयपुर। विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा ने आक्रामक और खास रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में प्रवासी सांसदों और विधायकों की बैठक ली। इसमें नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, गुजरात के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी नितिन पटेल, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर और चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया मौजूद रहे। इस दौरान सभी को विधानसभावार कार्यक्रम आवंटित किए गए। इन सभी कार्यक्रमों का समन्वय प्रदेश मुख्यालय पर किया जाएगा। वही परिवर्तन संकल्प यात्रा के बाद अब पड़ौसी राज्यों के भाजपा नेता राजस्थान में कैंप कर पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। उत्तरप्रदेश, दिल्ली व हरियाणा सहित कई राज्यों के बड़े नेता जिलों में विधानसभा चुनाव तक प्रवास कर और संगठन को एकजुट करने का काम करेंगे। दूसरे राज्यों के भाजपा नेताओं के प्रवास को लेकर आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय में समन्वय बैठक हुई। जिसमें सभी जिला अध्यक्ष जिला प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारी सहित पड़ौसी राज्यों के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक में परिवर्तन संकल्प यात्रा को लेकर भी जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारी ने प्रदेश नेतृत्व के सामने फीडबैक दिया। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारियों के साथ संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

मेयर पद से पुनः निलंबन को मुनेश ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

मुनेश गुर्जर की इस याचिका पर हाईकोर्ट में आज सुनवाई होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार की ओर से हैरिटेज नगर निगम जयपुर की महापौर मुनेश गुर्जर को गत 22 सितंबर को आदेश जारी कर वापस निलंबित करने की कार्रवाई की थी। सरकार के इस फैसले को मुनेश गुर्जर ने मंगलवार को हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी है। मुनेश गुर्जर की इस याचिका पर बुधवार को सुनवाई होगी। वहीं दूसरी ओर मामले में राज्य सरकार की ओर से कैविएट पेश की गई है। ऐसे में अब हाईकोर्ट दोनों पक्षों को सुनकर अंतरिम आदेश पारित करेगा।

याचिका में प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव व निदेशक सहित अन्य को पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने प्रार्थिया का निलंबन नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। मामले में उसके खिलाफ प्रावधानों के खिलाफ जाकर जांच की गई और इसमें वो ही तथ्य थे जो कि पंचनामा रिपोर्ट व एफआईआर से साबित नहीं हो पाए हैं। इसलिए उसके निलंबन आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाकर उसे रद्द किया जाए। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने मुनेश को दुबारा निलंबित करने वाले आदेश में कहा है कि नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों के तहत उन पर पद के दुरुपयोग व कर्तव्य पालन में प्रतिकूल आचरण का आरोप लगाया है। नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में मेयर के पति सुशील गुर्जर की ओर से रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में प्रथम दृष्टया मुनेश भी शामिल है और इसके लिए वह भी पूरी तरह से दोषी व उत्तरदायी है। ऐसे में उसे मेयर पद से निलंबित किया जा रहा है। इससे पहले भी राज्य सरकार ने मुनेश को उनके पति सुशील गुर्जर से जुड़े इसी मामले में शामिल मानते हुए निलंबित किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं बाद में राज्य सरकार ने निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था।

कई सांसदों के विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा जिताऊ उम्मीदवारों की तलाश में कई सर्वे करवा रही है। राजस्थान में भाजपा कई सांसदों को विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। पार्टी में चर्चा है कि करीब आधा दर्जन सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ाया जाएगा, हालांकि कई सांसद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं तो कई सांसद विधानसभा चुनाव में टिकट की मांग कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में करीब 7 सांसदों को टिकट मिलने के बाद अब राजस्थान में इस चर्चा को और बल मिल रहा है। सांसदों को चुनाव लडाने के सवाल पर चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि सांसद चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। कांग्रेस में तो हारने वालों को टिकट दिया जा रहा है। राजस्थान में हम चुनावों को लेकर जब बैठक करेंगे तब इस पर चर्चा करेंगे। वहीं टोंक-सवाई माधोपुर से सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने कहा कि पार्टी जो उसके आधार पर ही हम चुनाव लड़ते हैं। कार्यकर्ता से ही सांसद-विधायक बनता है, जो भी जिम्मेदारी आलाकमान देगा, उसे निभाएंगे। हालांकि जौनपुरिया ने कहा कि मेरी विधानसभा चुनाव लड़ने की कोई मंशा नहीं है।

'मानगढ़ धाम बनेगा राष्ट्रीय स्मारक'

जयपुर, (का.सं.)। बांसवाड़ा के प्रसिद्ध स्मारक एवं समाज सुधारक गोविंद गुरू की साधना स्थली मानगढ़ धाम को राज्य सरकार राष्ट्रीय स्मारक के रूप में विकसित कराएगी। इसके लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने डीपीआर बनाने के लिए 1 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत ने विश्व आदिवासी दिवस पर मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक बनाने की घोषणा की थी।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

पूज्य पिताजी श्री जुगल किशोर जैन (गंगवाल) गुढा कटला वालो का स्वर्गवास 26.09.2023 को हो गया है। तीये की बैठक 28.09.2023 दोपहर 1:30 बजे दिगंबर जैन मंदिर, कांवटिया सर्किल, शास्त्री नगर, जयपुर में होगी। **शोकाकुलः** शांति देवी (पत्नी), जितेंद्र-सर्चना (पुत्र-पुत्रवधु), प्रियांश, मीनल (पौत्र, पोत्री), सुनीता (साधना)- प्रसन्न गोधा, पिंकी- पवन काला, रमिता-नीरज शाह (पुत्री- दामाद), प्रीतेश-सुरभी, हितेश- कनिका, दीक्षांत-रितिका, हिमांशु, अनिकेत (दोहिता-वधु), प्रेरणा- अखिल, ईशा (दोहिती-दामाद) समस्त गंगवाल परिवार, गुढा कटला वाले। ससुराल पक्षः महावीर, अविनाश, अतिन भौंसा। मोबाईल-9414455213

''रन फॉर आमेर'' मैराथन में 5 दिन तक दौड़ेंगे हजारों युवा

उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां ने मंगलवार सुबह मानपुरा में मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाई।

जयपुर (कासं)। आमेर विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां विकास, रोजगार और खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हमेशा अनूठी पहल कर नवाचार करते हैं।

इसी क्रम में उन्होंने पांच दिवसीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता "रन फॉर आमेर" का मानपुरा से मंगलवार सुबह 6:15 बजे शंखनाद किया। आरसीए क्रिकेट स्टेडियम चौप से दौलतपुरा टोल प्लाजा तक आयोजित की गई "रन फॉर आमेर" मैराथन में युवाओं ने हजारों की संख्या में हिस्सा लिया, जिसमें प्रथम स्थान रोहित खोजी गुर्जर, द्वितीय स्थान विजेंद्र गुर्जर और तृतीय स्थान रवि प्रजापत ने प्राप्त किया, जिन्हें सतीश पूनियां और स्थानीय गणमान्य बड़े-बुजुर्गों ने सम्मानित किया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। बता दें कि आज से लेकर 30 सितंबर तक पांच दिवसीय आमेर मैराथन का सभी पांच मंडलों में सुबह 6:15 बजे आयोजन के कार्यक्रम हैं। बुधवार 27 सितंबर को रामपुरा मंडल में एन. के. पब्लिक सी.से. स्कूल, सीकर रोड, राजावास के सामने से टॉटियावास टोल प्लाजा तक, 28 सितंबर को अचरोल में चंदवाजी स्कूल ग्राउंड पर, 29 सितंबर को जालसू मुख्य स्टैंड से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक, 30 सितंबर को आमेर शहर में "रन फॉर आमेर" मैराथन आयोजित की जायेगी।

कार्यक्रम में आमेर प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भगवान शर्मा, समाजसेवी लालचंद बागड़ा सहित स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सतीश पूनियां आमेर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बड़े स्तर पर विभिन्न कंपनियों के माध्यम से रोजगार मेला का आयोजन कर चुके हैं और हेल्थ की जागरूकता के लिये स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन इत्यादि कार्यक्रम भी कर चुके हैं।

86 सरकारी स्कूल क्रमोन्नत होंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित 86 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक विद्यालयों में क्रमोन्नत करने की स्वीकृति दी है। उन्होंने इन विद्यालयों हेतु 1118 विभिन्न पदों के सृजन को भी मंजूरी दी है। नव सृजित पदों में वरिष्ठ अध्यापक, अध्यापक, प्रधानाचार्य, कनिष्ठ सहायक एवं सहायक कर्मचारी के पद शामिल हैं।

'जल व स्वच्छता संस्थान की कैग ऑडिट क्यों नहीं?'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल एवं स्वच्छता संस्थान की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से ऑडिट नहीं कराने पर राज्य सरकार, जल एवं स्वच्छता संस्थान और कैग से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी और अधिवक्ता टीएन शर्मा ने अदालत को बताया कि पीएचईडी विभाग के अधीन कार्य करने वाले जल एवं स्वच्छता संस्थान को केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से करोड़ों रुपए का बजट मिलता है। संस्थान की ओर से करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी खातों का ऑडिट सरकारी संस्था से नहीं कराया जाता। जबकि कैग एक्ट की धारा 14(1) में प्रावधान है कि जिस सरकारी संस्थान को केन्द्र या राज्य सरकार से 25 लाख रुपए से अधिक का फंड मिलता है तो उस संस्थान की कैग ऑडिट जरूरी है। इसके अलावा राज्य सरकार के सामान्य वित्त एवं लेखा नियम के तहत राज्य सरकार के सभी फंड की ऑडिट राज्य के विभाग से करना जरूरी है। इसके बावजूद भी जल एवं स्वच्छता संस्थान की सरकारी ऑडिट नहीं कराई जाती। याचिका में आरोप लगाया गया कि जल एवं स्वच्छता संस्थान को करोड़ों रुपए फंड मिलने के बाद भी इसके खातों की जांच कैग से ना करवाकर निजी सीए से करा कर इतिश्री कर ली जाती है।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने भाजपा को 'डूबता जहाज' बताया

तिवारी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री की तारीफ करते हुए 156 सीटें आने का दावा किया

जयपुर (कासं)। राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा को 'डूबता जहाज' बताते हुए कहा कि राहुल गांधी ने जो कुछ कहा, वह सच कहा। छत्तीसगढ़ में क्या स्थिति है, वहां कोई यह बात नहीं करता कि सरकार किसकी आएगी, वहां तो स्थित है कि बीजेपी डबल डिजिट तक पहुंच पाएगी या नहीं। मध्य प्रदेश में तो इतनी नाराजगी है कि शिवराज सिंह को लोग गालियां दे रहे हैं। वैसी स्थिति राजस्थान में नहीं है, क्योंकि गहलोत एक-एक व्यक्ति एक-एक सीट को जानते हैं।

जयपुर में मीडिया से बात करते हुए तिवारी ने कहा कि राजस्थान में बीजेपी की अब तक जितनी भी सरकारें बनी हैं, उन सब सरकारों का कामकाज ले लीजिए और पांच साल का गहलोत सरकार का काम देख लीजिए। उन सब पर गहलोत सरकार के काम भारी दिखेंगे। गहलोत सरकार का 5 साल का कार्यकाल सब पर भारी है। यह मैं दावे के साथ कह रहा हूं। गहलोत सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री हैं। जितनी भी बीजेपी की राज्य सरकारें हैं। उनमें किसी राज्य में उतना काम नहीं हुआ, जितना गहलोत सरकार ने किया है। बीजेपी शासित किसी सरकार में इतना काम हो तो बता दें। मोदी सरकार के झूठे वादों पर राजस्थान की जनता को विश्वास नहीं है।

तिवारी ने कहा कि सहयोगी दल मोदी से नहीं डर रहे हैं। वे ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई से डर रहे हैं। ये सारे वैसे ही काम कर रहे हैं। जैसे पार्टी का कोई फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन काम कर रहे हो। यह आरोप मैं जिम्मेदारी से लगा रहा हूं। राजस्थान में देख लीजिए। मोदी कल आकर गए हैं। आज ईडी के छापे शुरू हो गए। राजस्थान में बीजेपी कमजोर है, इसलिए ईडी को लगाया है। जहां बीजेपी कमजोर दिखती है। वहां ईडी, इनकम टैक्स को काम पर लगाया जाता है। तिवारी ने कहा कि गहलोत एक-एक व्यक्ति, एक-एक सीट को जानते हैं। उन्होंने कहा है कि 156 आएगी तो मैं पूरी उम्मीद करता हूं कि 155 नहीं 156 ही आएगी।

तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी ने महिलाओं से किया कोई वादा नहीं निभाया। महिला आरक्षण का बिल लाए उसके भी लागू करने का कोई अता पता नहीं है। मुझे 44 साल राजनीति करते हो गए, मैंने ऐसा कभी नहीं देखा कि कोई बिल पास हो और उसके लागू होने के बारे में कोई अता-पता नहीं हो।

तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के डूबते हुए जहाज को सहयोगी दलों ने पहचान लिया है। इसके सहयोगी दल एक-एक कर इसे नाता तोड़ रहे हैं। तमिलनाडु में एआईएडीएमके बीजेपी से नाता तोड़ लिया है। इससे राज्यसभा में उनका बहुमत कम हो गया है। बीजेपी के सहयोगी दल पिंड छुड़ाने के चक्कर में हैं। छोटे-छोटे दल इंतजार कर रहे हैं कि जैसे चुनाव की घोषणा हो। वैसे ही यह इस डूबते जहाज से निकल भागें।

आम सूचना दि. 27.09.2023
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेरे अभिभाष्य श्री प्रेम वर्मा व उनकी धर्म पत्नि श्रीमती देवकी वर्मा निवासी- ए-93 पानीपेच,नेहरू नगर, जयपुर, राजस्थान ने अपने इकलौते पुत्र श्री नरेंद्र कुमार वर्मा व उसकी पत्नि श्रीमती प्रियंका पाल तथा पौत्र लवेन वर्मा को अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्तियो से बेदखल कर दिया है। अतः सूचित रहे।
भवदीय
सुनीता रानी एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर 9214610082

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
दूरभाष संख्या-0141-4901853
आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-4/एच/44 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 239.400 वर्ग मीटर का आवंटन डॉ. विजय माथुर पुत्र स्व. श्री ए.एल. माथुर को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1552 दिनांक 08.02.2005 जारी किया गया था। तत्पश्चात कार्यालय आदेश क्रमांक 5703 दिनांक 10.03.2005 जारी कर उक्त आवास के आवंटन में श्री विजय माथुर के नाम से श्रीमती मधुबाला माथुर का नाम जोड़कर आवंटन को संयुक्त नाम से किया गया। उनके द्वारा दोनों के संयुक्त नाम से आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर पंचम में दिनांक 14.03.2007 को करवाया गया।
उक्त दोनों आवंटियों में से श्री विजय माथुर की मृत्यु दिनांक 19.03.2013 को हो जाने के कारण श्रीमती मधु माथुर पत्नी स्व. श्री विजय माथुर के द्वारा आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, घोषणा पत्र, राशन कार्ड की छाया प्रति, मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति एवं Relinquishment deed की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है।
अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती मधु माथुर पत्नी स्व. श्री विजय माथुर के पक्ष में उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

खोया पाया
मेरे विला नं. 25, प्लाट नं. 28, कोरल क्रिमसन कोर्ट, श्रीराम विहार, जयपुरा विलेज, तहसील सांगानेर, जयपुर के मूल दस्तावेज जेडीए पट्टा, मूल रजिस्ट्री जो कि श्री विष्णु कुमार पुत्र श्री रमेश चन्द्र के नाम से है, खो गए है कृपया मिलने पर सूचित करें- 9414208305

मेरे आवास 268/126 प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें-9079078204

प्रारूप-10 नियम 6(7) देखिए
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका शाहपुरा (जयपुर) राज.
क्रमांक-नपाशा/प्राधि/90-क/2023-24/2223 दिनांक-26.9.23
लोक सूचना श्री देशराज मीणा पुत्र श्री रामकिशोर मीणा निवासी ढाणी गोरिया, धनावता हसील उदयपुरवाटी, श्री हरिराम मीणा पुत्र श्री हनुमानसहाय मीणा, श्री हंसराज शर्मा पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा निवासी बिदारा शाहपुरा बाबत चाहने राजस्व ग्राम बिदारा हसील शाहपुरा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (आवासीय) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-
जिले सहित तहसील का नाम-शाहपुरा जयपुर, ग्राम का नाम-बिदारा, खसरा नं.-1913/1079, कुल रकबा, क्षेत्र-1.2570 हैक्टर, 1.2570 हैक्टर
इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1953 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज .... को जारी की जाती है।
प्राधिकृत अधिकारी, नगर पालिका शाहपुरा

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-9504 दिनांक-13.09.2023
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 64/437 (EWS) (एरिया 36.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती मोता देवी पत्नी श्री मूलचन्द को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1865 दिनांक 26.12.1991 को जारी किया गया। श्रीमती नीता देवी पत्नी श्री परमानन्द के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 2773/3473 दिनांक 29.06.2010 के द्वारा किया गया। श्रीमती नीता देवी के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 13.05.2013 को उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये।
श्रीमती/सुश्री नीता देवी उर्फ नीता पमनानी की मृत्यु दिनांक 17.04.2021 को हो जाने के कारण इनके पति श्री परमानन्द पुत्र श्री धन्ना मल द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है।
अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है श्री परमानन्द पुत्र श्री धन्ना मल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य मोहम्मद हनीफ कुरैशी पुत्र श्री रमजान निवासी-मकान नंबर 34, एन.बी. फैक्ट्री, राजीव नगर, हटवाडा, हसनपुरा, जयपुर के पुत्र वसीम मेरे अभिभाष्य की मर्जी विरुद्ध काम करता है तथा उसके कहने में नहीं है, इसलिए मेरे अभिभाष्य अपने पुत्र को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता है, तथा भविष्य में यदि कोई व्यक्ति, संस्था किसी प्रकार का संव्यवहार करता है तो उसके लिए वह स्वयं ही जिम्मेदार होंगे। अतः सूचित रहें।
जयपुर (शबी अहमद बुखारी) एडवोकेट
दिनांक मो.नं. 9664214743

आम सूचना सभी जन साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलान (1) जमील मोहम्मद (2) खलील मोहम्मद (3) शकील मोहम्मद पुत्रान स्व. श्री वजीर मोहम्मद निवासी 2349 बी, बालजी की कोठी का रास्ता, चौकडी तोपखाना हुजूरी, जयपुर के भाई अकील मोहम्मद का मेरे मुवक्किलान से कोई लेना देना नहीं है कोई भी व्यक्ति यदि अकील मोहम्मद से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार या लेन देन करता है तो इसमें मेरे मुवक्किलान की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। कृपया सूचित रहे।
जयपुर (शमी अली) एडवोकेट
दिनांक- मो.नंबर-9828075086

प्रेषक-मीना जैन पुत्री गुलाबचन्द पत्नी निर्मल जैन जाति जैन निवासी दूदूतहसील दूदू जिला दूदू राज.।
बनाम
प्रेषित- नंदकिशोर पुत्र श्यामसुन्दर मीणा जाति मीणा निवासी गागरडू तहसील दूदू जिला दूदू राज.
रजिस्टर्ड नोटिस
श्रीमानजी,
मेरे द्वारा आपको मेरे पिताजी की खातेदारी भूमि में उत्पन्न विवाद को निपटाने के वास्ते मुख्त्यारनामा दिया था जिसकी मूल प्रति मेरे पास है लेकिन फोटो प्रति आपको दी गई थी तथा मेरे पिताजी की खातेदारी भूमि खसरा नम्बर 4226/1 रकबा 14 बीघा, खसरा नम्बर 4926/5 रकबा 1 बिस्वा, खसरा नम्बर 4927 रकबा 1 बिस्वा कुल किता 03 कुल रकबा 14 बीघा 02 बिस्वा में विवाद था जिसे मैंने मेरे हिसाब से निपटा लिया है तथा अब कब्जे संबंधी कोई विवाद शेष नहीं है तथा आपके पास जो फोटो प्रति वह अविलम्ब मुझे लोटाये तथा दिनांक 17.03.2023 को जो मुख्त्यारनामा आपको विवाद निपटाने बाबत दिया था उसे निरस्त किया जाता है भविष्य में इसका किसी भी प्रकार से दुरूपयोग नहीं करें तथा दुरूपयोग करने पर आप स्वयं जिम्मेदार होंगे सो सूचित रहे।
प्रार्थीया-मीना जैन पुत्री गुलाबचन्दजैन
पत्नी निर्मल जैन जाति जैन
निवासी दूदू तहसील दूदू जिला दूदू राज.

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम-11 महानगर सांगानेर
भुवनेश मिश्रा बनाम बद्री वगै.
दावा बाबत CS 77/23
बनाम-
मुसम्मी V6 रेखा पुत्री वल्द ब्रदीनारायण पत्नि नामालूम कौम जाट साकिन निवासी ग्राम लदाना बाग की ढाणी तह. फागी
चूंकि वादी ने इस अदालत में तारीख 17.07.2023 को 1. भुवनेश मिश्रा बनाम 2. बद्री वगै. मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवल्की बद्री मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. रेखा पुत्री बद्री पत्नि नामालूल बनाये जावें।
लिहाजा बजरिये हाजा वगर्ज जवाब देही 1. रेखा 27.09.2023 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजरी में सुना व किया जावेगा।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 16.09.2023को जारी किया गया।
रीडर
(मोहर अदालत) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-11 महानगर सांगानेर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड (राजस्थान)
अनिल बनाम जगदीश सिंह व अन्य
वाद बाबत तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 53 व 188 राजस्थान टीनेन्सी एक्ट
वाद सं. 98सन् 2023
बनाम-
जगदीश सिंह पुत्र लादू सिंह, नन्दुसिंह पुत्र लादु सिंह, प्रहलाद सिंह पुत्र लादु सिंह, समस्त जाति राजपूत, समस्त निवासी ललाना, तहसील पावटा, जिलाकोटपूतली-बहरोड राजस्थान आपके विरूद्ध उपरोक्त के लिए वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 20.10.2023 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता. 20 माह 09 सन् 23 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
(मोहर) उपखण्ड अधिकारी पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य मेन्टोर एजुकेशन एण्ड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा ग्राम कानोता, पटवार हल्का कानोता, भू.अ. नि. क्षेत्र कानोता तहसील बस्सी जिला जयपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 570 एवं 570/1 दिनांक 27.06.2013 एवं दिनांक 08.11.2013 को मेन्टोर इंटरनेशनल स्कूल के लिए लीज पर लिया गया है जो अभी भी वर्तमान में मेरे अभिभाष्य के पास किराये पर है जिसमें मेरा अभिभाष्य बतौर किरायेदार काबिज है। मेरे अभिभाष्य को विश्वस्त सूत्रों से जानकारी मिली है कि उक्त भूमि को पवन कुमार गोयल एवं परिवारजन द्वारा विक्रय किया जा रहा है व मेरे अभिभाष्य को उक्त भूमि से बदनीयतपूर्वक बेदखल करना चाहता है। अतः सूचित किया जाता है कि उक्त भूमि को न तो विक्रय करें, गिरवी, न ही किराये पर देवें और न ही किसी को हस्तांतरित करें और न ही अपने किसी एजेंट व सर्वेंट से ऐसा कार्य करावें। सुनील शर्मा, एडवोकेट, 7 झ 29 जवाहर नगर, जयपुर-302004

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष वाणिज्य न्यायालय, कम संख्या 2, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरुद्ध
मैसर्स माँ दधिमति एंटरप्राईजेज एवं अन्य
C.S.वाद बाबत 134/22 CIS वाद सख्या 53 सन् 2022
नाम 1 मैसर्स माँ दधिमति एंटरप्राईजेज, जरिये प्रोप्राईटर श्री नरोत्तम मिश्रा पुत्र श्री शंकर दत्त मिश्रा, एफ-27, फर्स्ट फ्लोर, पंजाब नेशनल बैंक के पास, गौतम मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर (राज.)
2.श्री नरोत्तम मिश्रा पुत्र श्री शंकर दत्त मिश्रा, निवासी: 38, बृज विहार कॉलोनी, शिव मन्दिर के पास, जगतपुरा, जयपुर-302025 (राज.) एवम् प्लॉट संख्या-133, फ्लेट संख्या 4 सैकण्ड फ्लोर, हारमोनी रेजीडेंसी, अजमेर रोड, कनक विहार, जयपुर 302021
ने आपके विरूद्ध वसूली के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 29 माह 09 सन् 2023 को दिन में 10.30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समय दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे एव दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है, पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा दाखिल /सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविश्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह आज दिनांक 26 माह 09 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
समक्ष वाणिज्य न्यायालय, कम संख्या 2, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश क्रम सं. 17, जयपुर महानगर-द्वितीय मु. चौमू
शीला मीणा बनाम अशोक कुमार शर्मा (गौतम)
प्रार्थना पत्र बाबत अस्थायी निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या - 43सन् 2023
बनाम अशोक कुमार शर्मा (गौतम) पुत्र श्री मदनलाल शर्मा, निवासी-प्लॉट नम्बर-75 श्री एस.एन. विद्यापीठ स्कूल के सामने, सीतारामपुरी कॉलोनी, जमनापुरी, दिल्ली-अजमेर बाईपास, माचेडा के पास, जयपुर (राजस्थान)-302013
उक्त वादिनी शीला मीणा ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि वाके महानगर जयपुर दौलतपुरा रोड, बैनाड के पास ''गौतम नगर चतुर्थ'' बी-ब्लॉक में स्थित भूखण्ड संख्या-10-ए कुल क्षेत्रफल-90 वर्गगज आपसे जरिये इकरारनामा दिनांक 09.08.2017 खरीद किया जाना व स्वयं की कब्जेशुदा सम्पत्ति होना जाहिर कर आपके द्वारा वादिनी के उक्त प्लॉट के उपयोग व उपभोग में बिना वजह मजाहमत पैदा करना व बाईफोर्स बेदखल करने को आमादा होनाजाहिर कर पृथक से दीवानी वाद दायर किया है तथा दौरान दावा आपकों उक्त प्लॉट के वादिनी के उपयोग व उपभोग में किसी प्रकार की मजाहमत पैदा नहीं करने हेतु जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द कराने हेतु उक्त आवेदन प्रस्तुत किया है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 29 माह सितम्बर सन् 2023 को 10.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज दिनांक 14 माह सितम्बर सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
न्यायाधीश-अपर सिविल न्यायाधीश महानगर मजिस्टेट क्रम-17
(मोहर) जयपुर महानगर द्वितीय मुख्यालय चौमू

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश क्रम सं. 17, जयपुर महानगर-द्वितीय मु. चौमू
शीला मीणा बनाम अशोक कुमार शर्मा (गौतम)
वाद बाबतस्थायी निषेधाज्ञा
वाद सं. 47सन् 2023
बनाम अशोक कुमार शर्मा (गौतम) पुत्र श्री मदनलाल शर्मा, निवासी-प्लॉट नम्बर-75, श्री एस.एन. विद्यापीठ स्कूल के सामने, सीतारामपुरी कॉलोनी, जमनापुरी, दिल्ली-अजमेर बाईपास, माचेडा के पास, जयपुर (राजस्थान)-302013
वादिनी शीला मीणा ने आपके विरूद्ध वाके महानगर जयपुर दौलतपुरा रोड, बैनाड के पास ''गौतम नगर चतुर्थ'' बी-ब्लॉक में स्थित भूखण्ड संख्या 10-ए, कुल क्षेत्रफल-90 वर्गगज आपसे जरिये इकरारनामा दिनांक 09.08.2017 खरीद किया जाना व स्वयं की कब्जेशुदा सम्पत्ति होना जाहिर कर आपके द्वारा वादिनी के उक्त प्लॉट के उपयोग व उपभोग में बिना वजह मजाहमत पैदा करना व बाईफोर्स बेदखल करने को आमादा होना जाहिर कर आपको उक्त प्लॉट के वादिनी के उपयोग व उपभोग में किसी प्रकार की मजाहमत पैदा नहीं करने हेतु स्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द कराने व खर्चा मुकदमा वसूल करने के लिये वाद पंजीयन किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 29 माह 09 सन् 2023 को दिन में 10.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अथवा नहीं अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह तारीख 14 माह सितम्बर सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
(मोहर अदालत) न्यायाधीश-अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-17, जयपुर महानगर द्वितीय मुख्यालय चौमू

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष वाणिज्य न्यायालय, कम संख्या 2, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरुद्ध
मैसर्स एमएनसी जोन एवं अन्य
वाद बाबत CIS 48/2022 CS वाद सख्या 164 सन् 2022
नाम-एमएनसी जोन, जरिये प्रोपाईटर श्री रविशंकर जाँगिड पुत्र प्रकाश चन्द, ग्राउण्ड फ्लोर,32, कटेवा नगर न्यू सांगानेर रोड जयपुर-302019 राजस्थान
2. श्री रविशंकर जाँगिड पुत्र प्रकाश चन्द, निवासी -प्लॉट संख्या 64 प्रेम नगर प्रथम गुर्जर की थडी, जयपुर-302019 एवं प्लॉट नं. डी-1, देवी नगर, सोडाला, न्यू सांगानेर रोड के पास जयपुर-302019
ने आपके विरूद्ध वसूली के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 29 माह 09 सन् 2023 को दिन में 10.30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समय दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे एव दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है, पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा दाखिल /सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविश्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह आज दिनांक 26 माह 09 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
समक्ष वाणिज्य न्यायालय, कम संख्या 2, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर

नाम परिवर्तन
मैं निशीगंधा अविनाश कोथलकर नं. 15444317P रेंक NK (Nur.Asst) नाम कोथलकर अविनाश एकनाथराव यह मेरे कानूनी रूप से विवाहित पति हैं, वर्तमान में गांव अचलपुर, पोस्ट अचलपुर, तहसील अचलपुर, जिला अमरावती, राज्य महाराष्ट्र पिन-444806 में रहते हैं, मैंने अपना नाम बदल लिया है, निशीगंधा गजाननराव वानखडे से निशीगंधा अविनाश कोथलकर की नोटरी (भारत सरकार) अलवर (राजस्थान) के समक्ष शपथ पत्र संख्या BM0386453, Date 18.09.2023 के माध्यम से।

मैंने अपना गिरवर सिंह (Girver Singh) से बदलकर गिरवर सिंह शेखावत (Girwar Singh Shekhawat) पुत्र श्री भीम सिंह, रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना जावें। पता-298, ए के गोपालन नगर, खातीपुरा, जयपुर-302012

मैं, अनिता कुमावत W/o No. 15684623W हवलदार प्रदीप कुमार मनेठिया, यूनिट साउथ वेस्टर्न कमांड, सिगनल रेजिमेंट C/o 56 APO. मेरे पति सेवा दस्तावेज में मेरा नाम गलती से अनिता कुमावत के स्थान पर अनिता दर्ज हो गया है। सही नाम अनिता कुमावत है। शपथ पत्र संख्या 2156, दिनांक 04.09.2023

मैंने अपना नाम Rajesh Kanhaiya Lal Vasu से बदलकर Rajesh Vasu पुत्र Kanhaiya Lal Vasu रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें निवासी 83, Sector-9, Near Rail Vihar Vidhyadhar Nagar, Jaipur

मैं सुनीता कडेल पत्नी स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण कडेल निवासी डी-15, इनकमटैक्स कॉलोनी, टोंक रोड जयपुर मैने अपना नाम बदलकर लीलावती कडेल रख लिया है। भविष्य में मुझे लीलावती कडेल पत्नी स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण कडेल के नाम से जाना जावें। 9950832653

मैं लीलावती कडेल पत्नी स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण कडेल निवासी डी-15, इनकमटैक्स कॉलोनी, टोंक रोड जयपुर यह सत्यापन करती हूँ कि मेरे पति का नाम लक्ष्मी नारायण कडेल है ना कि एल.एन. कडेल इसलिए भविष्य में उन्हें स्वर्गीय लक्ष्मीनारायण कडेल के नाम से जाना जावें-9950832653

मैंने अपना नाम कलवा कुरैशी से बदलकर हामीद उर्फ कलवा रख लिया है। भविष्य में मुझे हामीद उर्फ कलवा पुत्र हकीमुद्दीन के नाम से जाना जावें। निवासी-60, समीर नगर, नाई की थडी, जवाहर पब्लिक विद्यालय, रामगढरोड, जयपुर

मैंने अपना नाम हितेश (Hitesh) से बदलकर हितेश रमेश चन्द्रा (HiteshRamesh Chandra) कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता-1387/26, भगवान गंज, अजमेर-305001

विरोधी खेमों में सेंधमारी कर नेताओं और रिटायर्ड ब्यूरोक्रैट्स को जोड़ रही भाजपा

विधानसभा चुनाव से पहले पिछले 3 माह में करीब 75 प्रमुख लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई

- चर्चाएं है कि आने वाले दिनों में 40 से ज्यादा प्रमुख नेताओं और रिटायर्ड अफसरों को पार्टी से जोड़ने पर अंदरखाने काम चल रहा है
- सूत्रों की मानें तो हाईकमान के निर्देश पर भाजपा ने पिछले दिनों प्रदेश की हर सीट पर प्रभावशाली जातियों और इंफ्लुएंसर्स की रिपोर्ट तैयार की थी। वोट स्विंग कराने के लिए करवाए गए इस सर्वे के आधार पर अब भाजपा ग्राउंड पर काम कर रही है।
- पिछले दिनों कांग्रेस से तोड़कर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया से लेकर पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा और पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया के पुत्र ओम प्रकाश पहाड़िया को भाजपा जॉइन कराना इसी रणनीति का हिस्सा है।

जयपुर । राजस्थान में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे पार्टी का पूरा जोर विरोधी दलों में सेंध लगाकर उनके नेताओं को तोड़ने और सामाजिक हैसियत रखने वाले रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट्स व सामाजिक नेताओं को खुद के पक्ष में करने पर हो गया है। खासकर एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के लोगों पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है।

बीते तीन माह में अलग-अलग वर्ग के प्रभावशाली नेताओं, ब्यूरोक्रेट्स और सामाजिक संगठनों के करीब 75 प्रमुख लोगों को भाजपा ने पार्टी में शामिल किया है। वहीं आने वाले दिनों में 40 से ज्यादा प्रमुख नेताओं और रिटायर्ड अफसरों को पार्टी से जोड़ने पर अंदरखाने काम चल रहा है। वही भाजपा जहां स्वच्छ ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ नेताओं को आगे बढ़ाने की बात करती हैं, वहां इन दिनों यह मूल्य गौण हैं और चुनावी जीत के समीकरण बनाने की नीति हावी हैं। भाजपा मुख्यालय के गलियारों में इन रिटायर्ड अधिकारियों या फिर इनके परिवारजनों को टिकट देकर चुनाव लडाने की चर्चाएं तेज है।

भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पिछले छह माह में सत्ताधारी कांग्रेस ने जिस गति से वोटर कनेक्ट पॉलिसी पर काम करते हुए सरकारी योजनाएं जनता के बीच पहुंचाने पर फोकस किया है, उसको देखते हुए पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ रहा है। राजस्थान में इस बार चुनाव में पार्टी जीत को आसान मानकर नहीं चल रही। यही वजह है कि सिर्फ कांग्रेस की एंटीइंकबेंसी के भरोसे न रहकर पार्टी को राजस्थान जीतने के लिए वोट स्विंग कराने की रणनीति पर पूरी ताकत लगानी पड़ रही है। बदली हुई रणनीति के तहत कांग्रेस से तोड़कर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया से लेकर पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा और पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया के पुत्र ओम प्रकाश पहाड़िया को भाजपा जॉइन कराना इसी रणनीति का हिस्सा है।

हाईकमान के निर्देश पर भाजपा ने पिछले दिनों प्रदेश की हर सीट पर प्रभावशाली जातियों और इंफ्लुएंसर्स की रिपोर्ट तैयार की थी। वोट स्विंग कराने के लिए करवाए गए इस सर्वे के आधार पर अब भाजपा ग्राउंड पर काम कर रही है।

सर्वे में पता लगाया गया था कि किस सीट पर चुनावी समीकरण पलटने के लिहाज से किस जाति और किस प्रमुख व्यक्ति का असर है? साथ ही यह भी खोजबीन हुई थी कि किस सीट पर दूसरी पार्टियों में कौन-कौन स्थानीय नेता असंतुष्ट है ? अब इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा प्रमुख जातिगत नेताओं को पार्टी से जोड़कर खुद को मजबूत और विरोधियों को कमजोर करने में जुटी हुई है।

भाजपा का दावा है कि अब तक 30 रिटायर्ड अफसरों और 45 सामाजिक प्रभाव वाले नेताओं को पार्टी ने जोड़कर करीब 50 सीटों पर अपने समीकरण सुधारने की कोशिश की है। पिछले दिनों भाजपा में शामिल होने वाले रिटायर्ड अधिकारियों में काशीराम चौहान, किशन लाल गुर्जर, पवन कुमार जैन, सुभाष सिंह, किशन लाल मेघवाल, महेंद्र शर्मा, गोपाल मीणा, रामदेव सिह खैरवा, पृथ्वीराज मीणा, सीआर मीणा, लालचंद असवाल शामिल हुए। वही मौजूदा कार्यरत अधिकारियों के परिवारजन भाजपा से टिकट मांग रहे हैं, उनमें बगरू से लोकेश सोनवाल की पत्नी कांता सोनवाल टिकट मांग रही हैं।

इनमें जमवारामगढ़, वैर, लक्ष्मणगढ़, विराटनगर, कोटपूतली, उदयपुरवाटी, बस्सी, थानागाजी, सपोटरा, कठूमर, बानसूर, अलवर ग्रामीण, खंडेला, डूंगरगढ़, सिरोही, आदर्शनगर, जोधपुर, भोपालगढ़, गंगापुरसिटी, निवाई, भादरा, बगरू, राजाखेड़ा, डेगाना, सुजानगढ़, खींवसर जैसी कमजोर सीटें शामिल है। रिटायर्ड अफसरों में आईपीएस, आईएएस, आयकर, ज्यूडिशियरी समेत अलग-अलग सेवाओं के अफसर शामिल हैं। नेताओं में कांग्रेस, बसपा, आरएलएपी से चुनाव लड़ चुके लीडर सहित कुछ ऐसे भी हैं जो पिछली बार भाजपा छोड़कर चले गए थे। इसके साथ ही ज्यादातर स्थानीय स्तर पर प्रभाव रखने वाले पंचायत समिति और पंचायत स्तर के सामाजिक नेता शामिल है।

'जे.डब्ल्यु' ने वैशाली नगर में लॉन्च किया नया स्टोर

जयपुर, (का.सं.)। मेंस वियर के रिटेल "जे.डब्ल्यु." ने आज वैशाली नगर में , जयपुर में दूसरा और भारत में अपना 32 वां स्टोर लॉन्च किया।

यह स्टोर 6500 वर्ग फीट में फैला हुआ है, जहां मेंस वियर की फॉर्मल, केजुअल फेस्टिव और वेडिंग वियर के साथ ही मोदी कुर्ता और जैकेट की बेहतर रेंज अवलेबल है।

स्टोर क उद्घाटन स्पेशल गेस्ट अनंत विभूषित अलबेली माधुरी शरण महाराज पीठाधीश्वर स्वामी, सरस निकुंज स्वामी बालमुकुंद आचार्य महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर हाथोज धाम, आचार्य राजेश्वर महाराज राष्ट्रीय अध्यक्ष भरतरिया धर्म संसद ने किया। उदघाटन समारोह में पंडित सुरेश मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्राह्मण महासभा संस्कृति संस्थान एन.के.गुप्ता, अध्यक्ष मंगलम ग्रुप डॉ. सीए केसी परवाल ट्रेसरर - क्रेडाई राजस्थान, लेखक रामायण और कृष्णम भी उपस्थित रहे।

जेडब्लू की सीएमडी जितेन्द्र चौहान ने कहा कि जयपुर बढ़ रहा है और ब्रांड की उपस्थिति भी बढ़ रही है। हम राजस्थान की राजधानी का हिस्सा बनकर और मेंस फैशन को वैशाली नगर के लोगों के करीब लाकर खुश है।

जेडब्लू के एमडी बिपिन चौहान ने बताया कि यह स्टोर जेडब्लू प्रीमियर हेरिटेज फैब्रिक और टेलरिंग सेवाऐं भी पेश करेगा।

यह ब्रांड मोदी कुर्ता और जैकेट के अपने प्रतिष्ठित, ट्रेडमार्क डिजाइन के लिए भी जाना जाता है, जिसे कई विश्व नेताओं द्वारा सराहा गया है। कंपनी ने अपनी यात्रा 1981 में सिलाई सेवाओं की पेशकश से शुरु की थी और आज तक प्रमुख शहरों में अपने स्टोरों पर अपनी विरासत आधारित सेवा प्रदान करती आ रही है और टॉप उद्योगपतियों, व्यापारियों, राजनेताओं, खेल और मनोरंजन आइकनों को अपने शीर्ष ग्राहकों में से एक के रुप में दावा करती है। जेडब्लू के अब भारत के विभिन्न शहरों में 32 स्टोर हैं और यह सिलाई और अपनी कंपनी के निजी लेबल के अलावा इंटरनेशनल और नेशनल मेंस वियर ब्रांड के फॉर्मल और कैजुअल ऑउटफिट से लेकर फेस्टिव और वेडिंग ऑउटफिट तक सब कुछ प्रदान करता है। कंपनी अपने ग्रीनफाइबर ब्रांड के तहत भी मेंस वियर पेश करती है।

'गहलोत सरकार सदी की सबसे भ्रष्टतम सरकार'

जयपुर (कासं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि राज्य की गहलोत सरकार इस सदी की सबसे भ्रष्टतम सरकार है। यदि इस सरकार के खिलाफ कार्रवाई हो रही है तो होनी चाहिए। जनता इसका स्वागत करेगी।

शेखावत मंगलवार को जयपुर में आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम के बाद मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। राजस्थान के मंत्री राजेंद्र यादव के ठिकानों पर हुई ईडी की कार्रवाई पर पूछे गए सवाल पर शेखावत ने कहा कि ये सरकार अब तक की सबसे भ्रष्टतम सरकार है। ये बात मैं नहीं, इस सरकार के विधायक और मंत्री कह चुके हैं। विधानसभा में भी और उसके बाहर भी कई बार ऐसी बातें कही जा चुकी है।

शेखावत ने कहा कि अभी तो शुरुआत है। मेरा मानना है कि ऐसे भ्रष्ट लोगों के खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई होनी ही चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ देश ऐसी कार्रवाई के पक्ष में खड़ा है।

27 लाख रु. के हीरा-पन्ना लूटने वाला बदमाश दबोचा

जयपुर (कासं)। हरिद्वार के कारोबारी से 27 लाख के हीरा-पन्ना ठगने के मामले में शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जालूपुरा पुलिस ने शातिर ठग को मुंबई में दबिश देकर पकड़ा है और उसके कब्जे से ठगे गए हीरा-पन्ना बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी राशि डोगरा ने बताया कि मामले में आरोपी मोहम्मद अनीस पुत्र मोहम्मद हनीफ निवासी तत्कालेश्वरपुरी रामगंज को अरेस्ट किया गया है। उसके खिलाफ जयपुर शहर के रामगंज और आमेर थाने में 6 क्रिमिनल मामले दर्ज है। पुलिस टीम ने आरोपी की सीडीआर प्राप्त कर मोबाइल लोकेशन निकलवाई। मुंबई की लोकेशन आने पर पुलिस टीम को भेजा गया। मुखबिर से सूचना मिली कि शातिर आरोपी ग्रे कलर की स्विफ्ट डिजायर कार यूज कर रहा है। पुलिस टीम ने मीरा मार्ग पर दबिश देकर आरोपी मोहम्मद अनीस को धर-दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने लाखों रुपए के हीरा-पन्ना ठगने की वारदात करना कबूल किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगे गए रत्न बरामद कर लिए।

जालूपुरा थाने में हरिद्वार के कारोबारी सुनील आहुजा ने मामला दर्ज करवाया था। उसने यूट्यूब पर व्यापार के संबंध में जानकारी दे रखी है, जिसमें उनका मोबाइल नंबर भी है। उनके नंबर पर एक वॉट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को जयपुर निवासी आशीष बताते हुए रत्नों की दलाली करने का काम करना बताया। रत्न खरीदने की इच्छा जताई और जयपुर बुलाया। बदमाश ने रत्न के बदले कुछ अग्रिम राशि ऑनलाइन देने के लिए कहा तो उसने कैश में काम करने की बात कही। इस पर उसने उसे जयपुर बुलाया। जयपुर आया तो बदमाश उसे लेकर एमआई रोड स्थित जेके ज्वेलर्स के यहां गया। वहां पहुंचने पर आरोपी ने स्टाफ से बात कर चाय-पानी पिलाई और फिर उससे ज्वेलर को रत्न दिखाने की बात कहकर 1 हीरा और 2 पन्ना के नग ले लिए। इसके बाद बाद उसे शोरूम में कुछ देर के लिए एक तरफ बैठा दिया। बाद में पता चला कि आरोपी शोरूम के पीछे वाले गेट से रत्न लेकर भाग गया।

'नाबार्ड द्वारा पुनर्वित्त को बढ़ाकर 60-70 प्रतिशत किया जाए'

जयपुर, (का.सं.)। कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण एवं सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाकर, कृषि तथा ग्रामीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंकों और ग्राम सेवा सहकारी समितियों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए अल्पकालीन फसली ऋण वितरण की एवज में नाबार्ड द्वारा पुनर्वित्त को 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 से 70 प्रतिशत किये जाने की आवश्यकता है।

कटारिया मंगलवार को जयपुर के मैरियट होटल में देश के राज्य सहकारी बैंकों के शीर्ष संगठन नैफस्कॉब (नेशनल फैडरेशन ऑफ स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक्स लिमिटेड) की कांफ्रेंस में उपस्थित देशभर के राज्य सहकारी बैंकों के डेलिगेट्स (चेयरमैन एवं एम.डी.) को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कृषि एवं सहकारिता को आगे बढ़ाने वाली नीतियों का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों को 1 लाख 50 हजार रुपये का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रेया गुहा ने बताया कि अपेक्स बैंक अपनी स्थापना के बाद से निरंतर लाभ में संचालित है। बैंक द्वारा नाबार्ड एवं आर.बी.आई. के मापदंडों की पूर्णतया पालना की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 22 हजार करोड़ का ब्याज मुक्त फसली ऋण किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि कार्यों के साथ-साथ अकृषि कार्यों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विजन से राजस्थान सहकारी ग्रामीण परिवार आजीविका ऋण योजना के तहत केंद्रीय सहकारी बैंकों द्वारा 3000 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। गुहा ने कहा कि इसमें 25 हजार रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक का ऋण दिया जा रहा है, जिससे राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के 1 लाख 50 हजार परिवार लाभान्वित होंगे एवं अपनी आजीविका से सामाजिक एवं आर्थिक जीवन स्तर में सुधार कर सकेंगे। इस अनूठी योजना के अंतर्गत राज्य के केंद्रीय सहकारी बैंकों द्वारा अब तक 32 हजार से अधिक पात्र ऋणियों को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सहकारिता में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने राज्य के प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक महिला बहुउद्देश्यीय ग्राम सेवा सहकारी समिति की स्थापना कर रही है।

राजस्थान विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलपति ने कार्यभार संभाला

जयपुर । राजस्थान यूनिवर्सिटी की नई कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने मंगलवार दोपहर 12 बजे पदभार ग्रहण किया। इस दौरान यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, स्टूडेंट्स और अधिकारी कर्मचारियों ने फूल मालाओं से नई कुलपति का स्वागत किया। पदभार ग्रहण करते समय कुलपति की साथी प्रोफेसर रश्मि जैन, प्रो. अंजलि कामा, संगीता भार्गव, प्रो. सरीना कालिया, डॉ. चंद्रानी सेन, प्रोफेसर मंजू, डॉक्टर अमिता राजगोयल, प्रो. शोभा दुबे उपस्थित रहीं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी की नई कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने मंगलवार दोपहर 12 बजे पदभार ग्रहण किया।

कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में एक अनपैरेलल इंस्टिट्यूट के तौर पर पहचान रखता आ रहा है। पिछले कुछ समय से इसने अपनी गुणवत्ता को काफी तेजी से खोया है। मेरी सबसे पहली प्राथमिकता यहां के अकेडमिक एन्वायर्नमेंट को इंप्रूव करने की है। उसके लिए जो भी कदम उठाने होंगे, वो काम पहले होंगे।

मुझे लगता है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को हमें सक्सेसफुली इंप्लीमेंट करना चाहिए। इसमें अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम में भी सेमेस्टर स्कीम लागू किए गए हैं, उनको रेगुलराइज करना होगा। बहुत सारी चीज डिलेड हैं। एग्जाम अगर समय पर नहीं होंगे तो उससे बहुत नुकसान होता है। अगर को लागू करना है, सेमेस्टर स्कीमें लागू करनी है तो जो सिलेबस है उसको रिवाइज करना होगा। इसे प्राथमिकता पर करवाएंगे।

यूनिवर्सिटी में पिछले काफी समय से गर्ल्स सेफ्टी का मामला चला आ रहा है। इसके लिए समय-समय पर कदम भी उठाए गए हैं। यहां पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं। उनकी मॉनिटरिंग लगातार की जानी चाहिए। वह फंक्शनल हैं या नहीं है इसको देखा जाएगा। यूनिवर्सिटी में जो गर्ल्स है उनमें अवेयरनेस होनी चाहिए कि उन्हें क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिए। वह कहां एप्रोच कर सकती हैं। छोटी सी भी कोई प्रॉब्लम है तो वह डरे नहीं शेयर करें। कोई भी प्रॉब्लम है हम उन्हें वहीं पर सॉल्व करेंगे। कोई बड़ी प्रॉब्लम नहीं होगी।

76 साल में मिली पहली स्थायी महिला कुलपति

राजस्थान यूनिवर्सिटी की 8 जनवरी 1947 को स्थापना हुई थी। यूनिवर्सिटी के करीब 76 साल के इतिहास में पहली बार स्थायी महिला कुलपति की नियुक्ति की गई है। सर्च कमेटी की सिफारिश के बाद राज्य सरकार के परामर्श से राज्यपाल ने सोमवार को कुलपति के पद पर नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए। इससे पहले 11 नवंबर 1998 से 5 नवंबर 1999 तक प्रो. कांता आहुजा यहां अस्थायी कुलपति रह चुकी हैं। प्रो. अल्पना कटेजा 44वीं कुलपति हैं। वे यहां 2009 से कार्यरत है। प्रो. अल्पना कटेजा मूल रूप से उदयपुर की रहने वाली हैं। स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा उदयपुर में हुई। आरयू में 2009 से कार्यरत हैं। इसके बाद वे यहां महारानी व राजस्थान कॉलेज की प्रिंसिपल रह चुकी हैं।

कोई यूँ ही देव नहीं बन जाता, देव आज भी युवाओं के फैशन आइकन हैं : हेमा मालिनी

जयपुर । जयपुर में फिल्म अभिनेता देव आनंद के 100वें जन्मदिन के उपलक्ष में कई कार्याक्रम आयोजित किये गए। इसी कड़ी में 'द एवरग्रीन देव आनंद सोसाइटी' जयपुर की ओर से एक भव्य समारोह 'जयपुर देव फेस्टिवल' का आयोजन किया गया।

सोसाइटी प्रेसिडेंट, रवि कामरा ने बताया कि समारोह में आज का कार्याक्रम विश्वविख्यात व जयपुर की शान राज मन्दिर सिनेमा हाल में एक रंगारंग कार्याक्रम का आयोजन हुआ। कार्याक्रम की मुख्य अतिथि फिल्म जगत की जानी-मानी अदाकारा और ड्रीम गर्ल के नाम से प्रसिद्ध हेमा मालिनी रहीं उन्होंने कार्याक्रम की शुरुआत विधिवत दीप प्रज्वलन तथा देवानंद के एक पोर्ट्रेट के अनावरण के साथ हुआ। इस मौके पर भारतीय डाक विभाग द्वारा देवानंद पर विशेष प्रथम दिवस का आवरण जारी किया गया जिसमें चीफ पोस्टमास्टर जनरल दिल्ली मंजू कुमार भी उपस्थित थी। इसके उपरांत फिल्म अदाकारा हेमा मालिनी के फिल्मी सफर पर आधारित 4 मिनट की फिल्म की प्रस्तुति दखाई गई। द एवरग्रीन देवानंद सोसाइटी ने हेमा मालिनी को देवानंद पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। कार्याक्रम में श्वेता गर्ग और इंडिया इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ कत्थक डांस एंड म्यूजिक के स्टूडेंट्स ने क्लासिकल नृत्य के माध्यम से देवानंद को श्रद्धांजलि प्रस्तुत की। इसके बाद विशेष आकर्षण का केंद्र रहा जयपुर के म्यूजिक आइकॉन पदम् भूषण, ग्रामी अवार्ड विजेता पंडित विश्वमोहन भट्ट द्वारा मोहन वीणा पर देवानंद के गानों के साथ-साथ क्लासिकल धुनो पर लाइव परफॉर्मन्स। जिनमे देव साहिब के ये गाने अहम् रहे.. पिया तोसे नैना लगे रे, तेरे मेरे सपने व् ड्रीम गर्ल...। साथ ही मशहूर गीतकार जावेद अख्तर वीडियो मैसेज के माध्यम से और विख्यात रेडिओ अनाउंसर अमिन लेंदप का विशेष सन्देश पढ़कर सुनाया गया। फिल्म समीक्षक व लेखक भावना सोमैया के साथ हेमा मालिनी ने अपने फिल्मी सफर के कई किस्से साझा किए।

अभिनेत्री हेमा मालिनी

ट्रेन के आगे कूदकर महिला ने जान दी

जयपुर । ज्योति नगर इलाके में इमली वाला रेलवे ट्रेक पर सोमवार रात एक महिला ने आत्महत्या कर ली। ट्रेन को आते देखकर वह ट्रैक पर लेट गई। ट्रेन की चपेट में आने से उसके शरीर के 2 टुकड़े हो गए। ज्योति नगर थाना पुलिस ने मौके से सबूत जुटाए हैं और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एसएमएस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस मृतका की पहचान करने के साथ ही सुसाइड के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि इमली वाला फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर एक महिला ने सुसाइड कर लिया। ट्रेन को आते देख महिला ट्रैक पर लेट गई। ट्रेन की चपेट में आने से उसके शरीर के दो टुकड़े हो गए। लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन को रोक शव को गांधी नगर रेलवे स्टेशन पहुंचाया। सूचना के बाद ज्योति नगर थाना पुलिस भी गांधी नगर रेलवे स्टेशन पहुंची। मृतका की पहचान करने की कोशिश की, लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया और मौके से सबूत जुटाए। पुलिस ने बताया कि मृतका की उम्र करीब 35 साल है। उसने लहरिया साड़ी पहन रखी है और शादीशुदा लग रही है।

सार-समाचार

आपदा प्रबन्धन कक्ष का शुभारम्भ

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबन्धक विजय शर्मा ने आपदा प्रबंधन कक्ष का शुभारंभ कर पहली बैठक ली।

जयपुर, (का.सं.)। उत्तर पश्चिम रेलवे पर किसी भी प्रकार के दुर्घटना अथवा आपदा की बारीकि से सम्पूर्ण जानकारी जुटाने तथा इसके निवारण की विवेचना हेतु प्रधान कार्यालय में नवीनतम सूचना तंत्र एवं संसाधनों से सुसज्जित केन्द्रीकृत आपदा प्रबन्धक कक्ष का शुभारम्भ किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार रेलवे पर दुर्घटना एवं किसी भी आपदा के समय तुरंत एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु आपदा प्रबन्धन कक्ष, वार रूम की आवश्यकता को देखते हुए महाप्रबन्धक विजय शर्मा के निर्देश पर प्रधान कार्यालय में आपदा प्रबन्धन कक्ष की संकल्पना को साकार करते हुए आज इसका शुभारम्भ किया गया है। रेलवे पर दुर्घटना के बाद रेल संचालन के बहाल होने तक विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा पल-पल सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाता है। इस कक्ष की स्थापना से एकल विंडो खिड़की की तरह समन्वय स्थापित कर शीघ्रातिशीघ्र आवश्यक सहायता व निर्णय लिये जा सकेंगे। आवश्यक संचार माध्यम शीघ्र उपलब्ध होने से रेल संचालन का कम से कम समय में पुन: बहाल हो पायेगा। इससे क्षेत्रीय रेलवे में हुई किसी भी आपदा के बारे में रेलवे बोर्ड, सिविल अधिकारियों, राज्य सरकारों, विभिन्न सहायता एजेन्सियों से त्वरित सम्पर्क कर कार्यवाही का प्रबन्ध किया जायेगा। आपदा प्रबन्धन कक्ष में रेलवे के सभी विभागों के अधिकारियों के लिए 25 से 30 की बैठक व्यवस्था सैटेलाईट से जुडे टीवी सैट, आधुनिक संचार प्रणाली, इण्टरकम्यूनिकेशन, प्रजेन्टेशन स्क्रीन आदि की व्यवस्था की गई है। विद्युत बैकअप हेतु आपात व्यवस्था की गई है, जिससे किसी भी दुर्घटना एवं आपदा के समय तुरंत कार्यवाही कर सहायता पहुंचाई जा सके। महाप्रबन्धक विजय शर्मा ने कहा कि यह कक्ष ना केवल आपदा अथवा दुर्घटना के समय बल्कि रेल संचालन में संरक्षित यात्रा हेतु अधिकारियों के मॉनिटरिंग में भी सहायक होगा।

शबाना कुरैशी बनी उप विधि परामर्शी

शबाना कुरैशी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान शासन सचिवालय, विधि विभाग मे कार्यरत शबाना कुरैशी को उप विधि परामर्शी (डिप्टी डायरेक्टर लेवल ऑफिसर) के पद पर पदोन्नत किया गया है। गत 15.9.23 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक मे समिति की अभिशंसा मे शबाना कुरैशी को उनकी योग्यता और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नत किया गया है। शबाना कुरैशी का अकादमिक रिकॉर्ड बहुत ही शानदार रहा है, वह 2011 मे आरपीएससी की लीगल ऑफिसर की परीक्षा में सफल होकर लीगल ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुई थी। तब से लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रही है। शबाना कुरैशी इससे पहले जेडीए मे सहायक विधि परामर्शी के पद पर कार्यरत रह चुकी है। शबाना कुरैशी के पति वाणिज्यिक कर विभाग में सहायक प्रोग्रामर के पद पर कार्यरत है। उनके पिता मोहम्मद इक़बाल सीनियर एडवोकेट और नोटरी है। उनके भाई भी इनकम टैक्स विभाग मे अधिकारी है और छोटे भाई राजस्थान हाई कोर्ट मे एडवोकेट है। सभी ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया।

बेटियों ने बेनूर दीवारों पर बनाए चित्र

जयपुर । सांगानेर के हजेवाला स्थित राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की बेनूर दीवारे उस समय खिल उठी जब एक दर्जन छात्राओं ने कूंची चलाई। फाइन आर्ट की छात्रा हर्षिका शर्मा, अक्षिता शर्मा, दिशिका शाह, गुरप्रीत कौर, मुस्कान पमनानी, साक्षी अग्रवाल, आस्था, खुशी शर्मा ने चित्रकला के शिक्षक विनोद नागर के निर्देशन में दीवारों पर इनेमल पेंट से अनेक आकर्षक चित्र बनाए। इनमें स्कूल जाते बच्चे, खेलते हुए बच्चे, पुस्तकों के चित्र विशेष रूप से बनाए। छात्राओं ने पेटिंग के माध्यम से नियमित रूप से स्कूल जाने, हाथ धोकर भोजन करने, पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद पर भी ध्यान देने की भी सीख दी। छात्रा हर्षिका शर्मा ने बताया कि पहली बार कॉलेज से बाहर जाकर दीवारों पर पेंटिंग करने पर बेहद खुशी मिली। बच्चों को भी पेटिंग की बेसिक जानकारी दी। बच्चियों के इस प्रयास की स्कूल प्रबंधन ने सराहना की।

राजेश कृष्ण बिरला अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी राजस्थान के राजेश कृष्ण बिरला निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। बिरला एक निजी होटल में मगलवार को हुए चुनाव में सर्वसम्मति से तीन साल के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए। सोसाइटी के विजय कुमार खत्री बीकानेर उपाध्यक्ष, रमेश मुंदडा कोषाध्यक्ष चुने गए। बैठक में सर्वसम्मति से बिरला को अन्य समितियां बनाने के अधिकार दिए गए। बिरला ने निर्वाचन के बाद कहा कि उनका प्रयास रेडक्रॉस सोसाइटी को ऊंचे पायदान पर ले जाने का है, जिससे समाज के वंचित, गरीब व्यक्तियों को कम कम पैसे मे अच्छा इलाज उपलब्ध हो सके। उन्होंने घोषणा की कि वे युवा और महिलाओ के लिए अलग-अलग विंग बनाएंगे, जिससे रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से सामाजिक जागरूकता समाज में लाई जा सके। बिरला ने कहा कि रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से हम समाज को बदलने का काम करेंगे और जो लोग समाज सेवा से जुडना चाहते हैं, समाज में परिवर्तन के वाहक बनना चाहते हैं। उन लोगों को भी रेड क्रॉस सोसाइटी से जोडने का कार्य करेंगे। गौरतलब है कि अभी बिरला कोटा नागरिक सहकारी बैंक के सहकारी बैंक लिमिटेड के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। बिरला ने बताया कि रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से जिला स्तर पर रेडक्रॉस सोसाइटी का गठन किया जाएगा और इन सभी सोसाइटी में चिकित्सा कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होने बताया कि समिति का जिला स्तर पर विस्तार भी किया जाना है, जिससे अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सके।

टायर-रिम चुराने वाला बदमाश पकड़ा

जयपुर । जगतपुरा क्षेत्र में रात में खड़ी गाड़ियों के टायर और रिम खोलने के मामले में रामनगरिया थाना पुलिस ने हाइटेक चोर को पकडा है। आरोपी दिन में अपनी कार को सरकारी विभाग में चलाता है जिससे रैकी कर रात को जयपुर शहर में खडी गाडियों से नए टायर मय रिम चोरी करने का आदतन अपराधी है। आरोपी ने अब तक रामनगरिया, मानसरोवर, श्याम नगर में वारदात करना स्वीकार किया हैं। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने रिम सहित तीन टायर और उपकरण सहित अन्य सामान बरामद किया हैं। डीसीपी (पूर्व) ज्ञानचन्द यादव ने बताया कि इस संबंध में गंगापुरसिटी निवासी ललित कुमार मीना ने मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि चोर उसकी बोलेरो के ड्राइवर साइड का कांच और गाडी को ईट और पत्थर का जेक लगाकर खडा कर तीन टायर खोल ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरो को चैक किया। पुलिस ने मुखबिर की मदद से रुपवास बांदीकुई निवासी अजय कुमार मीणा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चुराया हुआ सामान बरामद कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अजय कुमार मीणा कार के आगे की नम्बर प्लेट हटाकर और पीछे की नम्बर प्लेट को पुलिस से छुपने के लिए कपडे से ढककर रखता है। टैक्सी कार में ईट रखता है जो टायर खोलते समय जिस वाहन के टायर खोलते ही उसके नीचे ईटों का जैक लगाकर वारदात को अंजाम देता है।

ARBiT it happens here...

World Tourism Day

Travel has been said to broaden the mind, exploring the world and seeing the broad vistas and cultures that the people of the world offer. Tourism can describe travel for pleasure both foreign and domestic, and has been happening as long as long as mankind. World Tourism Day is your opportunity to broad your own world a little, find a location you've always wanted to make time to visit, and finally, get around to making time to do it. So find your inner traveller and get out there and experience the places you've always wanted to see.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
27 September 2023
A-B

#WORK-LIFE

Judging Mental Health Posts On Social Media

Mental health posts on platforms such as LinkedIn could have unforeseen consequences for people disclosing their mental health challenges

Mental health disclosures on platforms like LinkedIn can affect the way potential employers view job applicants, a study finds.

"People are often encouraged to discuss their mental health struggles on social media with the goal of reducing the stigma associated with mental health challenges," says Lori Foster, co-author of a paper on the study and a professor of psychology at North Carolina State University.

"We think reducing stigma around mental health is extremely important, but our study suggests that mental health posts on platforms such as LinkedIn could have unforeseen consequences for people disclosing their mental health challenges."

"Specifically, we found that these disclosures can influence the way people view us in professional contexts," says Jenna McChesney, first author of the study and assistant professor of psychology at Meredith College. "It's important for people to take that into consideration when determining whether to share their mental health experiences online."

For the study, the researchers set out to determine the extent to which posts about mental health on LinkedIn affected perceptions of an individual's personality and future performance in the workplace.

To address the question, the researchers enlisted 409 professionals with hiring experience to participate in a study. About 25% of the participants saw the LinkedIn page of a job candidate, with no mention of mental health challenges. Another 25% of the participants saw the same LinkedIn page, but it included a post mentioning the candidate's experiences with anxiety and depression.

A third quarter of the study participants saw the LinkedIn profile and heard an audio interview with the candidate. And the last 25% of participants saw the LinkedIn profile, including the post about anxiety and depression, and heard the audio interview.

All of the study participants were then asked a series of questions about the job candidate's personality and future performance in the workplace. "We found that study participants who saw the LinkedIn post about mental health challenges viewed the job candidate as being less emotionally stable and less conscientious," McChesney says. "Hearing the interview lessened a study participant's questions about the candidate's emotional stability, but only slightly.

And hearing the interview did not affect the views of participants about the job candidate's conscientiousness. In other words, the perceptions evaluators had after seeing the LinkedIn profile largely persisted throughout the interview.

"Our findings don't mean people should refrain from posting about anxiety and depression on LinkedIn," McChesney says. "However, people who are considering posting about these issues should be aware that doing so could change future employers' perceptions of them."

"There is a big push for people to always be their full authentic selves, but there has been little research into any positive or negative consequences associated with that," Foster says. "This study is a step toward getting a more complete picture, and it highlights just how much additional work is needed.

"There are also implications for employers," Foster says. "Organizations should implement guidelines for using LinkedIn during the hiring process to encourage equitable comparisons among all candidates, including those who openly discuss mental health challenges."

There was one vital and unique element that differentiated the Indian Armed Forces from all other global Militaries, which made Kargil possible, despite its counterintuitive draw of unfavourable militaristic ratios and assumptions i.e., cliched as it sounds, 'leading from the front'! Put simply, the Officer-to-Soldier fatality/wounded ratio of the Indian Army is by far the highest as compared to any other professional Military in the world. In the thick of battle, that reality of leadership matters more than anything else, ever does. In Kargil, India is believed to have lost 26 Officers out of a total casualty of 527. Considering that there are approximately 18-20 officers per Infantry battalion of about 800 odd soldiers, the value of 'leading from the front', can never be overstated.

Lt Gen Bhopinder Singh
Former Lt Governor of A&N Islands and Puducherry

The Tradition of leading from the front

Three recent losses of precious lives i.e., Colonel Manpreet Singh, Major Aashish Donchak, and DSP Humayun Bhatt, seems to be a timely reminder of the civilisational and constitutional values in some amongst us, that guarantees our freedom. Colonel Manpreet Singh was commanding 19 Rashtriya Rifles (RR) Battalion and died in a counter insurgency operation in Anantnag, was about to complete his tenure with RR in four months.

Distracted, as the nation was in peddling phony controversies, fake outrage, meaningless rhetoric, or sheer bombast – these men simply gave their all for the nation. They did not unleash hate or anger amongst us internally, instead, they chose to 'lead from the front' by letting their work (and lives) do the talking, not words. To reiterate, they didn't incite or order from the comfort and safety of distance, but put themselves in harm's way, fully knowing the possible consequences, as only true leaders do.

The saga of Indian Armed Forces is not necessarily etched by the better-known Generals, Admirals or Air Marshals, in as much, if not more, by the unmatched steel, fire, and ramrod straight posture of its junior-middle leadership (from Junior Commissioned Officers to Unit Commanding Officers and their equivalents), who hold fort, literally. Beyond the hagiographies of victory, the Kargil War is a grim reminder of doing-the-impossible with the hearts, legs, arms, and sharp minds of the junior-middle leadership, and not so much on account of any strategic brilliance by senior leadership, be it Military or Political. Many international Military historians marvel the surreal conditions of impossibilities (in terms of topography, weather conditions, battle lines et al) that were not matched, before or after, in modern battle accounts. Yet, the Indian Armed Forces had triumphed, against all odds and disproven all militaristic ratios and assumptions, that govern the conduct of warfare.

However, there was one vital and unique element that differentiated the Indian Armed Forces from all other global Militaries, which made Kargil possible, despite its counterintuitive draw of unfavourable militaristic ratios and assumptions i.e., cliched as it sounds, 'leading from the front'! Put simply, the Officer-to-Soldier fatality/wounded ratio of the Indian Army is by far the highest as compared to any other professional Military in the world. In the thick of battle, that reality of leadership matters more than anything else, ever does. In Kargil, India is believed to have lost 26 Officers out of a total casualty of 527. Considering that there are approximately 18-20 officers per Infantry battalion of about 800 odd soldiers, the value of 'leading from the front', can never be overstated.

Even in the unforgiving conditions of Galwan Valley, the heroics of Col BS Babu (Commanding Officer, 16 Bihar Regiment) who was killed in action is a testimony. There is never a similar reportage of a leadership level officer getting killed in action, amongst Militaries of neighbouring China or Pakistan (occasionally in ambush or IED blast, but never in combat). This culture of 'leading from the front' is borne out of an inexplicable admixture of regimentation, normalised-expectation and espirit-de-corps that has withstood the test of time, civilian morass, regression, and polarisations.

Some lazily attribute 'leading from the front' to overambition, misplaced bravado or momentary lapse of better sense – it may be some shades of all of the above, and the likes of Kargil was only possible thanks to that unique josh that is still fires and cranks up performance. Never forget, those who dare, do so knowing that they are in the line of fire (when they needn't be), but still choose to do so.

The irrepressible and probably the boldest Military General of the Indian Army 'led from the front' and never lost a battle in his life i.e., Lt Gen Sagat Singh. Legend of him liberating Goa, inflicting a bloody nose on the Chinese at Nathu La and Cho La (by 1967 itself), or dashing to Dhaka to liberate Bangladesh by repeatedly overflying enemy territory in a helicopter (which took bullets) to control battle, is fact not fiction. You may never hear of suchlike leadership conduct in Ukraine, Middle East, or any other conflict zone, anywhere in the world.

Before Colonel Manpreet, Major Dhonchak and DSP Humayun had answered their calling in life, it was a well beaten path that had been carved by the likes of Colonel Ashutosh Sharma, Colonel MR Rai, Colonel Santosh Mahadik etc., all Commanding Officers of the various Rashtriya Rifles battalions, like the 19thRashtriya Rifles, Commanded by the gallant Colonel Manpreet Singh. As 'Commanding Officers' they could have avoided literal 'leading from the front', but still did so – while they and their families paid an irreplaceable price for the same, Indian Army and the nation at large, remains eternally grateful to their ultimate sacrifices.

This sacred culture of 'leading from the front' by officers, especially by the junior-middle leadership has survived so many other institutional concerns that undeniably stare. The Officer-to Soldier ratio was 1:18 in 1965 War, 1:20 in 1971 War and still, 1:17 in Kargil 1999. While diehard Infantry folks like to flex 'When it was a victory, the cavalier claimed it outright, the Gunner boasted of his guns, Signalman publicised his worth, but the Infantryman remained silent with victory at his feet'. Beyond the lighthearted intra-services banter, the Indian Armed Forces have thankfully retained traditions, regimentation and culture at the junior-middle level of the forces, and perhaps owing only to the same, it still bashes on regardless.

rajeshsharma1049@gmail.com

#BRAVADO OR BRAVE

Colonel Manpreet Singh, Major Aashish Donchak, and DSP Humayun Bhatt.

> The saga of Indian Armed Forces is not necessarily etched by the better-known Generals, Admirals or Air Marshals, in as much, if not more, by the unmatched steel, fire, and ramrod straight posture of its junior-middle leadership (from Junior Commissioned Officers to Unit Commanding Officers and their equivalents), who hold fort, literally.

> Even in the unforgiving conditions of Galwan Valley, the heroics of Col BS Babu (Commanding Officer, 16 Bihar Regiment) who was killed in action is a testimony. There is never a similar reportage of a leadership level officer getting killed in action, amongst Militaries of neighbouring China or Pakistan.

#FOOD-TALK

High-Protein Alternatives to Meat

In general, foods "that are low on the food chain don't require feed-based agriculture, so their net emissions are generally low."

Cutting out meat and replacing it with plants could have a huge carbon-cutting effect. In fact, according to a report covered by Popular Science in 2020, "the most effective regimens [for cutting climate changing-causing emissions] were veganism, which swaps meats out for plants, and a low-food-chain plan, which swaps them for insects, foraging fish, and bivalves." In general, foods "that are low on the food chain don't require feed-based agriculture, so their net emissions are generally low." Luckily, there are a variety of plant-based, high-protein foods for our gustatory pleasure. Here are just a few:

Quinoa

Technically, quinoa is a seed, and a cup of it cooked boasts 8 grams of protein and 5 grams of fiber, plus potassium and iron. It's cheap, filling, vegan, and the perfect base layer to top with vegetables, nutritional yeast, tofu, sriracha, or whatever else floats your boat. It's easily cooked in a pot and there's a whole trove of Instapot recipes out there, too.

Beans

Not only are beans high in protein and delicious, they'll help you reach your budgeting and fibre intake goals as well. Soak a few cups of dried beans in a bowl overnight, then cook them low and slow with onions and bay leaves the next day. Eat a couple servings and put the rest in the freezer for later. A cup of cooked black beans has around 14 grams of protein.

High-Protein Snacks

If you're looking to really reduce your carbon footprint, you should also stay away from highly processed snacks that are shipped across the country. But if you're looking for a treat and don't want to give your money the beef industry, you can reach for these high-protein, crunchy snacks.

Texturized Vegetable Protein (TVP)

Although texturized vegetable protein doesn't sound so appealing, it's an excellent meat substitute to incorporate into pasta sauces, stews, chilis, taco fillings and more. It's economical and easy to prepare: reconstitute the particles in boiling water and then use it in recipes as you would any browned ground beef. It offers 12 grams of protein per serving (a quarter-cup dry).

Legumes

A cup of cooked lentils holds around 18 grams of protein, or about what's in three large eggs. It also boasts 16 grams of dietary fibre. Cook them with coconut milk, tomato paste, onion, and spices like curry powder, cumin, and coriander.

#WELL-BEING

Connect To Your Senses

Whether you want to feel energized, find presence, enhance pleasure, or bond with others, your five senses can help. Discover how perception can elevate your mood.

A chill on our skin tells us that fall is in the air. Our noses let us know someone nearby is baking bread — or that it's trash day. The sounds of songbirds, emergency sirens, or music playing in a passing car stir emotions. Our eyes show us that leaves are changing colour. And our taste buds determine if its pumpkin-spice season or the soup needs a tad more salt.

Our senses provide endless information, yet unless we're paying attention, their input can be easy to overlook. We get used to certain sounds, sights, and smells to the point that we no longer actively experience them. People who've ever lived near train tracks, a freeway, or an airport may know that best once they no longer notice the sound of trains chugging along, traffic whizzing by, or planes overhead.

Intentionally tuning in to our sensory perceptions can have big benefits for well-being. Senses bring us into the present moment when anxiety or panic strikes. Paying attention to what we see, hear, smell, touch, and taste can bring us deeper into the present moment, evoke meaningful memories, and help us connect with other people in the world.

The popular 5-4-3-2-1 technique grounds us in the now by asking us

to notice five things we can see in our immediate environment, four things we can touch (such as the ground beneath our feet or clothing against our skin), three things we can hear, two things we can smell, and one thing we can taste (even just the inside of the mouth counts). This exercise takes us away from our spiralling thoughts and instantly puts us into what's happening in the moment.

Individually exploring the senses can be a great source of delight and personal discovery. We learn about ourselves and what we really like and don't like when we tune in to what our eyes, ears, nose, mouth, and skin are telling us.

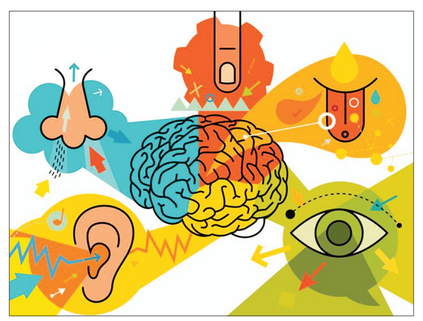

Embrace time and colour

Vision tends to be our dominant sense. It occupies the most space in our brain of any of the senses and has been the most studied and may be the most valued. Because sight is such a useful tool, we may neglect to tap into this sense for pleasure and comfort. One way to use sight as a source of delight is to visit the same place every day. Seeing things change over time can be very interesting and satisfying. Another fun way to engage vision is to collect items in a single colour. A bunch of things that are the same colour "look like an art object."

Practice active listening

Listening to other people is one of the most important things we do with our hearing. Becoming an active listener deepens relationships, as it allows those we're in conversation with to truly feel heard. Active listening requires complete engagement with what the other person is saying, rather than half paying attention while planning what you're going to say when they stop talking.

Smell your kitchen

The kitchen offers a bounty of scents — good and bad. The compost bin? A sure source of yuckiness. But what about the variety of spices in the cupboard and all those jars of condiments in the fridge? When you're walking through the kitchen, just open up a jar of this or that, and take a sniff. See if you can identify with it and really enjoy it.

Take a mindful shower

The sense of touch is experienced through the body's largest organ: the skin. A compelling place to explore touch is in the shower. Water is inherently healing. And in the shower, all the skin is exposed, allowing for maximized sensations.

Throw a taste party

You can always explore your sense of taste by going out for a meal or making one yourself. However, for a whimsical social exercise, consider throwing a taste party. Have a few friends over to sample and discuss different flavours. You could set up a blind taste test of different brands of potato chips or chocolate ice cream or offer a sampling of sauces from different traditional cuisines and gather guests' impressions.

THE WALL

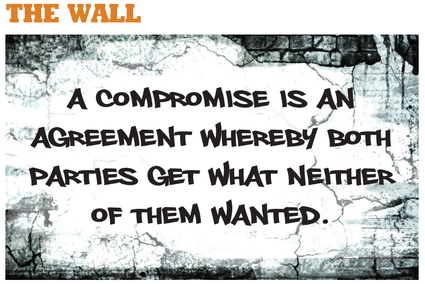

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

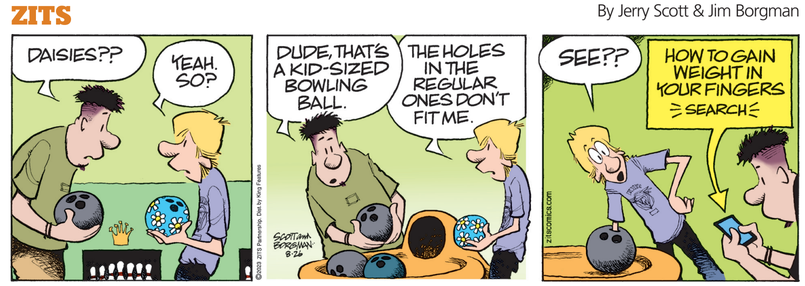

नकली गुटखा बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा, 25 करोड़ का माल बरामद

फैक्ट्री के मैनेजर और सुपरवाइजर को थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया, लंबे समय से क्षेत्र में नकली गुटखा के कारोबार किये जाने की सूचना मिली थी

सीआईडी क्राइम ब्रांच ने चित्तौड़गढ़ जिले में कार्रवाई कर 25 करोड़ रुपए मूल्य का नकली गुटखा, उपकरण व कच्चा माल जप्त किया।

जयपुर। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा इलाके में स्थानीय पुलिस के सहयोग से नकली गुटखा बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मार कर करीब 25 करोड़ रुपए मूल्य का नकली गुटखा, उपकरण व कच्चा माल जप्त किया है। मौके पर मिले फैक्ट्री के मैनेजर और सुपरवाइजर को थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जबकि लेबर को हिरासत में लिया गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा मंगलवार को निंबाहेड़ा सदर इलाके में यह कार्रवाई की गई है। टीम के सदस्य चित्तौड़गढ़ से अटैच हेड कांस्टेबल महावीर सिंह को लंबे समय से क्षेत्र में नकली गुटखा के कारोबार किये जाने की सूचना मिली थी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी के सुपरविजन तथा पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल महावीर सिंह व कांस्टेबल रमेश चंद्र द्वारा एक महीने से इस सूचना को विकसित किया जा रहा था। पुख्ता होने पर देर रात एसएचओ निंबाहेड़ा सदर व कोतवाली टीम और डीएसटी को साथ लेकर हाईवे पर मांगरोल के पास स्थित फैक्ट्री पर दबिश दी।

एडीजी एमएन ने बताया कि फैक्ट्री में बड़ी मशीनरी लगा बड़े पैमाने पर अवैध रूप से नकली गुटखे की पैकिंग की जा रही थी। थाना सदर पुलिस ने मौके पर मिले मैनेजर मोहित यादव पुत्र भटेश्वर सिंह व सुपरवाइजर मोहम्मद साबिर पुत्र मोहम्मद इकबाल निवासी थाना बुद्ध विहार दिल्ली को गिरफ्तार कर काम करने वाले लेबर को डिटेन कर लिया। इस फैक्ट्री में नकली माल बनाकर अन्य स्थानों पर सप्लाई किया जा रहा था। पकड़े गए अभियुक्तों द्वारा थाना कोतवाली निंबाहेड़ा क्षेत्र के रीको इंडस्ट्रीज एरिया में एक बड़ा गोदाम किराए पर ले रखा था। इस गोदाम से भारी मात्रा में तैयार माल और कच्चा माल मिला जिसे जप्त किया गया। अन्य एजेंसियों को भी सूचित किया गया है, जिनके द्वारा भी विभिन्न पहलुओं से जांच की जाएगी। इस फैक्ट्री को संचालित करने वाले गिरोह के बड़े माफिया दिल्ली के रहने वाले हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

एडीजी ने बताया कि पुलिस ने मौके से करीब 25 करोड़ का तैयार व माल और मशीने जप्त की है। जिसमें तैयार माल के 540 बोरे कीमत करीब 8 करोड़ 16 लाख 50 हजार रुपये, कच्चे माल की 150 बोरी कीमत करीब 15 करोड़ 75 लाख रुपए, पैकिंग सामग्री भरने के रैपर व बण्डल कीम के 150 कट्टे कीमत 15 लाख, पांच हॉपर मशीन कीमत करीब 50 लाख रुपए तथा अन्य सामग्री कीमत करीब 5 लाख रुपए है।

बोलेरो चोर पुलिस के हत्थे चढ़े

आरोपियों के कब्जे से चुराई गई बोलेरो बरामद

अजमेर, (कासं)। अजमेर के रामगंज थाना क्षेत्र के गोविंद नगर से गत दिनों हुई बोलेरो चोरी के मामले में रामगंज पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को हनुमानगढ़ से गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई बोलेरो भी बरामद कर ली है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर जुटी है, प्रारम्भिक पूछताछ में किशनगढ़ की एक वारदात करना भी कबूली है।

रामगंज थाना पुलिस के अनुसार जाट मोहल्ला गहलोता नरेना जिला दूदू हाल गली नंबर-6, गोविंद नगर रामगंज निवासी सौरभ कुमार चौधरी पुत्र छोगाराम ने 19 सितम्बर को रामगंज थाने में शिकायत देते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में चौधरी ने बताया कि घर के बाहर खड़ी सफेद रंग की बोलेरो कार अज्ञात चोर चुरा ले गए है। पुलिस ने मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच में जुट गई थी। पुलिस ने मामले में मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में वार्ड-1 दुर्गा कॉलोनी नोहर जिला हनुमानगढ़ निवासी पवन वर्मा पुत्र विजय वर्मा और राकेश वर्मा पुत्र रामफल हैं। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को नोहर हनुमानगढ़ से डिटेन किया और गिरफ्तार कर अजमेर ले आई।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने किशनगढ़ से पिकअप चुराना भी स्वीकार किया है। पुलिस को वाहन चोरी की अन्य वारदातें भी खुलने की उम्मीद है। आरोपियों की गिरफ्तार के लिए गठित टीम में थाना स्टाफ, डीएसटी व साइबर सेल की विशेष टीम ने घटना स्थल के आसपास सहित हाईवे पर लगे करीब 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाली। साइबर सेल ने बीटीएस टावर से भी रिकॉर्ड लेकर कई संदिग्ध को ट्रेस भी किया, उनके मोबाइल नम्बर के आधार पर आरोपियों की लोकेशन प्राप्त की। उनको तलाशने में चूरू व हनुमानगढ़ पुलिस का भी सहयोग लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को नोहर से डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया।

कार लूट का आरोपी गिरफ्तार, कार बरामद

- आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना पुलिस ने हाइवे से कार लूट ले जाने की वारदात करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत बाल अपचारी को डिटेन किया।

प्रकरण के अनुसार समीजा ओगणा हॉल टक्रोकेट सोसायटी साइफन चौराहा निवासी प्रवीण पुत्र भजनलाल ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि मैं 14 जून रात में कार लेकर अंबेरी से देबारी की तरफ जा रहा था। जहां बीच रास्ते बाइक सवार तीन बदमाशों ने मुझे रोका तथा मारपीट कर कार, मोबाईल, पर्स लूटकर ले गए।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंजीतसिंह, पुलिस उप अधीक्षक चांदमल के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी योगेश कुमार व्यास के नेतृत्व में गठित दल ने पीड़ित से की गई पूछताछ एवं मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर तकनीकी अनुसंधान कर आरोपी भीमसिंह पुत्र लालसिंह निवासी आकोदड़ा वल्लभनगर को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत एक बाल अपचारी को डिटेन किया। पूछताछ में भीमसिंह ने अपने साथियों के साथ मिल कर वारदात करना स्वीकार किया। इस पर आरोपी के कब्जे से लूटी गई कार बरामद की।

अपहृत ट्रक ड्राईवर को छुड़ाया, आरोपी गिरफ्तार

सदर थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

ब्यावर, (निसं)। सदर थाना पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में ट्रक चालक के अपहरणकर्ता मुगलपुर थाना हरसौरा जिला कोटपुतली बहरोड़ निवासी किशन गुर्जर पुत्र जगदीश प्रसाद गुर्जर और मोहित गुर्जर पुत्र पप्पूराम गुर्जर को गिरफ्तार किया गया है।

23 सितम्बर को देर रात्रि थाना सदर पर सूचना मिली कि इन्द्रप्रस्थ होटल, रिलायंस पैट्रोल पम्प के पास, रानीसागर पर एक बोलेरो गाड़ी आकर रुकी और होटल पर खड़े ट्रक के ड्राईवर सुरेन्द्रसिंह गुर्जर का अपहरण कर कहीं ले गये है। होटल संचालक द्वारा प्रकरण दर्ज करवाया गया और बताया कि इस घटना से आसपास के लोगों में भय व्याप्त हो गया है। अपहरणकर्ताओं द्वारा सुरेंद्र सिंह की हत्या कर देने के शक से पुलिस ने तुरंत सजगता दिखाते हुए कार्यवाही प्रारम्भ कर दी। अपहरण की घटना की गंभीरता को देखते हुऐ वारदात में आरोपी की तलाश व गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक नरेन्द्रसिंह आई.पी.एस. के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शुभकरण आर.पी.एस. के सुपरविजन में, सहायक पुलिस अधीक्षक वृत ब्यावर मनीष चौधरी आई.पी.एस. के निर्देशन में का गठन गया।

- बोलेरो गाड़ी में आयें बदमाश होटल पर खड़े ट्रक के ड्राईवर का अपहरण कर कहीं ले गये थे

आरोपियों की पहचान हेतु गठित टीम ने अपहरण के घटनास्थल के आसपास विभिन्न जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले व घटनास्थल के आसपास लोगों से पूछताछ की। रातभर भरसक प्रयासों के बाद टीम ने आरोपियों के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त की। टीम द्वारा ब्यावर अजमेर, जयपुर, अलवर में आरोपी की तलाश कर तथ्य जुटाये व उनके संबंध में अधिकतम जानकारी प्राप्त की तकनीकी साक्ष्यों का संकलन किया, अलग अलग स्थानों पर से साक्ष्य सकलित कर कुछ संदिग्ध ठिकानों को चिन्हित किया मुखबीर तंत्र को सक्रिय कर विस्तृत योजना तैयार की। पुलिस टीम ने संदिग्ध ठिकाने पर दल बल के साथ दबिश दी। नारायणपुर जिला अलवर से अपहृत सुरेन्द्रकुमार पुत्र रामू गुर्जर उम्र 27 साल निवासी ईस्माईलपुर थाना विराटनगर जिला कोटपुतली बहरोड़ व अपहरणकर्ताओं को डिटेन किया गया।

महिला के गले से सोने की चेन तोड़ी

अजमेर, (कासं)। खुंडियावास स्थित बाबा रामदेव के मंदिर में दशमी पर दर्शन के लिए कतार में लगी महिला के गले से संदिग्ध महिलाएं चेन तोड़ ले गईं। दर्शन के लिए कतार में साथ चल रही दो-तीन महिलाओं ने वारदात अंजाम दी। मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध महिलाएं नजर आ रही हैं। गेगल थाना पुलिस ने पीड़िता अजमेर निवासी के बेटे की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आदर्शनगर खनिज नगर अजमेर निवासी सुरेश दायमा पुत्र ताराचंद दायमा ने रिपोर्ट देकर बताया कि वह परिवार के साथ 24 सितम्बर को खुंडियावास बाबा रामदेव के दर्शन के लिए गए थे, दोपहर सवा बारह बजे मां प्रेमदेवी के साथ मंदिर में दर्शन के लिए लाइन में खड़े थे। मां के साथ दो-तीन महिलाएं भी लाइन में साथ चल रही थीं। दायमा ने बताया कि उनकी मां ने दस से पन्द्रह ग्राम की सोने की चेन पहन रखी थी, साथ चल रही महिलाओं ने मां के गले से सोने की चेन काट ली, बाद में जब दर्शन कर बाहर निकले तब पता चला।

10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

आरोपी आदतन वाहन चोर है, जिसके खिलाफ 20 मामले दर्ज हैं

कोतवाली थाना पुलिस ने इनामी वाहन चोर को गिरफ्तार किया।

करौली, (निं.सं.)। करौली कोतवाली थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए के इनामी वाहन चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली है।

कोतवाली थाना अधिकारी हेमेंद्र चौधरी ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे घर पकड़ अभियान के तहत कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश जैफ के सुपरविजन एवं पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम के निर्देशन में धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गत 30 जून को अरुण पुत्र टीकम माली निवासी अरावली नगर ने इस्तगासे के माध्यम से मामला दर्ज करते हुए बताया कि एक स्कॉर्पियो कार अरावली नगर में मकान के बाहर सड़क पर खड़ी हुई थी जिसको चोर चुरा कर ले गए। मामले की जांच थाने के हैड कांस्टेबल महेश चंद्र द्वारा की गई।

मामले में पुलिस ने पूर्व में वाहन चोर हरकेश उर्फ छोटू को गिरफ्तार करते हुए आरोपी ने पूछताछ में अपने साथी रवि उर्फ बंदर माली के साथ वाहन चोरी करना कबूल किया। उन्होंने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए हैडकांस्टेबल खेमसिंह, कांस्टेबल राजा, सुमेर, हेतराम, भगवान सिंह की टीम गठित कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां पुलिस ने आरोपी को खोहरामुल्ला (महवा) की पहाड़ियों में घेरा देकर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी पर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा 10 हजार रुपए का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि आरोपी आदतन वाहन चोर है जिसके खिलाफ जयपुर,उदयपुर,दौसा, प्रतापगढ़ , करौली के विभिन्न पुलिस थानों में करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं आरोपी से अन्य वाहन चोरी के प्रकरणों में पुलिस कड़ाई से पूछताछ कर रही है।

- आरोपी से अन्य वाहन चोरी के प्रकरणों में पुलिस कड़ाई से पूछताछ कर रही है

आठ भेड़-बकरियों की मौत

मालपुरा, (निसं)। मंगलवार को तेज गर्जना के साथ हुई बरसात के दौरान अजमेर रोड पर आकाशीय बिजली गिरने से आठ भेड़ व बकरियों की जंगल में मौत हो गई। जानकारी में सामने आया कि मंगलवार की दोपहर को अजमेर रोड के जंगल में चर रही भेड़ों के रेवड पर तेज गर्जना के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आई देवीलाल व रतनलाल कंजर की आठ भेड व बकरी की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित पशुपालक ने मामले की सूचना उपखण्ड प्रशासन व पशु चिकित्सा विभाग को दी। बीते एक सप्ताह से विभिन्न मांगों को लेकर पशु चिकित्सकों के हड़ताल पर रहने के कारण देर शाम तक भी मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम नहीं होने की जानकारी सामने आई है।

गुड़ला-लबान स्टेशनों के मध्य वन्दे भारत रैक का ब्रेकिंग ट्रायल

कोटा, (निसं)। मंडल के कोटा-सवाईमाधोपुर सेक्शन में स्वतंत्र रूप से अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन, लखनऊ की टीम द्वारा मंगलवार 26 सितम्बर को अधिकतम 160 के.एम.फी.एच. गति पर विभिन्न प्रकार के ब्रेक लगाकर परीक्षण किया।

परीक्षण में आपातकालीन ब्रेक को लगाकर भी कई बार परीक्षण किया। टेस्टिंग के दौरान सूखी स्थिति के साथ, परिस्थियों को विषम बनाने के लिए चलती गाड़ी के पहियों पर लगातार पानी डलवा कर ब्रेकिंग की गई। ब्रेकिंग परीक्षण के दौरान गुड़ला से लबान स्टेशन के मध्य अप-डाउन में कुल 2 फेरे में परीक्षण कर कुल 25 बार 160 के.एम.फी.एच. पर एवं कम गति पर 6 बार ब्रेकिंग की गई। कोटा मंडल में 19 सितम्बर से लगातार ब्रेकिंग परीक्षण किया जा रहा है। रेक में कम्पनी के ब्रेकिंग सिस्टम लगे है। दिनांक 19, 20, 21 सितम्बर को खाली रेक स्थिति में एवं 22, 23 सितम्बर को रेक में वजन लोड कर भरी स्थिति में एवं 24, 25 सितम्बर को कोटा में खड़ी स्थिति में ब्रेकिंग परीक्षण कम्पनी के इंजीनियरों द्वारा किया गया।

संतुष्ट होने पर 26 सितम्बर को आरडीएसओ लखनऊ की टीम को रेक परीक्षण हेतु सौंपा गया। संभवतया कल परीक्षण कार्य पूरा होगा। कोटा मंडल में आंकड़ों को संरक्षित करने का कार्य एवं ब्रेकिंग परीक्षण हुआ। यह ब्रेकिंग ट्रायल आरडीएसओ, लखनऊ के टेस्टिंग समीर के निर्देशन एवं कोटा मंडल के सबंधित विभाग के अधिकारियों और पर्यवेक्षक के समन्वय से किया जा रहा है। इसमें मंडल के इंजीनियरिंग, सी एंड डब्ल्यू, विधुत, सुरक्षा एवं परिचालन विभागों का विशेष भूमिका निभा रहा है। इस ट्रायल में कोटा के ट्रैफिक निरीक्षक अरविंद पाठक एवं लोको निरीक्षक नेतराम ने अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन,लखनऊ की टीम को-आर्डिनेट किया।

मकान से नकदी व जेवरात चोरी

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर कस्बे में स्थित सूने मकान से चोर नकदी व जेवरात चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित लक्ष्मण पुत्र भीमजी निवासी चुंगीनाका सलूम्बर ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरा पुत्र मुम्बई में कारोबार करता है तथा कस्बे मे स्थित उसका मकान सूना पड़ा है। पड़ोसी ने मकान की खिड़की खुली होने की सूचना दी। इस पर मौके पर आकर देखा तो मकान से 30 हजार रूपये नकदी, 250 ग्राम चांदी के जेवर, 2 बंडल विद्युत वायर गायब थे। अन्यत्र डबोक थाना पुलिस ने डबोक देवाली स्थित राजकीय उच्च प्रा.वि.के प्रधानाचार्य उपेन्द्र कुमार पुत्र रियापालसिंह की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ विद्यालय की रसोई के बर्तन चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया।

राज्य उपभोक्ता विवाद आयोग की सर्किट बेंच का उद्घाटन

अजमेर जिला बार एसोसिएशन की बरसों पुरानी मांग हुई पूरी

सर्किट बेंच का शुभारंभ न्यायाधिपति देवेंद्र कच्छावा ने किया।

अजमेर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की अजमेर संभाग मुख्यालय की सर्किट बेंच का शुभारंभ मंगलवार को समारोह पूर्वक मुख्य अतिथि न्यायाधिपति देवेंद्र कच्छावा ने किया। सर्किट बेंच के शुभारंभ के साथ ही अजमेर जिला बार एसोसिएशन की बरसों पुरानी मांग भी पूरी हो गई। साथ ही अब उपभोक्ताओं और अधिवक्ताओं को जयपुर के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अजमेर के सदस्य दिनेश चतुर्वेदी ने बताया कि संभाग मुख्यालय पर राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की सर्किट बेंच का शुभारंभ मंगलवार को न्यायाधिपति देवेंद्र कच्छावा अध्यक्ष राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर ने समारोह पूर्वक किया। समारोह में अजमेर जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की सर्किट बेंच का प्रभारी न्यायाधीश रमेशचंद्र शर्मा को नियुक्त किया है।

समारोह के पश्चात मीडिया को जानकारी देते हुए न्यायाधिपति देवेंद्र कच्छावा ने बताया कि अजमेर में संभाग की सर्किट बेंच बनने से जिला उपभोक्ता मंच के फैसलों को लेकर अपील की जा सकेगी। पहले उपभोक्ताओं को जयपुर जाना पड़ता था, लेकिन अब अजमेर में बेंच शुरू होने से उपभोक्ताओं को जयपुर के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की सर्किट बेंच बनने से अजमेर संभाग के अजमेर, केकड़ी, ब्यावर, शाहपुरा, डीडवाना कुचामन, नागौर उपभोक्ताओं के मामलों की सुनवाई हो सकेगी। उन्होंने कहा कि सर्किट बेंच के भवन निर्माण के लिए भूमि का आवंटन हो पूर्व किया जा चुका है, जोकि शहर से काफी दूर स्थित है। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर से शहरी क्षेत्र में ही भूमि का आवंटन की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोर्ट के लिए जो अभी नया भवन बन रहा है, उसमें ही स्थान देने की मांग की जाएगी ताकि आम उपभोक्ता को परेशानी नहीं उठानी पड़े।

शाला दर्पण शिक्षक एप से हाजिरी नहीं लगवाना संस्था प्रधानों को पड़ेगा भारी

शाला दर्पण शिक्षक एप से सभी राजकीय विद्यालयों में दस अक्टूबर के बाद से हाजिरी लगाना अनिवार्य

- माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर जिम्मेदारी तय की

हनुमानगढ़, (निसं)। सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था सुधार को लेकर शिक्षा विभाग निरंतर नवाचार कर तकनीक का खूब इस्तेमाल कर रहा है। शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज करने को लेकर भी अलग से शुरू किए गए शाला दर्पण शिक्षक मोबाइल एप का इस्तेमाल प्रारंभ किया जा चुका है। अभी पायलट प्रोजेक्ट के तहत केवल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में ही इसे लागू किया गया है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर जिम्मेदारी तय कर दी है।

इसके तहत दो अक्टूबर व इसके बाद से तो ना केवल शिक्षक बल्कि विद्यार्थियों की उपस्थिति भी इस एप से दर्ज करनी होगी। इसमें कोताही बरतने पर संबंधित शिक्षक के साथ संस्था प्रधान पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की बात कही गई है। इस प्रक्रिया से विद्यार्थियों की दिनांकवार उपस्थिति का रियल टाइम डेटा पूर्व में चल रहे शाला दर्पण पर उपस्थिति मोड्यूल से जुड़ जाएगा। इसके बाद यह डेटा विद्यालय लॉगिन ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर के कार्यालयों के लॉगिन पर सहज उपलब्ध होगा। इससे निगरानी में आसानी होगी। संस्था प्रधानों पर स्वयं तथा समस्त स्टाफ के मोबाइल फोन में उक्त एप इंस्टॉल कराने की जिम्मेदारी होगी। यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रतिदिन प्रत्येक विद्यार्थी की उपस्थिति एप पर अनिवार्यत: दर्ज हो। कक्षाध्यापकों की मैपिंग शाला दर्पण पोर्टल पर सुनिश्चित करनी होगी। कक्षाध्यापक की गैर हाजिरी में शाला दर्पण प्रभारी पोर्टल पर उपलब्ध मॉड्यूल में संबंधित कक्षा के विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करेंगे। विद्यार्थियों तथा स्टाफ की एप पर दर्ज उपस्थिति तथा पोर्टल पर प्रदर्शित उपस्थिति को संस्था प्रधानों को प्रमाणित करना होगा।

विद्यालय जाए बगैर रजिस्टर में उपस्थिति लगाने संबंधी शिकायतों पर इस नई प्रक्रिया से लगाम लग सकेगी। क्योंकि संबंधित शिक्षक को अपने मोबाइल फोन के जरिए ही अपनी व विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करनी होगी। कोई दूसरा शिक्षक अपने मोबाइल फोन की लॉगिन आईडी से अन्य शिक्षक की उपस्थिति नहीं लगा सकेगा। प्रथम चरण में केवल कक्षाध्यापकों को ही एप पर लॉगिन की सुविधा होगी। बाद के चरण में जो स्टाफ इस प्रक्रिया में शामिल होंगे उनकी उपस्थिति पोर्टल पर उपलब्ध मॉड्यूल से भरेंगे। एप के जरिए जिन विद्यालयों में उपस्थिति दर्ज होगी उनमें पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होगी। एप में प्रविष्ट किया गया उपस्थिति संबंधी डेटा तत्काल विद्यालय लॉगिन के उक्त मॉड्यूल में प्रदर्शित होगा। अत: द्वितीय कालांश में संस्था प्रधान को उपस्थिति नहीं भरने वालों की सूचना देने का जिम्मा शाला दर्पण प्रभारी होगा।

लूट के आरोपी ने कांस्टेबल की राइफल छीन उसी पर गोली चलाई

लूटेरे ने इसके बाद वहां से भागने का प्रयास किया तो एसएचओ ने बदमाश को काबू करने के लिए उसके पैर में गोली मार दी

- घायल कांस्टेबल और बदमाश दोनों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है
- पुलिस टीम लूट के आरोपी को लेकर मौका-मुआयना करने जा रही थी
- 23 अगस्त को बदमाशों ने तीन किलो सोना और 18 लाख कैश की लूट की थी

राजसमन्द, (निसं)। ज्वैलर से दो करोड़ की लूट के आरोपी ने कांस्टेबल की राइफल छीनकर उसी पर फायर कर दिया। इसके बाद वह भागने का प्रयास कर करने लगा। एसएचओ ने बदमाश को काबू करने के लिए उसके पैर में गोली मार दी। कांस्टेबल और बदमाश दोनों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पुलिस टीम आरोपी को लेकर मौका-मुआयना करने जा रही थी। मामला राजसमंद के कांकरोली का है।

राजसमंद एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि 23 अगस्त को कांकरोली (राजसमंद) क्षेत्र के भगवानदास मार्केट के सामने (जल चक्की के पास) रूपम गोल्ड ज्वेलर्स से 4 बदमाशों ने पिस्टल की नोक पर 3 किलो सोना और 18 लाख कैश की लूट की थी। इनमें से एक आरोपी कृतिक कुमार उर्फ किट (20) पुत्र कन्हैया लाल पासवान को राजसमंद पुलिस ने पटना की एसटीफ व वैशाली जिले (बिहार) की स्पेशल टीम की मदद से बिदुपुर (वैशाली) में दबिश देकर पकड़ा था। कृतिक को ही पुलिस टीम मंगलवार सुबह मौका-मुआयना कराने के लिए लाई थी।

राजसमंद एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि कृतिक कुमार ने वारदात के दौरान ज्वेलर की दुकान से डीवीआर उठा ली थी। फरार होने के दौरान उसने डीवीआर को तोड़कर विनोल जंगल में फेंक दिया था। मंगलवार सुबह कांकरोली पुलिस थाना इंचार्ज डीपी दाधीच टीम के साथ आरोपी को मौका तस्दीक करवाने कुंवारिया थाना इलाके के विनोल गांव के जंगल के पास लेकर आए थे।

पटरी पर युवक का शव मिला

चाकसू, (निसं)। यहां थूनी-बड़ली रेल पटरी पर देर रात करीब एक युवक का शव कटी हुए हालात में ट्रेन चालक को दिखाई दिया। जिसकी सूचना ट्रेन चालक ने स्टेशन मास्टर को दी। सूचना पर स्टेशन मास्टर, रेलवे पुलिस व चाकसू पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। वहीं पुलिस ने शव की अपने स्तर पर शिनाख्त की जो आशीष यादव पुत्र मनमोहन (21) निवासी थुर्णी अहिरान चाकसू थाना अंतर्गत का निकला।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि कल शाम को घर से खेतों से होते हुए तेजाजी के रात्रि जागरण देखने के लिए कहकर निकाला था लेकिन वापस नहीं लौटा। इस पर परिजनों को चिंता हुई और अपने स्तर पर तलाश भी की लेकिन आशीष का कहीं पर भी पता नहीं चल पाया। थाना प्रभारी कैलाशदान व अनुसंधान प्रभारी श्रीचंद मीना ने बताया कि आशीष रेल से कटकर मरा या उसके साथ कोई हादसा हुआ इस मामले में गहनता से तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतक के शव पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

गौतस्करों के चंगुल से तीन गौवंश को मुक्त कराया

तीन गौतस्कर गिरफ्तार, पिकअप जब्त

डीग (निस)। डीग थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गौतस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन गोवंश को गौतस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है और तीन गौतस्करों को गिरफ्तार करते हुए पिकअप को जब्त किया है।

हैड कांस्टेबल रविन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गणेश मंदिर पर जरिये मुखबिर सूचना मिली कि एक पिकअप में कुछ बदमाश छह मोरा डीग पर रोड के किनारे गौवंश भर रहे हैं। जो कामां की तरफ जायेंगे। इस दौरान मौके पर पहुंचे तो पिकअप खड़ी मिली जिसमें तीन आदमी सड़क के किनारे खड़ी गायों को पिकअप में भर रहे थे।

इस दौरान पुलिस ने पिकअप को देखा गया तो उसमें एक बछडी व दो गायें भरी हुयी थी। जिस पर उनसे पिकअप चालक का नाम पता पूछा तो अपना नाम जावेद पुत्र अमीन मेव उम्र 32 साल निवासी रावलका थाना पहाडी जिला डीग,विकास पुत्र खेमचंद जाटव उम्र 35 साल निवासी पहाड़ी थाना पहाडी जिला डीग, प्रताप उर्फ पप्पू पुत्र भीमसिंह गुर्जर उम्र 36 थाना पहाडी जिला डीग होना बताया। इस दौरान पुलिस ने चालक से गाय ले जाने का टीपी व लाइसेंस के बारे में पूछा गया तो अपने पास कोई लाइसेंस होना नहीं बताया। इस दौरान पुलिस ने तीनों गौतस्करों को गिरफ्तार करते हुए पिकअप को जप्त किया है तथा गौवंश को कलावटा तहसील कामां की श्रीकृष्ण गोशाला समिति, भोजनथाली में छुड़वाया है।

किशनगढ़बास में क्या एक बार फिर रामहेत और दीपचंद आमने-सामने होंगे ?

- कांग्रेस की सिमरत कौर और भाजपा के दिनेश यादव की चुनाव में क्या रहेगी भूमिका, इसको लेकर बनी है चर्चा
- स्थिति साफ नहीं होने पर प्रत्याशियों के टिकट को लेकर बना है संशय, कांग्रेस में बगावत के बने हैं आसार

किशनगढ़ बास, (निसं)। राजस्थान विधानसभा के चुनावी समर में गांव के गली-मोहल्ले से चौपाल और चौपाल से चाय की थड़ी, सेलून की दुकान पर कांग्रेस में दीपचंद खैरिया और सिमरत कौर को लेकर चर्चा है तो भाजपा में रामहेत यादव व डॉ. दिनेश यादव के नाम पर बहस छिड़ी है। टिकट किस पार्टी से किसको मिलेगी और कौन जीतेगा और कौन पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ेगा इस बात पर बहस छिड़ी है। 2023 के चुनाव में टिकट घोषणा से पहले सबसे ज्यादा अगर किसी नाम की चर्चा है तो वह नाम है सिमरत कौर सिद्धू का जो पूर्व गृहमंत्री स्व. संपतराम के पुत्र सेवानिवृत्त आईएएस अशोक संपतराम की पत्नी है।

रामहेत यादव

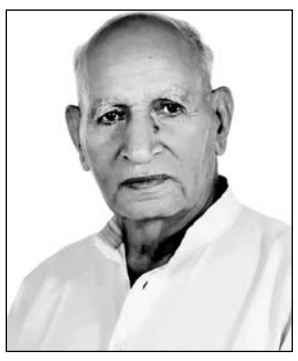

दीपचंद खेरिया

कांग्रेस में अशोक गहलोत के करीबी और पांच साल तक सरकार में सहयोगी रहे किशनगढ़ बास से बसपा विधायक दीपचंद का टिकट फाइनल माना जा रहा है, परंतु लोगों की जुबान पर नाम सिमरत कौर का है। ऐसे में कांग्रेस कहीं ना कहीं इस बात से डरी है कि सिमरत कौर टिकट नहीं मिलने की स्थिति में पार्टी से बगावत कर बसपा से चुनाव लड़ती है तो कांग्रेस को चुनाव में सीधा-सीधा नुकसान हो सकता है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहेगी जिससे की पार्टी को नुकसान हो और फिर से हार का मूंह देखना पड़े क्योंकि 2018 के चुनाव में दीपचंद खेरिया का टिकट काटकर सांसद डॉ. करण सिंह यादव को टिकट दिया गया था। नतीजा क्या निकला वह पार्टी देख चुकी है। 2008 व 2013 में दीपचंद खेरिया को टिकट दिया गया था उस दौरान भी पार्टी को यहां हार हाथ लगी। पार्टी दीपचंद खेरिया पर इसलिए दांव खेल सकती है कि बसपा से विधायक रहते खेरिया गहलोत के विश्वासपात्र रहे और 5 साल सरकार में रहते अनेक बड़े विकास के काम में क्षेत्र में कराए हैं।

भाजपा में पूर्व विधायक रामहेत यादव और अभी हाल में अपने पुराने घर में कांग्रेस छोड़कर वापसी हुए डॉ. दिनेश यादव के बीच टिकट को लेकर लोगों में संशय से बना हुआ है। रामहेत यादव 2008 से 2018 तक लगातार किशनगढ़ बास से विधायक रहे हैं। किशनगढ़ बास क्षेत्र के लोगों के बीच एक मजबूत पकड़ को रखते हैं। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव व ओम माथुर के बेहद करीबी नेताओं में माने जाते हैं। केंद्र व प्रदेश के बड़े नेताओं में रामहेत की मजबूत पकड़ अलवर के कुछ पार्टी नेताओं को रास नहीं आ रही है और इस प्रयास में लगे हैं कि किसी भी तरह रामहेत की टिकट को काटा जाए। रामहेत यादव का कहना है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर पूरा भरोसा है कि टिकट मुझे ही मिलेगा।

चुनाव से ठीक 2 महीने पहले डॉ. दिनेश यादव की भाजपा में घर वापसी कराना विरोधी नेताओं की राजनीति का एक हिस्सा कहा जा रहा है। सांसद महंत बालकनाथ योगी और रामहेत यादव के बीच की दूरी भी क्षेत्र में लोगों में चर्चा का विषय बनी है। बताया जा रहा है कि सांसद महंत बालक नाथ ही दिनेश यादव को भाजपा में लेकर आए हैं। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद से ही दिनेश यादव क्षेत्र में सक्रिय हैं और परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान प्रदेश के नेताओं को ताकत दिखा चुके हैं। दिनेश यादव टिकट को लेकर पूरी तरह आस्वस्थ हैं। अब लोगों को इन्तजार है टिकट का ताज किसके के पार्टी बांधकर जनता के बीच में भेजती है और कौन पार्टी के फैसले के साथ रहता है। या फिर पार्टी से बागी होकर चुनाव लड़ते हैं।

हिरण का शिकार कर मांस पकाते दो गिरफ्तार

वन विभाग की टीम ने गांव चाम्पावसी के पास खेत में दो जनों को गिरफ्तार किया।

- मौके पर हिरण का सिर, सींग, टांगों सहित कच्चा मांस मिला
- हिरण को मारने में उपयोग में ली गई चोसांगी, लाठी छुरा खून से सने हुए मिले
- वन विभाग की टीम ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया

रतनगढ़ (निसं)। वन विभाग की टीम ने मंगलवार को गांव चाम्पावसी के पास एक खेत में दो व्यक्तियों को हिरण का शिकार कर उसका मांस पकाते रंगेहाथों गिरफ्तार किया है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी शंकरलाल सोनी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर टीम को साथ लेकर चाम्पावसी के पास केसराराम जाट के खेत पहुंचे तो वहां 39 वर्षीय रामलाल बावरी व 51 वर्षीय रामेश्वर बावरी निवासी वार्ड आठ रतनगढ़ दोनों ने हिरण को मार रखा था और उसका मांस पका रहे थे। मौके पर एक साइड हिरण का सिर, सींग, टांगों सहित कच्चा मांस मिला। वहीं दूसरी साइड हिरण को मारने में उपयोग में ली गई चोसांगी, लाठी छुरा खून से सने हुए मिले। वन विभाग की टीम ने इन्हें जब्त कर दोनों व्यक्तियों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। वन विभाग की टीम ने इनके खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

साईबर ठगी के 6.93 लाख रुपए बरामद किये

जयपुर, (निसं)। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम ने अलवर के सदर थाना इलाके के लोहरवाड़ी गांव में डीएसटी के सहयोग से दबिश देकर साइबर ठगी की रकम 6 लाख 93 हजार 500 बरामद की हैं। थाना सदर पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच के एएसआई बनवारी लाल शर्मा को मुखबिर से सूचना मिली कि अलवर जिले के थाना सदर इलाके में लोहरवारी गांव निवासी मोबिन पुत्र इशाक नाम का युवक गैंग बनाकर साइबर फ्रॉड की वारदातों को अंजाम दे रहा है।

एडीजी एमएन ने बताया कि सूचना के सत्यापन में सामने आया कि लोहरवाड़ी गांव निवासी मोबिन पुत्र इशाक, शाहरुख पुत्र अख्तर व अख्तर पुत्र रहमान एक गिरोह संचालित कर साइबर अपराध तथा सेक्सटॉर्शन के जरिए ब्लैकमेल कर रुपए ऐंठते हैं। इस पर अलवर डीएसटी को साथ लेकर टीम लोहरवाड़ी गांव पहुंची। रास्ते में तीन युवक आते नजर आए, जिनमें से एक के कंधे पर बैग लटका हुआ था। पुलिस को देख तीनों मुड़कर भागने लगे। पीछा कर एक को पुलिस ने दबोच लिया, दो युवक भागने में सफल हो गए। भागने वाले युवक के कंधे पर कपडे का एक बैग था, जो मौके पर पटक कर भाग गया था, जिसमें कुल 6 लाख 93 हजार 500 रुपये थे। पकड़े गए युवक ने अपना नाम मुबीन पुत्र इशाक निवासी लोहरवाड़ी बताया। भागने वाले शाहरुख और अख्तर थे।

आरोपी को लेकर पुलिस टीम जैसे ही रवाना होने लगी तो काफी भीड़ मौके पर पुलिस की गाड़ी के सामने आ गई। भीड़ ने पुलिस पार्टी के साथ हाथापाई कर काबू में किए आरोपी को जबरन छुड़ा लिया और मौके से फरार करवा दिया। फरार आरोपियों के पास कई एटीएम कार्ड, मोबाइल और नकदी होने की सीआईडी टीम को सूचना थी। थाना सदर जिला अलवर में ठगी, पुलिस कर्मियों से मारपीट, राजकार्य में बाधा से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नाबालिग की बदमाशों ने चाकू से गोदकर हत्या की

मर्डर का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक नाबालिग के चाकू घोंप रहे हैं

अनूपगढ़, (निसं)। मेला देखकर घर लौट रहे 17 साल के नाबालिग की बाइक सवार तीन बदमाशों ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। मर्डर का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक नाबालिग के चाकू घोंप रहे हैं। घटना अनूपगढ़ के घड़साना मंडी के वार्ड नंबर-7 की सोमवार रात साढ़े नौ बजे की है।

थानाधिकारी जितेंद्र स्वामी ने बताया कि अनिल अपने बड़े भाई पवन और पड़ोसी भागीरथ, सुभाष के साथ रामदेव के मेले से घर लौट रहा था। रास्ते में उसने भाई को बताया था कि पड़ोसी सारू उर्फ संसार सिंह, कीरत पाल और सुखचैन सिंह जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। चारों पीरखाना में एक शॉप पर कोल्ड ड्रिंक पीने रुके। इस दौरान बाइक पर तीन लड़के आए। उन्होंने अनिल को इशारा कर बुलाया। अनिल उनकी ओर बढ़ ही रहा था कि तीनों उसके पास पहुंच गए। युवकों ने अनिल पर चाकू से वार कर दिए। घटना से सर्व समाज में रोष है। हॉस्पिटल में पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। भाई पर हमला होते देख पवन बचाने दौड़ा उससे पहले ही बदमाश कुपली मार्ग होते हुए फरार हो गए। अनिल को गंभीर हालत में घड़साना हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हत्याकांड के बाद मंगलवार को सर्व समाज के लोग हॉस्पिटल पहुंचे। पुलिस के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने आरोपियों जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना के बाद क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई गई थी। नाबालिग के भाई की रिपोर्ट के आधार पर नामजद तीनों आरोपियों को पकड़ने के लिए जगह-जगह पर दबिश दी जा रही है।

उपचार के दौरान युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निस)। एमजी अस्पताल में उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई। युवक के परिजनों का पता लगाने के लिए पुलिस ने भीलवाड़ा सहित प्रदेशभर के थाना अधिकारियों को सूचना दी है, ताकि मृतक के परिजनों का पता चल पाये। शव को फिल्हाल मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि 26 सितंबर को एमजीएच से सूचना मिली कि रामपाल (30) पुत्र नानाराम उर्फ नंदाराम माली, जिसका एड्रेस नहीं है, इस नाम से एक व्यक्ति 23 सितंबर को भर्ती हुआ, जिसकी आज सुबह मौत हो गई। मृतक के परिजनों का पता नहीं चल रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतक की उम्र 30 से 35 साल है। उसके दाहिने हाथ पर उ गुदा है। वह पीला शर्ट पहने है। उसके सिर पर काले बाल हैं और रंग गेहुंआ है। पुलिस ने मृतक के परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन पता नहीं चला।

'इंजेक्शन लगाने से व्यक्ति की मौत'

- मृतक के बेटे ने मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

हनुमानगढ़, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के सहजीपुरा गांव में मेडिकल स्टोर संचालक की ओर से इंजेक्शन लगाने के कुछ समय बाद व्यक्ति की हालत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में व्यक्ति के बेटे ने सदर पुलिस थाने में मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। हेड कॉन्स्टेबल मदनलाल शर्मा ने बताया कि सुशील कुमार (25) पुत्र रायसिंह मेघवाल निवासी गांव बहलोलनगर ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि उसके पिता रायसिंह (47) को बुखार-जुकाम था।

उसके पिता सहजीपुरा गांव के मेडिकल स्टोर संचालक मुकेश चोटिया के पास दिखाने के लिए गए तो मुकेश चोटिया ने बिना जांच किए ही उसके पिता को इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगाने के कुछ समय बाद ही इंजेक्शन के रिएक्शन करने से उसके पिता रायसिंह की हालत बिगड़ गई, लेकिन मुकेश चोटिया ने उन्हें संभाला नहीं। ना ही कोई दवाई दी।

इस कारण उसके पिता की हालत बिगड़ गई। जब वे उसके पिता को टाउन के राजकीय जिला अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टरों ने जांच के बाद उसके पिता को मृत घोषित कर दिया। सदर पुलिस ने मुकेश चोटिया के खिलाफ लापरवाही से मौत के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सात लाख का अफीम-डोडा चूरा जब्त, दो गिरफ्तार

- लोडिंग पिकअप में गुप्त स्कीम बनाकर मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही थी

जयपुर/झालावाड़, (निसं)। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच टीम की सूचना पर झालावाड़ जिले की सुनेल थाना पुलिस ने एक लोडिंग पिकअप से सात लाख रुपए कीमत का 70 किलो अफीम डोडा चूरा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ उच्च क्वालिटी का है, जिसे पिकअप में गुप्त स्कीम बना तस्करी किया जा रहा था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम और अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम की सूचना पर झालावाड़ डीएसटी व सुनेल थाना पुलिस ने लोडिंग पिकअप से अफीम डोडा चूरा जप्त कर मगिसपुर थाना सुनेल निवासी तस्कर अर्जुन पाटीदार पुत्र भागीरथ व किशोर पाटीदार पुत्र रामगोपाल को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया है।

एडीजी एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच के हेड कांस्टेबल महावीर सिंह एव कांस्टेबल रमेश चंद व रतिराम को झालावाड़ जिले के थाना सुनेल इलाके में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की आसूचना प्राप्त होने पर एडिशनल एसपी आशाराम चौधरी के सुपरविजन तथा इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में सूचना डवलप की गई, पुख्ता होने पर थाना सुनेल पुलिस को सूचित किया गया।

डीएसटी व थाना सुनेल पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी में सूचना के अनुसार संदिग्ध पिकअप को रुकवा चेक किया तो पिकअप की पीछे बॉडी में बीचो-बीच एक गुप्त स्कीम बनाई हुई थी। इसके अंदर प्लास्टिक पैकिंग में अफीम डोडा चूरा के पैकेट छुपाए हुए थे। जिसका वजन कल 70 किलोग्राम था।

पुलिस ने आरोपी तस्कर अर्जुन पाटीदार व साथी किशोर पाटीदार को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में जिला चित्तौड़गढ़ से अटैच हेड कांस्टेबल महावीर सिंह, कांस्टेबल रमेश चन्द्र और क्राइम ब्रांच के कांस्टेबल रतिराम की विशेष भूमिका रही। वहीं कांस्टेबल सोहन देव यादव का तकनीकी सहयोग रहा। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत द्वारा किया गया।

दो बच्चों व पिता की हालत बिगड़ी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में पीहर से ससुराल जा रही महिला को ऑटो में सफर के दौरान अज्ञात व्यक्ति द्वारा दी ठंडे की बोतल से ठंडा पीने के बाद महिला के पति व दो बच्चों की हालत बिगड़ गई। तीनों को उपचार के लिए एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

हमीरगढ़ निवासी सांवर की पत्नी गीता अपने पीहर मांडल गई थी। जहां से वह अपने बेटे कपिल व वंदना के साथ ससुराल हमीरगढ़ जाने के लिए बस से रवाना हुई। वह, भीलवाड़ा में रेलवे फाटक के नजदीक बस से उतरी और बस नहीं मिलने से टेंपो में बैठकर हमीरगढ़ के लिए रवाना हो गई। इसी टेंपो में एक अज्ञात व्यक्ति बैठा था। इस अज्ञात व्यक्ति ने गीता के पहने हुये गहने लूटने के इरादे से ठंडे की बोतल गीता को दी, लेकिन उसने नहीं पी। इससे वह वारदात का शिकार होने से बच गई। गीता, ठंडे की बोतल को घर ले गई और घरेलु काम में जुट गई। इस बोतल से गीता के पति सांवर, उसके बेटे कपिल और वंदना ने ठंडा पी लिया। इसके बाद इन तीनों की हालत बिगड़ गई। उन्हें एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन करने गया युवक तालाब में डूबा

15 फीट गहरे तालाब के दलदल में फंसने से हुई मौत

पावटा, (निसं)। गणेश मूर्ति विसर्जन करने गया युवक 15 फीट गहरे तालाब में डूब गया व दलदल में फंस गया। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। मृतक मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में नहाने गया था। गहरे गड्ढे में चले जाने व दलदल में फंसने के कारण यह हादसा हुआ।

प्रागपुरा थाना क्षेत्र के गांव टसकोला निवासी 20 वर्षीय सुनील सोमवार को गणेश मूर्ति विसर्जन करने टसकोला गांव के बुचारा बांध पर गया था। वह अपने साथियों के साथ मूर्ति विसर्जन कर रहा था। तभी वह अपने साथियों के साथ तालाब में नहाने के लिए कूद गया। साथियों का कहना है कि वह तालाब में आगे गहरे गड्ढे में चला गया व तालाब के बीच में पहुंचते ही वह डूबने लगा व दलदल में फंस गया।

मृतक सुनील

उसके साथ नहाने के लिए कूदे साथियों ने उसे ढूंढने का काफी प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

- टसकोला गांव के बुचारा बांध का मामला, चार घंटे बाद निकाला शव
- परिजनों ने बताया कि मृतक अविवाहित था और मर्चेंट नेवी में कार्यरत था

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से करीब 4 घंटे बाद शव को बाहर निकलवाया। मौके पर पहुंचे परिवारीजन तसल्ली के लिए उसे पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने बताया कि मृतक अविवाहित था और मर्चेंट नेवी में कार्यरत था। वहीं जानकारी के अनुसार सुनील एक महिने की छुट्टी पर आया हुआ था। सोमवार को वह अपने परिजनों व साथियों के साथ खुशी के साथ नाचते गाते गणेश मूर्ति विसर्जन करने टसकोला गांव के बुचारा बांध पर गया था। मृतक सुनील के पिता का पूर्व में ही देहांत हो चुका था। चार भाइयों में सुनील सबसे छोटा था। उसके तीनों बड़े भाई किसी तरह से मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि सुनील जुलाई में ही मर्चेंट नेवी में नौकरी पर लगा था। वह एक महीने पहले ही छुट्टी पर गांव आया था। तथा एक-दो दिन बाद ही वह वापस ड्यूटी पर जाने वाला था लेकिन इससे पहले ही यह हादसा हो गया।

संक्षिप्त

भगवान के विमान नगर में निकाले

उनियारा/चौरु, (निसं)। उनियारा उपखंड ग्राम पंचायत चौरु में परंपरा अनुसार जन्माष्टमी पर्व पर श्री कृष्ण भगवान के जन्म के 11 दिन पश्चात सोमवार को डोल ग्यारस पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि कि कस्बे के मंदिरों से भगवान के विमान पूरे नगर में निकालते हुए और सरोवर महादेव मंदिर पर भगवान को स्नान कराकर श्रद्धालु लोग मंदिर में जसोदा मैया की फल, फ्रूट, मिठाइयों से गोद भरते हैं। इसी परंपरा को जारी रखते हुए कस्बे के ठाकुर जी मंदिर,आदि दर्जनों मंदिरों से मुख्य बाजार डिजे के साथ होते हुए बालाजी मंदिर चौक पर से सभी ठाकुर जी एकत्रित कर बालाजी मंदिर पर एकत्रित हुए। स्नान, पूजन- अर्चना कर पुनः अपने-अपने मंदिरों की ओर प्रस्थान किये। महिलाओं व पुरुषों ने ठाकुर जी के दर्शन किए। वहीं जय श्री राम के जय कारो के साथ।

जाम से राहगीर परेशान

दूदू, (निसं)। जिला मुख्यालय दूदू के मुख्य चौराहे से नरेना, मालपुरा, मौजमाबाद, जयपुर रोड पर पुलिस की व्यवस्था के अभाव में लग रहे आये दिन वाहनों के जाम से राहगीरों एवं वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैरतलब है कि मुख्य चौराहे पर एक भी पुलिसकर्मी जिला मुख्यालय पर यातायात व्यवस्था के लिए तैनात नहीं है। मजे की बात यह इस चौराहे से न्यायाधीश, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, उप अधीक्षक, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रोजाना अपने कार्यालयों से आवागमन करते हैं साथ ही विद्यालयों में आने जाने वाले बालक बालिकाओं को भी परेशान होना पड़ रहा है।

तीन घण्टे बिजली बंद रहेगी

निवाई, (निसं)। विद्युत फीडर पर मरम्मत कार्य को लेकर बुधवार तीन घण्टे बिजली बंद रहेगी। विभाग के कनिष्ठ अभियंता लक्की गोठवाल ने बताया कि 33 के.वी. विद्युत फीडर पर बुधवार को रख-रखाव कार्य किया जाएगा। जिसके दौरान समस्त नगरपालिका क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र से रेल्वे स्टेशन, सब स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुबह 6 से 9 बजे तक बंद रहेगी।

जलझूलनी एकादशी पर मालपुरा व डिग्गी में भव्य डोल यात्रा निकली

मालपुरा, (निसं)। जलझूलनी एकादशी पर धर्मनगरी डिग्गी व मालपुरा में भव्य डोल यात्रा निकाली गई। डिग्गी कल्याणजी की प्रतिमा को पालकी में बैठा नगर भ्रमण कराया गया व विजय सागर तालाब में नौका विहार कराया। राजस्थानी वेशभूषा पहने लोक कलाकारों की टोलियां ढोलक व अलगोजे की मधुर धुनों के साथ कल्याणजी की डोल यात्रा में शामिल

- दर्जनों पालकियों में सवार हो ठाकुरजी ने किया नगर भ्रमण व नौका विहार
- डिग्गी गढ़ में हुई ढोलक-अलगोजा प्रतियोगिता

मालपुरा में निकाली गई डोल यात्रा से ठाकुरजी ने नगर भ्रमण किया।

हुई तो कल्याणजी की पालकी को नाव में बिठा विजय सागर तालाब में नौका विहार करवाया गया। जिसे देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का हुजुम उमड़ा।

मालपुरा शहर के कोने-कोने से पालकियों में ठाकुरजी को भ्रमण करवाया गया। दर्जनों पालकियों की डोल यात्रा प्राचीन मंदिर सीतारामजी महाराज के डोले के साथ नगर भ्रमण को निकली जिनका सुभाष सर्किल पर ऐतिहासिक संगम हुआ।

पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी व पूर्व विधायक जीतराम चौधरी सहित हजारों की संख्या में मौजूद लोगों ने पुष्पवर्षा से ठाकुरजी का स्वागत किया। लम्बी कतारों में लगे महिला-पुरूषों ने ठाकुरजी की पालकी के नीचे से निकल ठाकुरजी का आर्शीवाद लिया। सभी पालकियों का पहला स्नान पवित्र सरोवर ब्रह्म तालाब व दूसरा स्नान झालरा तालाब में करवाया गया। ठाकुरजी की पालकियों को कंधों पर ले कतारबद्ध खड़े कर नीलकण्ठ महादेव मंदिर के सामने गणगौरी मैदान में सामुहिक महाआरती की गई।

सुरक्षा की दृष्टि से डीवाईएसपी सुशील मान व थानाधिकारी भागीरथ सिंह के नेतृत्व मे कडा पुलिस जाप्ता तैनात रहा तो ड्रॉन कैमरों से सम्पूर्ण डोल यात्रा पर निगरानी की गई। वहीं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार व रामदास ट्रस्ट डिग्गी के संयुक्त तत्वावधान में एकादशी पर डिग्गी गढ में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा ढोलक व अलगोजा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के कोने कोने से पहुंचे लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

श्मशान भूमि आवंटित करवाने की मांग

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत जयसिंहपुरा के ग्राम करवास के ग्रामीणों ने सरपंच देवकरण मान के नेतृत्व में कोटपूतली बहरोड़ जिला कलेक्टर को श्मशान भूमि आवंटन करवाने हेतु ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने ग्राम करवास में जिस भूमि को गांव का योगी समाज अपने श्मशान के लिए सैकड़ों वर्षों से काम में लेता आया है। वह भूमि खसरा संख्या 771 सिवायचक भूमि है। उन्होंने जिला कलेक्टर को इस भूमि में से ग्राम करवास के सामुहिक श्मशान हेतु लगभग 02 बीघा भूमि की आवश्यकता से अवगत करवाते हुए लिखा है कि खसरा संख्या 771 में से यदि 02 बीघा जमीन ग्राम करवास हेतु ऑन रिकॉर्ड चढ जाती है तो ग्रामीण उनके आभारी रहेंगे। इस पर ग्रामीण बुजुर्ग हनुमान योगी ने बताया कि हमारे पूर्वज यहां सैकड़ों वर्षों से इस श्मशान भूमि पर दाह संस्कार करते आये है एवं यहाँ चबुतरे, मंढी, तिबारे आदि बने हुऐ है। यह भूमि गांव के श्मशान हेतु आवंटित हो जिससे ग्रामीणों को कोई परेशानी ना हो। ग्रामीण ओमप्रकाश आर्य ने बताया कि श्मशान भूमि के लिए वर्ष 2021 में प्रशासन गॉवों के संग अभियान में जिला कलक्टर जयपुर को प्रार्थना पत्र एवं ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव लिया गया था। जिसमें जिला कलेक्टर ने एसडीएम के नाम आदेश किये थे।

सार-समाचार

कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपसका लालसोट की कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव रविवार को संपन्न हुआ। शिक्षक संघ के राष्ट्रीय उपशाखा लालसोट के चुनाव चुनाव अधिकारी व्याख्याता महेश चंद्र खंडेलवाल के देखरेख में संपन्न हुए। सभी चुने हुए शिक्षक संघ के पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता की भी शपथ दिलाई गई। व्याख्याता कमलेश गौतम द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि अविनाश शर्मा को अध्यक्ष व वीर सिंह मीना मंत्री और अनुराग प्रिय शर्मा कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध मनोनीत किया गया। वहीं निर्वाचन अधिकारी महेश चन्द्र खण्डेलवाल ने की कार्यकारिणी के निर्वाचन की घोषणा की गई। संघ के वरिष्ठ सदस्य रामजी लाल मीना, मुकेश मीना, कमलेश गौतम, हनुमान शर्मा, हनुमान शर्मा, प्रभु लाल मीना, नाथूलाल मीना, मुकेश पुरोहित,नवीन पांखला, सुनिल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक रहे मौजूद रहे।

छात्रों ने संस्कृत में नाम रोशन किया

सांभरझील, (निसं)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय संस्कृत ओलिंपियाड में दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम), सांभरलेक की कक्षा 9 की छात्रा दर्शना व्यास ने कक्षा 9वीं से 12वीं ग्रुप में राजस्थान में द्वितीय और राष्ट्रीय स्तर पर 283 वी रैंक व कक्षा 6 से 8वीं ग्रुप में लोकेश सोनी ने राजस्थान में तीसरी व राष्ट्रीय स्तर पर 789 वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय व परिवारजनों को गौरवान्वित किया। प्रधानाचार्य टीकमचन्द मालाकार व स्टाफ ने विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए उनकी हौसला हफजाई करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मन्दिरों से ठाकुर जी के डोले निकाले

कोटपूतली, (निसं)। कस्बा सहित आसपास के क्षेत्र में सोमवार को जलझूलनी एकादशी पर्व बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों से ठाकुर जी के डोले निकाले गये। कस्बे के विभिन्न मंदिरो में विराजमान चारों भाईयों (कल्याण जी, बिहारी जी, सीताराम जी व केशवराय जी) को श्रद्धालुओं द्वारा कस्बे के प्रमुख मार्गो से भ्रमण करवाने के बाद तालाब वाले मंदिर लाया गया। जहां एकादशी की कथा हुई। जिसके बाद चारो भाईयों की आरती उतारकर विधिवत पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद चारों भाई देर रात अपने-अपने मंदिरों में चले गये। एकादशी के दिन श्रद्धालुओं ने उपवास भी रखा। विभिन्न मंदिरो में विराजमान चारों भाईयों कल्याण जी, बिहारी जी, सीताराम जी व केशवराय जी के डोले निकाले गये, जो सायं 4 बजे आजाद चौक पहुंचे। जहां चारों भाईयों का मिलन हुआ। जिसके बाद डोले कस्बे के प्रमुख मार्गो से गुजरते हुए तालाब वाले मंदिर पहुंचे। भ्रमण के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु डोलो के नीचे से निकलते हुए मन्नतें मांगी। सीताराम मंदिर के महंत बालकृष्ण शर्मा ने बताया कि 05 पीढ़ी से मंदिर में सेवा पूजा करते आ रहे हैं। पुरानी सब्जी मंडी स्थित कल्याण जी मंदिर के महंत हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि मंदिर 300 वर्ष पुराना है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी में जुटे

बहरोड़/अलवर, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के 28 सितंबर 2023 को गुरुवार को ग्राम काठूवास बहरोड़ में कैबिनेट मंत्री के टीकाराम जूली के पिता की मूर्ति का अनावरण करेंगे। जिसकी केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली से अचानक मिली जानकारी से कांग्रेस नेता बस्तीराम यादव पूरी जिम्मेदारी से कार्यकर्ताओं सहित क्षेत्रवासियों को बड़ी तादाद में हरियाणा बार्डर के गांव काठूवास में मुख्यमंत्री के पहुंचने की तैयारी करते दिखाई दिए।

ठाकुर जी की रेवाड़ी देवयानी तीर्थ पहुंची

सांभरझील, (निसं)। जलझूलनी एकादशी पर नगर के विभिन्न मंदिरों से शाही लवाजमे के साथ ठाकुरजी की रेवाड़ी निकाली गई। ठाकुरजी को नए जल से स्नान करवाया गया। नगर के प्रमुख सात मंदिरों से निकाली गई रेवाड़ी देवयानी तीर्थ स्थल पर पहुंची जहां पर सालिगरामजी को नए जल से स्नान करवाया गया। इसके बाद रामरेवाड़ी में बिराजित ठाकुरजी की घाट पर आरती कर झुलाया गया। गौरतलब है कि जलझूलनी एकादशी को पद्मा एकादशी, डोल ग्यारस और परिवर्तनीय एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। जलझूलनी एकादशी पर भगवान विष्णु अपने शयन के दौरान करवट बदलते हैं। इसी दिन माता यशोदा ने भगवान श्रीकृष्ण के कपड़े भी पहली बार धोये थे। जलवा पूजन, सूरज पूजन या कुआं पूजन का विधान है, जो इसी दिन हुआ था। यह पर्व उसी का एक रूप है। शाम को भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा को झांकी के रूप में मन्दिर के नजदीक जलस्त्रोत पर ले जाया जाता है।

गायन प्रतियोगिता कल

श्रीमाधोपुर, (निसं)। रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज़ द्वारा गुरुवार को चौधरी नाथूराम भामु रोटरी भवन में "भारत रत्न लता मंगेशकर स्मृति (तृतीय) गायन प्रतियोगिता" का आयोजन किया जाएगा। क्लब के गिरिराज के कयाल ने बताया कि केवल महिलाओं/ युवतियों के लिए होने वाली इस निःशुल्क प्रतियोगिता को 18 वर्ष से कम तथा 18 वर्ष से ऊपर आयु के 2 वर्गों में बांटा गया है। दोनों वर्गों में 15-15 प्रतियोगी ही भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता के प्रोजेक्ट चैयरमैन पूर्व सहप्रांतपाल संजीव फ्रेंकलिन तथा को-चैयरमेन पूर्व अध्यक्ष शांति लाल सोनी होंगे।

प्रधान ने 50 लाख के कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन किया

पावटा, (निसं)। पंचायत समिति पावटा की ग्राम पंचायत जोधपुरा में मंगलवार को भाजपा नेता जगन चौधरी चौधरी के मुख्य आतिथ्य व पावटा प्रधान पूजा चौधरी की अध्यक्षता एवं सरपंच प्रह्लाद माठ, उपप्रधान राजेंद्र सिंह, जिलापार्षद तेजपाल धनवाडिया, बुचारा सरपंच ओमप्रकाश गुर्जर, मंढा सरपंच धीर सिंह, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कैलाश ताखर, पंचायत समिति सदस्य धर्मपाल गुर्जर, जयराम सिंह, शिवपाल राठी, चेतन मीणा, पूर्व सरपंच बंशी गेट के विशिष्ट आतिथ्य में 50 लाख के विकास कार्यों के शिलान्यास तथा उद्घाटन किए।

ग्राम पंचायत जोधपुरा में पावटा प्रधान पूजा चौधरी ने विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

50 लाख की लागत से निर्मित होने वाली शमशान घाट की चारदिवारी, भांकरी रोड से धन्ना सनवाल व सोहन सनवाल के मकान की ओर सड़क निर्माण कार्य, भांकरी रोड से स्कूल प्रार्थना स्थल व अशोक बाज्या के मकान के पास सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास तथा उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए प्रधान पूजा चौधरी ने कहा कि विकास में धन की कमी किसी भी स्तर पर आड़े नहीं आने दी जाएगी।

उन्होंने विकास कार्यों को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। भाजपा नेता जगन चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, स्वास्थ्य तथा शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। ताकि गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। समाज सेवा उनका ध्येय है तथा विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद से विकास में कोई कमी नहीं छोडी जायेगी।

चिकित्सा मंत्री ने आधा दर्जन विकास कार्यों का शिलान्यास किया

लालसोट/मंडावरी, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर करीब आधा दर्जन विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण किए।

चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा मंगलवार को इंदावा में कृषि उपज मंडी समिति द्वारा प्रस्तावित दो सड़कों का शिलान्यास एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विधायक कोटे से निर्मित कक्षा कक्षों का लोकार्पण किया व सामुदायिक भवन बैरवा बस्ती का लोकार्पण किया और सामुदायिक भवन का भोपा बस्ती में लोकार्पण किया। इसी तरह देवली में कृषि उपज मंडी समिति द्वारा प्रस्तावित सड़क का शिलान्यास किया एवं शाम को मंडावरी कृषि उपज मंडी परिसर में लेबर सेड व डोम निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। मंडी समिति परिसर में लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि कृषि उपज मंडी परिसर मंडावरी में कवरिंग ओपन आक्सन एरिया विद डोम बनने से दूरदराज से मंडी में खुद की फसल बेचने को आने वाले किसानों को सुविधा मिलेगा। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि डोम बनने से किसानों की फसले गर्मी एवं बारिश जैसे मौसम में सुरक्षित रखी रहेगी। साथ ही खराब मौसम में भी डोम होने के कारण रखी गई सुरक्षित फसलों का बेचान किसान आसानी से कर सकेगा। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मंडी परिसर में लेबर सेड के निर्माण से मंडी में मजदूरी करने वाले पल्लेदारों को आराम करने की सुविधा मिलेगी। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि हमारा देश किसान प्रधान देश है एवं देश की उन्नित के लिए किसानों का मजबूत एवं सशक्त होना जरूरी है। मंत्री मीणा ने कहा कि आज मंडावरी कृषि उपज मंडी की साख आसपास के क्षेत्र के किसानों में है इसलिए मंडावरी कृषि मंडी में किसान फसल को आसानी से बेचता है। मंडी समिति सचिव ममता गुप्ता ने बताया कि मंडी परिसर में बना डोम कुल 166.77 लख रुपए की लागत से बनेगा और 1176 वर्ग मीटर के नए बने इस डोम में किसानों के 30 हजार फसल के कट्टे सुरक्षित रखे जा सकते हैं। सचिव गुप्ता ने बताया कि इससे पहले एक और डोम था उसकी भी क्षमता इतनी ही थी।

श्याम जागरण के पोस्टर का विमोचन

राजगढ़, (निसं)। श्याम सेवा समिति की ओर से 4 अक्टूबर होने वाले विशाल जागरण की तैयारी को लेकर मंगलवार को पोस्टर का विमोचन किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को समारोह से जोड़ने का निर्णय लिया। समिति के अध्यक्ष जगदीश सैनी एवं मीडिया प्रभारी सुरेश चौहान ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8 बजे गणेश पोल से 1300 महिलाओं की कलश यात्रा से होगा। कार्यक्रम में भजन सम्राट संजय मित्तल कोलकाता, राकेश शर्मा अजान, रोशनी शर्मा बांदीकुई, पुरुषोत्तम बृजवासी जयपुर सहित स्थानीय कलाकार संजय राजस्थानी वकील निराला जगमोहन पाराशर अपनी मधुर स्वरों से बाबा श्याम का गुणगान करेंगे।

पुलिस प्रशासन द्वारा मिशन सद्भावना शुरू

टोंक, (निसं)। जिला साम्प्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील है, इसलिये जिले में शान्ति, कानून व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने हेतु आगामी त्यौहारों एवं विधानसभा चुनाव के मध्य नजर जिला पुलिस टोंक की ओर से मिशन सद्भावना प्रारम्भ किया गया है। इस हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं, जिसमें जन जागरूकता अभियान के तहत आम नागरिकों में विश्वास बनाये रखने हेतु जिले में लगातार शान्ति समिति, सीएलजी सदस्यों की मीटिंगें ली जा रही हैं एवं जिले में शान्ति एवं सोहार्द बनाये रखने हेतु शान्ति समिति, सीएलजी सदस्यों का प्रभावी तरीके से उपयोग किया जा रहा है। साथ ही अफवाहों के विरूद्ध अभियान चालू किया गया है, जिसके तहत फैसबुक, विभिन्न सम्प्रदाय एवं समाज के वाटस्एप ग्रुप इत्यादि पर प्रभावी निगरानी रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने, किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के विरूद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी/विडियो पोस्ट करने या शेयर करने पर होने वाले अपराध एवं सजा के सम्बन्ध में टोंक पुलिस द्वारा आम नागरिक से अपील कर जागरूक किया जा रहा। टोंक पुलिस द्वारा कम्युनिटी थियेटर टोंक के साथ मिलकर साम्प्रदायिक सोहार्द को बनाये रखने एवं आगामी विधानसभा चुनाव में निष्पक्ष व निर्भिक मतदान करने हेतु मतदाता जागरूकता अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत जिले में सद्भावना यात्रा प्रारम्भ कर अलग-अलग स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया।

पालकी में विराजमान होकर ठाकुर जी नगर भ्रमण पर निकले

फुलेरा, (निसं)। कस्बे में मंगलवार को जलझूलनी एकादशी पर मन्दिरों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान क्षेत्र में ठाकुर जी महाराज पालकी में विराजमान होकर गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण करते हुए जल विहार किया।

इसके चलते पुराना फुलेरा स्थित प्राचीन ठाकुर जी महाराज के मन्दिर के पुजारी पण्डित शिवनारायण शर्मा के सानिध्य में ठाकुर जी महाराज को पंचामृत व जलाभिषेक करवाकर पालकी में बैठाकर गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण करवाते हुए जल विहार करवाया गया। इस अवसर पर समिति के नटवर लाल शर्मा ने बताया कि ठाकुर जी महाराज की पालकी को भक्तगणों ने अपने कन्धो पर उठाकर क्षेत्र के मुख्य मार्गों से होते हुए तेजाजी चौक पहुंचे। जहाँ पर ठाकुर जी को स्नान करवाकर भजन कीर्तन कर महाआरती के पश्चात पंजीरी का प्रसाद वितरण किया गया। साथ ही घरों में विराजमान लड्डु गोपाल को भी श्री ठाकुर जी महाराज साथ ही नगर भ्रमण करवाया गया। इसी क्रम में मायला बाजार स्थित श्री सीताराम जी महाराज मन्दिर परिसर में भी जलझूलनी एकादशी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान मन्दिर के पुजारी विष्णु कुमार शर्मा के सानिध्य एवं समिति के नेतृत्व में विभिन्न झांकियां सजाई गई। इसके साथ ही झांकियों को रथ में बैठाकर एवं प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां देकर मुख्य मार्गों से होते हुए भ्रमण करवाया गया। इसके बाद स्कूल खेल मैदान पर ठाकुर जी को स्नान करवाकर जल विहार करवाया। तत्पश्चात महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। गौरतलब है कि उक्त पालकी एवं झांकीयों का धर्म प्रेमियों द्वारा जगह जगह पर पुष्प वर्षा एवं आरती कर स्वागत अभिनन्दन किया गया।

- पालकी एवं झांकियों का पुष्प वर्षा एवं आरती कर स्वागत किया

जलझूलनी एकादशी पर ठाकुर जी महाराज ने पालकी में विराजमान होकर गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण करते हुए जल विहार किया।

ठाकुर जी की महाआरती की

देवली, (निसं)। यहां जल झूलनी एकादशी पर भक्तों ने ठाकुर जी को जल विहार करा कर उतारी महा आरती। एजेंसी एरिया निवासी भक्त विक्रम सिंह ने जानकारी में बताया कि एजेंसी एरिया स्थित भगवान चारभुजानाथ मंदिर में राधा कृष्ण जी प्रतिमा की सवारी को शहर का भ्रमण करवाया तो वही भगवान ठाकुर जी की ढोल यात्रा भजन कीर्तन गाजियाबाद के साथ निकाली गई।

इस अवसर पर ढोल यात्रा में शामिल भक्त महिलाओं ने भजन कीर्तन किये एवं गाजे बाजो पर नृत्य कर ढोल यात्रा का आनंद उठाया। ठाकुर जी की ढोल यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई वापस एजेंसी एरिया चारभुजा नाथ मंदिर पहुंची। जहां विधि विधान के साथ भगवान श्री राधा कृष्ण की मूर्ति को मंदिर में प्रवेश करवाया इस मौके पर समिति के उत्तम भारद्वाज विक्रम सिंह सतीश जांगिड़ जय सिंह हाड़ा रामरतन स्वामी टीकम सेन अंकुर भारद्वाज नवल शर्मा कमल शर्मा एडवोकेट गोपाल शर्मा विजय सिंह कैलाश शर्मा ओम गोयल उदय लाल बसराम संजय गोयल रामेश्वर सिंह त्रिलोक शर्मा सहित समस्त महिला मंडली और समस्त एजेंसी वासी शामिल रहे।

जलझूलनी एकादशी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

चाकसू, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में मंगलवार को भाद्रपद शुक्ल एकादशी पर्व पर महिलाओं सहित श्रद्धालुओं ने एकादशी का व्रत रखा। मंदिरों में अभिषेक, श्रंगार आरती के विधिवत कार्यक्रम सम्पन्न हुए और ठाकुरजी को नौका विहार करवाया गया।

- मंदिरों में लगी श्रद्धालुओं की भीड़, ठाकुर जी ने जलविहार किया

चाकसू में एकादशी पर मनोहर तालाब में नौका विहार करते भगवान के विमान।

भक्तों ने भगवान की कस्बे से डोल झांकी निकाल कर दिन में गोलीराव तालाब एवं संध्या में मनोहर तालाब में जलविहार कराया। श्रद्धालु फूलों से सजी चौकी या पालकी में सालिग्रामजी और ठाकुरजी को विराजमान कर जयकारे लगाते हुए जलाशय तक ले गए। यात्राओं को दौरान श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लेते हुए यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जलाशय पर भगवान को स्नान करवाकर वापस गाजे बाजे के साथ मंदिर लाया गया। इस वर्ष बारिश की भारी कमी एवं प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के चलते गोलीराव तालाब लगभग खाली पड़ा है एवं मनौहरा तालाब में पचास प्रतिशत पानी जमा है। दोपहर को गोलीराव तालाब किनारे बावन भगवान, राधा दामोदर जी, विजय गोपालजी, रामदेवजी के विमान गाजे-बाजे के साथ पहुंचे, श्रद्धालुओं की उपस्थिति एवं जयकारों बीच पंडितों ने परम्परागत तरीके के ठाकुरजी की पूजा अर्चना करते हुए सांकेतिक नौका विहार कार्यक्रम सम्पन्न करवाया। श्री गोपीनाथ मंदिर सेवा समिति के मंत्री राम प्रकाश शर्मा एवं सदस्य दिनेश शर्मा ने बताया कि सायंकाल जगमोहन भगवान के मंदिर से खंडेलवाल समाज ने भगवान को बैंड-बाजा के साथ नगर भ्रमण करवाया, साथ ही सालिगराम भगवान, चतुर्भुज भगवान, त्रिलोकीनाथ एवं सीताराम जी की शोभायात्रा मनौहरा तालाब पहुंच कर जलाशय में नौका विहार करवाया।

एक अविश्वसनीय टेस्ट करियर के लिए बधाई, लाल गेंद के सबसे बेहतरीन और सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक। वास्तविक लीजेंड। आपकी यात्रा और दृढ़ संकल्प बेहद प्रेरणादायक रहे हैं। अगले चरण के लिए शुभकामनाएं ब्रॉडी। -युवराज सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, इंग्लैंड के क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रांड के बारे में।

आज का खिलाड़ी ▸ चिंगलेनसाना सिंह

भारतीय फुटबॉलर चिंगलेनसाना सिंह कोझिकोड में मई की एक उमस भरी शाम जब मैदान से ड्रेसिंग रूम लौटे तो उन्होंने देखा कि उनके फोन पर बहुत सारे 'मैसेज' और 'मिस्ड कॉल' थीं। चिंतित चिंगलेनसाना ने तुरंत वापस फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। हिंसाग्रस्त मणिपुर के इस सेंटर बैक को हालांकि जल्द ही पता चल गया कि राज्य में तीन मई को शुरू हुई हिंसा में वह अपना लगभग सब कुछ खो चुका है। तीन मई को ही यह फुटबॉलर कोझिकोड में मोहन बागान के खिलाफ एएफसी कप प्ले ऑफ में हैदराबाद एफसी का प्रतिनिधित्व कर रहा था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया के मेंटॉर हो सकते हैं रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। क्या रविचंद्रन अश्विन को भारत की वनडे विश्व कप की टीम में जगह मिलेगी? उनको चोटिल ऑलराउंडर अक्षर पटेल के रिप्लेसमेंट के रूप में देखा जा रहा है और इसी वजह से उनको ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया था। अश्विन ने इस सीरीज के पहले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इससे इस बात की गारंटी नहीं मिलती कि उनको वर्ल्ड कप 2023 के लिए मुख्य टीम में प्रवेश मिलेगा। टीम मैनेजमेंट अक्षर पटेल को फिट देखना चाहती है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच का कहना है कि वे फाइनल फिफ्टीन में नहीं होंगे, लेकिन टीम के मेंटॉर हो सकते हैं। यदि अक्षर पटेल विश्व कप से पहले अपनी मैच फिटनेस साबित करने में असमर्थ रहते हैं तो अश्विन टीम में जगह बनाने में सफल हो सकते हैं। हालांकि, फिंच का मानना है कि अश्विन को विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह मिलना मुश्किल होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच राजकोट में होने वाले तीसरे वनडे मैच से पहले स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए फिंच ने इन-फॉर्म अश्विन के खिलाफ एक साहसिक बयान जारी किया और कहा कि वे इस मेगा इवेंट में मेटॉर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वह (अश्विन) अंतिम 15 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर सकते हैं, लेकिन एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने इतना क्रिकेट खेला है, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मौजूदा सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ मौजूद बाकी खिलाड़ी बड़े गेमप्ले के बारे में बहुत कुछ उनसे सीख सकते हैं। अश्विन ऐसे खिलाड़ी हैं, जो बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, चाहे वह टेस्ट मैच हो या टी20 मैच, उन्होंने अपने पूरे करियर में ऐसा किया है। इसलिए मुझे कोई आश्चर्य नहीं होगा अगर वह इस समय समूह में एक मेंटॉर के रूप में मौजूद हों, लेकिन दुर्भाग्यवश, मैं उन्हें अंतिम 15 में जगह बनाते नहीं देख रहा हूं।"

माइकल वॉमन ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी
वर्ल्ड कप 2023 वही जीतेगा जो भारत को...

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। दूसरे वनडे के बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने ट्वीट कर भारतीय टीम की जमकर तारीफ की। इस दौरान उन्होंने बड़ी भविष्यवाणी करते हुए लिखा आगामी वर्ल्ड कप 2023 में जो टीम भारत को चित करने में कामयाब रहेगी वह खिताब जीतेगी। वॉन का यह ट्वीट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी देखने के बाद आया। इंडिया वर्सेस ऑस्ट्रेलिया दूसरा वनडे इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर के शतकों और कप्तान केएल राहुल और सूर्यकुमार यादव की तूफानी पारियों के दम पर निर्धारित 50 ओवर में 399 रन बोर्ड पर लगाए थे। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर भी था। भारतीय बल्लेबाजी देख गदगद हुए माइकल वॉन टीम इंडिया की तारीफ करने से पीछे नहीं हटे। उन्होंने लिखा किभारतीय पिचों पर भारत की बल्लेबाजी लाइन अप बेहुदा है, उन्होंने यह भी कहा कि जो भी टीम भारत को वर्ल्ड कप में हराएगी वह खिताब जीतेगी। बता दें, वर्ल्ड कप 2023 का आगाज 5 अक्टूबर से भारत में होने जा रहा है।

बाबर आजम को पुलिस ने पकड़ा और काट दिया चालान, पाक कप्तान को इस गलती की मिली सजा

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने एक बार फिर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया है। पाकिस्तान ट्रैफिक पुलिस ने बाबर को पकड़ा और चालान काट दिया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि बाबर का ओवर-स्पीडिंग यानी तेज रफ्तार कार चलाने के कारण चालान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाबर लाहौर में ऑडी कार से हाईवे पर ओवर स्पीडिंग की। बाबर के पुलिस के हत्थे चढ़ने को लेकर यूजर्स अपने-अपने अंदाज में रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बाबर आजम और चालान - लव स्टोर जारी है। अन्य ने कहा, लगता है कि बाबर वर्ल्ड कप 2023 में खेलने के लिए अपनी कार से अटारी-वाघा बॉर्डर पार करने की कोशिश कर रहे थे। बता दें कि भारत में 5 अक्टूबर से आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप शुरू होने जा रहा है। पाकिस्तान को अपना पहला मैच 6 अक्टूबर को खेलना है। यह चार महीनों के अंदरदूसरा मौका है, जब बाबर को पुलिस ने पकड़ा है। मई में बाबर को लाहौर पुलिस ने कार की नंबर प्लेट का साइज छोटा होने की वजह से रोका था। अधिकारी ने तब बाबर को नंबर प्लेट का साइज मानक के अनुसार करने के लिए कहा था। इसके बाद, अधिकारी ने बाबर के साथ सेल्फी भी ली थी, जो बहुत वायरल हुई। हालांकि, बाबर ने उसके बाद सोशल मीडिया पर इस संबंध में अपनी सफाई पेश की थी। पाकिस्तान टीम को भारत में वर्ल्ड कप खेलने के लिए वीजा मिल गया है।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।पाकिस्तान की टीम 27 सितंबर को तड़के भारत के लिए रवाना होगी।पाकिस्तान को वर्ल्ड कप से पहले हैदराबाद में दो अभ्यास मैच खेलने हैं। बात दें कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने वीजा मेंदेरी को लेकर आईसीसी से संपर्क साधा था।

एडी डीविलियर्स की हैरतअंगेज भविष्यवाणी
विराट कोहली वर्ल्ड कप 2023 के बाद लेंगे संन्यास

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली इस वक्त अपने करियर के उस पड़ाव पर हैं, जहां वह मैदान पर उतरते ही कोई ना कोई रिकॉर्ड अपने नाम कर लेते हैं। कोहली जल्द ही आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 में धमाल मचाते हुए नजर आएंगे, जिसका आगाज 5 अक्टूबर से होने जा रहा है। हालांकि, वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले कोहली के दोस्त और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने एक बेहद हैरतअंगेज भविष्यवाणी की है। एबीडी का कहना है कि अगर भारत वर्ल्ड कप जीत गया तो कोहली वनडे फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर सकते हैं।

डिविलियर्स को लगता कि कोहली का साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे में खेलना मुश्किल है। ऐसे में 34 वर्षीय कोहली वनडे से संन्यास लेकर टेस्ट पर फोकस कर सकते हैं। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मुझे मालूम है कि कोहली को (2027 विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करना पसंद है, लेकिन यह कहना बहुत मुश्किल है। इसमें बहुत समय बाकी है। मुझे लगता है कि विराट कोहली आपको यही बताएंगे। मुझे लगता है अगर वे यह वर्ल्ड कप जीतते हैं तो यह वनडे से संन्यास का बुरा समय नहीं होगा। मुझे लगता है कि वह कहेंगे, मैं शायद अगले कुछ वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट और थोड़ा-बहुत आईपीएल खेलूंगा। करियर के अंतिम पड़ाव का आनंद लें और परिवार के साथ पर्याप्त समय बिताएं और अलविदा कहें।

कोहली महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के अब तक कई रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। वह हाल ही में सचिन को पछाड़कर वनडे में सबसे तेज 13 हजार रन कंप्लीट करने वाले प्लेयर बने हैं। कोहली के निशाने पर सचिन का वनडे में सर्वाधिक 49 शतक का रिकॉर्ड भी है। कोहली अभी तक 47 वनडे सेंचुरी जमा चुके हैं। हालांकि, डिविलियर्स का कहना है कि कोहली कभी रिकॉर्ड पर फोकस नहीं करते।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोहली का ध्यान उसपर है। वह कभी अपने बारे में सोचने वाले शख्स नहीं रहे। वह अपनी टीम के लिए वर्ल्ड कप जीतना चाहते हैं और खेल के सभी प्रारूपों में एक सफल टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं। वह एक टीम प्लेयर हैं और यही भावनाएं आपको मैदान पर पर दिखती हैं। खासकर, जब वह फील्डिंग कर रहे होते हैं। वो इमोशन आपको बताते हैं कि उनके लिए जीतना कितना मायने रखता है।

मुशफिकुर रहीम ने खुद को ही किया क्लीन बोल्ड

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की सीरीज का आखिरी वनडे इंटरनेशनल मैच ढाका में खेला जा रहा है। बांग्लादेश की पूरी टीम 34.3 ओवर में महज 171 रनों पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश की ओर से सबसे ज्यादा रन नजमुल हुसैन शांटो के बल्ले से निकले, उन्होंने 76 रनों की पारी खेली, जबकि बाकी सभी खिलाड़ी ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक भी नहीं पाए। महमूदुल्लाह ने 21 रन बनाए और वह बांग्लादेश की ओर से दूसरे बेस्ट स्कोरर रहे। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने ने चार विकेट चटकाए, जबकि कप्तान लॉकी फर्गुसन ने एक विकेट लिया। उनका एक विकेट भी ऐसा था, जो काफी मजेदार था, दरअसल यह विकेट उन्हें खुद बल्लेबाज ने दिला दिया। बांग्लादेश के सबसे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम 18 रन बनाकर आउट हुए। मुशफिकुर क्रिकेट के मैदान पर फुटबॉल खेलने चले और इसका खामियाजा उन्हें अपना विकेट गंवाकर उठाना पड़ा। फर्गुसन की गेंद रोकने के लिए मुशफिकुर ने अपने पैर का इस्तेमाल किया और अपना पैर उन्होंने स्टंप पर ही दे मारा। इस तरह से बांग्लादेश ने अपना चौथा विकेट गंवाया था। बांग्लादेश ने 35 रनों तक तीन विकेट गंवाए थे। इसके बाद शांटो और मुशफिकुर ने मिलकर पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने मिलकर पारी को कुछ हद तक संभाला भी लेकिन फिर मुशफिकुर की बेवकूफी बांग्लादेश को काफी भारी पड़ गई। इस तरह से बांग्लादेश ने 88 रनों पर अपना चौथा विकेट गंवाया। ट्रेंट बोल्ट और कोल मैकॉन्ची ने दो-दो विकेट लिए। वहीं रचिन रविंद्र के खाते में भी एक विकेट गया।

स्टीव स्मिथ के बैड लक पर मिशेल स्टार्क का बड़ा बयान
वह शानदार खिलाड़ी है लेकिन...

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में संघर्ष कर रहे हैं लेकिन तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने मंगलवार को कहा कि टीम के लिए यह चिंता का सबब नहीं है। स्मिथ आम तौर पर भारत के खिलाफ बड़ी पारियां खेलते हैं लेकिन तीन वनडे मैचों की सीरीज के शुरुआत दो मुकाबलों में उन्होंने 41 और शून्य रन का स्कोर बनाया है। वह इस साल फरवरी मार्च में भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में महज 145 रन ही बना सके थे।

चोट से वापसी कर रहे स्टार्क ने भारत के खिलाफ तीसरे मैच की पूर्व संध्या पर कहा, वह शानदार खिलाड़ी है। वह हर प्रारूप में टीम के सबसे अहम खिलाड़ियों में से हैं। यह सामंजस्य बिठाने के बारे में है। हम दक्षिण अफ्रीका के दौरे से भारत आ रहे हैं। कई खिलाड़ी टीम में वापसी कर रहे हैं। स्टार्क ने टीम को शुरुआती दोनों मैचों में मिली शिकस्त के बारे में पूछे जाने पर कहा, हमने महसूस किया दोनों मैचों में पिच में थोड़ा बदलाव आया। इंदौर में शाम में स्पिन ने बड़ी भूमिका निभाई। हमने मोहाली में दुधिया रोशनी में अच्छा प्रदर्शन किया था।

स्टार्क ने वर्ल्ड कप के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम को खिताब का दावेदार बताते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया को लय हासिल करने के लिए यहां की परिस्थितियों के मुताबिक ढलना होगा। उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ मैचों में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को आजमाया है। इसमें कई खिलाड़ियों को विश्राम दिया गया।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को दिया 172 रन का लक्ष्य

मीरपुर, 26 सितंबर। बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबल में आज टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की टीम 34.3 ओवर में 171 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। ढाका के शेर ए बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों ओपनर बल्लेबाज तंज़िद हसन (5) रन और जाकिर हसन को एक रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। तंजिद हसन को बोल्ट ने एलन के हाथों कैच करवा।

वही जाकिर हसन को मिल्ने ने बोल्ड आउट किया। इस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर आठ रन था। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने संभल कर खेलते हुए 84 गेंदों में 76 रन बनो। उन्हें मैककोन्ची ने पगबाधा आउट किया। तौहीद हृदयोय और मुशफिकुर रहीम टीम के स्कोर में 18-18 रन का योगदान दिया। महमूदुल्लाह ने 27 गेंदों में 21 रन बना कर मिल्ने की गेंद पर ब्लंडेल को कैच थमा बैठे। मेहदी हसन 14 गेंदों पर 13 रन बनाये और उसे बोल्ड ने ब्लंडेल के हाथों कैच करा कर पवेलियन भेज दिया।

आउट होने से बचने के लिए कर बैठे बच्चों वाली हरकत, वीडियो देख फैंस ने उड़ाई खिल्ली

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का निर्णायक मैच ढाका में खेला जा रहा है। बांग्लादेश की पूरी टीम 34.3 ओवर में 171 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन नजमुल हुसैन शांतो के बल्ले से निकले जिन्होंने 76 रन की पारी खेली।मैच में एक विकेट ऐसा देखने को मिला जिसकी वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का निर्णायक मैच ढाका में खेला जा रहा है। बांग्लादेश की पूरी टीम 34.3 ओवर में 171 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन नजमुल हुसैन शांतो के बल्ले से निकले जिन्होंने 76 रन की पारी खेली।मैच में एक विकेट ऐसा देखने को मिला जिसकी वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मैच में एक विकेट ऐसा देखने को मिला जिसकी वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस विकेट में बल्लेबाज को चालाकी दिखाना भारी पड़ा और उसने खुद को ही आउट कर दिया। बता दें कि बांग्लादेश के सबसे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम 18 रन बनाकर आउट हुए। मैच में वह पारी के 15वें ओवर में फुटबॉल खेलने के चलते आउट हो गए। उनका वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है।

श्रीलंका के वर्ल्ड कप 2023 स्क्वॉड की हुई घोषणा
शनाका पर सस्पेंस से उठा पर्दा, स्टार हसरंगा हुए बाहर

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। श्रीलंका ने मंगलवार (26 सितंबर) को आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपने 15 सदस्यीय की घोषणा कर दी। एक खिलाड़ी को ट्रेविंग रिजर्व के रूप में जोड़ा गया है। दासुन शनाका वर्ल्ड कप में श्रीलंका की कमान संभालेंगे।

बता दें कि एशिया कप फाइनल में श्रीलंका की करारी शिकस्त के बाद शनाका को कप्तान बनाए रखने को लेकर पिछले कुछ दिनों से सस्पेंस था। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) आगामी वर्ल्ड कप में शनाका की जगह किसी और प्लेयर को कप्तान बना सकता है। वहीं, श्रीलंका को एक बड़ा झटका लगा है। स्टार स्पिनर वनिंदु हसरंगा वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे। वह चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं।

हसरंगा के पिछले महीने लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के प्लेऑफ के दौरान जांघ में खिंचाव आ गया था। वह एलपीएल में 279 रन के साथ टॉप रन स्कोरर और 19 शिकार के संग लीडिंग विकेटटेकर थे।। इसके बाद, हसरंगा को चोट के कारण एशिया कप से बाहर होना पड़ा था। एसएलसी को उम्मीद थी कि हसरंगा वर्ल्ड कप के लिए फिट हो जाएंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बतायाजा रहा है कि हसरंगा की अगर सर्जरी हुई तो वह कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट से दूर हो सकते हैं।

हसरंगा के बाहर होने के बावजूद श्रीलंका काफी संतुलित टीम लग रही है। पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने और कुसल मेंडिस के कंधों पर शीर्ष क्रम की जिम्मेदारी होगी। मध्यक्रम में सदीरा समरविक्रमा, कुसल परेरा, चरिथ असलांका और धनंजय डी सिल्वा हैं। शनाका, धनंजय, डुनिथ वेल्लालागे और असलांका ऑलराउंडर्स कीभूमिका निभाएंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में कसुन राजिथा, दिलशान मदुशंका, लाहिरू कुमारा और मथीशा पथिराना हैं। स्पिन आक्रमण की अगुवाई महीश थीक्षणा करेंगे। उनका साथ वेल्लालागे और धनंजय जैसे खिलाड़ी देंगे।

वर्ल्ड कप का आयोजन भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होगा। श्रीलंका टीम अपने अभियान का आगाज 7 अक्टूबर को करेगी। श्रीलंका की पहली टक्कर दक्षिण अफ्रीका से होगी। यह मैच दिल्ली के मैदान पर खेला जाएगा। गौरतलब है कि श्रीलंका ने क्वालिफायर के जरिए वर्ल्ड कप में एंट्री की। श्रीलंका ने जून और जुलाई में जिम्बाब्वे में आयोजित वर्ल्ड कपक्वालिफायर में दमदार प्रदर्शन किया था।

वर्ल्ड कप 2023 के लिए श्रीलंका का स्क्वॉड : दासुन शनाका (कप्तान), कुसल मेंडिस (उपकप्तान), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने, चरिथ असलांका, सदीरा समरविक्रमा, धनंजय डीसिल्वा, दुशन हेमंथा, महीश थीक्षणा, दुनिथ वेल्लालागे, कसुन राजिथा, मथीशा पथिराना, लाहिरू कुमारा, दिलशान मदुशंका। ट्रेवलिंग रिजर्व: चमिका करुणारत्ने।

भारत में नहीं खेले तो क्या... जानें बाबर आजम ने वर्ल्ड कप को लेकर क्या कुछ कहा

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ज्यादातर खिलाड़ी इससे पहले भारत में नहीं खेले हैं लेकिन कप्तान बाबर आजम ने मंगलवार को भरोसा जताते हुए कहा कि उनकी टीम ने 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे वनडेवर्ल्ड कप के लिए अच्छी तैयारी की है।पाकिस्तान टीम के वीजा को सोमवार रात स्वीकृति मिल गई और टीम बुधवार को दुबई होते हुए हैदराबाद पहुंचेगी।इससे पहले सिर्फ मोहम्मद नवाज और आगा सलमान ही भारत में खेले हैं। बाबर चोट के कारण 2016 में टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं आ पाए थे।

बाबर ने रवानगी से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेन्स मेंकहा, हालांकि हम इससे पहले भारत में नहीं खेले हैं, हम अधिक दबाव नहीं ले रहे। हमने अपनी तैयारी की है और हमने सुना है कि परिस्थितियां अन्य एशियाई देशों जैसी ही होंगी।उन्होंने कहा, इस बार कप्तान के रूप में ट्रैवल करना मेरे लिए काफी सम्मान की बात है, उम्मीद करता हूं कि इस बार हम ट्रॉफी के साथ वापस आएंगे। खेल के टॉप बल्लेबाजों में शामिल आजम से आईसीसी की इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंटमें काफी रन बनाने की उम्मीद है। पाकिस्तानी कप्तान भी 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में भारत के खिलाफ होने वाले बड़े मुकाबले को लेकर उत्सुक हैं।

बाबर ने कहा, मैं अहमदाबाद में खेलने को लेकर रोमांचित हूं क्योंकि स्टेडियम खचाखच भरा होगा। मैं अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन करने की बेस्ट कोशिशकरूंगा। मैं अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों को लेकर चिंतित नहीं हूं, मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं जो भी करूं उससे टीम को नतीजों में मदद मिले। उन्होंने कहा, जब भी कोई दौरा होने वाला होता है तो मैं उसकाप्लान बनाने में कुछ समय लगाता हूं। मैं विरोधी टीम को देखते हुए तैयारी करता हूं। मैं अपने लिए लक्ष्य तय करने कीकोशिश करता हूं और मैदान पर अपना शत प्रतिशत देता हूं।

पाक टीम रवाना

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप 2023 में हिस्सा लेने के लिए आज भारत रवाना हो रही है। आईसीसी वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से खेला जाना है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों के इंडियन वीजा आने में देरी हुई, जिससे टीम तय कार्यक्रम पर भारत रवाना नहीं हो पाई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम आज लाहौर से रवाना होगी और फिर दुबई होते हुए इंडिया पहुंचेगी। पाकिस्तान को वर्ल्ड कप 2023 में अपना पहला प्रैक्टिस मैच 29 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। पाकिस्तान से रवाना होने से पहले कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उनकी टीम वर्ल्ड कप जीतने के लिए जान लड़ा देगी।

रोहित शर्मा ने चौंकाया, हार्दिक-गिल समेत इन 5 खिलाड़ी का तीसरे वनडे से कटा पत्ता

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि बेहतरीन फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल सहित पांच खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, क्योंकि कुछ खिलाड़ी वायरल से पीड़ित है जबकि कुछ खिलाड़ियों ने घर लौटने का विकल्प चुना है। तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे चल रहे भारत को इस तरह से अंतिम वनडे के लिए 13 खिलाड़ियों में से टीम का चयन करना होगा।

गिल को जहां विश्राम दिया गया है वहीं एशिया कप के दौरान चोटिल होने वाले अक्षर पटेल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उपचार करा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खेलने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और शार्दुल ठाकुर तथा सीरीज में एक भी मैच नहीं खेलने वाले हार्दिक पांड्या अपने घर लौट गए हैं। रोहित ने तीसरे मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा, हमारे कुछ खिलाड़ी अस्वस्थ हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे जबकि कुछ खिलाड़ी निजी कारणों से घर लौट गए हैं। इसके अलावा कुछ खिलाड़ियों को विश्राम दिया गया है। अभी हमारे पास चयन के लिए केवल 13 खिलाड़ी मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, गिल को विश्राम दिया गया है, जबकि मोहम्मद शमी, हार्दिक और शार्दुल निजी कारणों से घर लौट गए हैं। अक्षर पटेल इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं है। रोहित ने कहा कि कुछ खिलाड़ी वायरल से पीड़ित हैं जिससे उनके चयन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने कहा, कुछ खिलाड़ी वायरल की चपेट में आ गए हैं जिससे अभी टीम में अनिश्चितता बनी हुई है और इस मामले में हम कुछ नहीं कर सकते हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | पावरग्रिड POWERGRID | G20

सूचना

1. सीईआरसी (व्यवसाय का संचालन) विनियम 1999 के विनियम-86 और सीईआरसी (टैरिफ के नियम व शर्तें) विनियम 2019 के अंतर्गत उत्तरी क्षेत्र में उत्तरी क्षेत्र प्रणाली सुदृढ़ीकरण- XL के अधीन परिसंपत्ति (01 नग) के लिए डीओसीओ से 31.03.2024 तक ट्रान्समिशन टैरिफ के निर्धारण हेतु अनुमोदन।
2. ऊपर वर्णित ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं: (1) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (2) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (3) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, (4) पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (5) हरियाणा पावर परचेज सेंटर (6) जम्मू और कश्मीर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (7) उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, (8) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (9) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (10) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (11) चंडीगढ़ प्रशासन (12) उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (13) उत्तर मध्य रेलवे (14) नई दिल्ली पालिका परिषद (15) हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड
3. लाइन लम्बाई, बेज की सं., विभाजित अनुमोदित लागत (रु. लाख में), वाणिज्यिक प्रचालन की तिथि एवं वाणिज्यिक प्रचालन की तिथि तक पूंजी लागत (रु. लाख में):

आस्ति	लाइन लम्बाई (किमी.)	बेज की सं.	विभाजित अनुमोदित लागत (एफआर) (रु. लाख में)	डीओसीओ	डीओसीओ को पूंजी लागत (रु. लाख में)
आस्ति	-	01 (400kV) GIS	2160.93	06.02.2023	1476.37

4. टैरिफ अवधि 2019-24 के लिए वार्षिक ट्रांसमिशन टैरिफ नीचे संक्षेप में दिया गया है: (रु. लाख में)

आस्ति/टैरिफ	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
आस्ति	-	-	-	42.74	359.98

5. टैरिफ के निर्धारण हेतु किए गए आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट www.powergrid.in पर प्रकाशित की गई है।
6. आवेदन में निहित टैरिफ के निर्धारण हेतु प्रस्तावों पर लाभार्थी सहित किसी व्यक्ति द्वारा सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, आवेदक को उसके कॉर्पोरेट कार्यालय पते में एक प्रति सहित, सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, तीसरा एवं चौथा तल, चंद्रलोक बिल्डिंग, जनपथ, नई दिल्ली-110 001 (या अन्य पता पर जहां आयोग का कार्यालय स्थित है) को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर प्रेषित की जानी चाहिए।

स्थान : गुड़गांव
तिथि : 26.09.2023

हस्ता/-
वरिष्ठ महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
कार्यालय: बी-9, कुतब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
कॉर्पोरेट कार्यालय: "सौदामिनी", प्लाट नंबर 2, सेक्टर-29, गुड़गांव, हरियाणा-122001
वेबसाइट: www.powergrid.in, सीआईएन: एल40101डीएल1989जीओआई038121
एक महारत्न पीएसयू

PG/CC/Notice-20/Advt-47/2023-24/Beautex

'पाकिस्तान में अलग खालिस्तान क्यों नहीं मांगते'

कैनडा के पत्रकार ने यह सवाल उठाया और कहा कि, महाराजा रणजीत सिंह लाहौर में शासन करते थे, उस हिसाब से सबसे पहले अलग पंजाब और खालिस्तान की मांग पाकिस्तान वाले हिस्से के लिए होनी चाहिये

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। कैनडा में बैठे खालिस्तानी भारत विरोधी एजेंडा चला रहा हैं और वहां के पी.एम. जस्टिन ट्रूडो के बयान ने तो दोनों देशों के रिश्ते ही पटरी से उतार दिए हैं। खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंसियों का हाथ बताया है, जबकि भारत ने इसे खारिज करते हुए सबूत की मांग की है। हालात तो तब बिगड़ गए, जब कैनडा स्थित भारतीय दूतावास और राजनयिक दफ्तरों के बाहर एक बार फिर से खालिस्तानियों ने प्रदर्शन किया। सिख्स फॉर जस्टिस, बब्बर खालसा और खालिस्तान टाइगर फोर्स जैसे उग्रवादी संगठन लंबे समय से सिखों के लिए अलग देश की मांग कर रहे हैं।

इन संगठनों में सक्रिय ज्यादातर लोग पंजाब के बाहर के ही हैं। ऐसे लोग हैं, जो कैनडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में बसे हैं। इन लोगों की ओर से रेफरेंडम 2020 का कैंपेन भी बीते सालों में चलाया गया था, जो फेल प्रोजेक्ट रहा। वहीं कैनडा के ही नामी पत्रकार और खालिस्तान पर लंबी रिसर्च करके पुस्तक लिखने वाले टेरी माइलवस्की उनकी मांग को ही खारिज करते हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि खालिस्तानियों की मांग ही गलत है।

> ■ पत्रकार टेरी माइलवस्की ने कहा कि, अब महाराजा रणजीत सिंह की राजधानी लाहौर और गुरु नानक देव की जन्मस्थली तो पाकिस्तान में ही है। इसलिए उन्हें शामिल किए बिना कैसा सिख राज्य बनाना चाहते हैं? इन खालिस्तानियों का पाकिस्तान से सिख साम्राज्य के हिस्से की मांग न उठाना ही सवाल खड़े करता है।

वह ऐतिहासिक सवाल उठाते हुए कहते हैं कि जिस सिख राज्य की मांग ये लोग करते हैं, उसकी स्थापना तो महाराजा रणजीत सिंह ने की थी और उनकी सीट पाकिस्तान के लाहौर में थी। भारत विभाजन के चलते पंजाब के भी दो टुकड़े हुए और बड़ा हिस्सा पाकिस्तान चला गया। अब महाराजा रणजीत सिंह की राजधानी लाहौर और गुरु नानक देव की जन्मस्थली तो पाकिस्तान में ही है। इसलिए उन्हें शामिल किए बिना कैसा सिख राज्य बनाना चाहते हैं? वह कहते हैं कि इनका पाकिस्तान से सिख साम्राज्य के हिस्से की मांग न उठाना ही सवाल खड़े करता है। वह कहते हैं कि यही चीजें तो सिख संस्कृति का मूल हैं और यदि इनकी ऐसी कोई मांग है ही तो पाकिस्तान से क्यों नहीं करते। खालिस्तानियों का पाकिस्तान से दोस्ताना रवैया ही सवाल खड़े करता है। यही नहीं खालिस्तानी संगठनों में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर टेरी माइलवस्की कहते हैं कि इसमें कोई दोराय तो नहीं है। वह कहते हैं कि यदि खालिस्तान जैसी कोई चीज अस्तित्व में आती है तो निश्चित है कि वह भारत से फ्रेंडली नहीं रहेगा।

मध्य प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभूतपूर्व है हमारे सभी शीर्ष नेता मुकाबला करेंगे जिससे हमारी भारी जीत सुनिश्चित होगी।

कश्मीर में एक साथ आठ आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, 26 सितम्बर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में दो बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके एक आतंकवादी और दो महिलाओं समेत आठ सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

मॉड्यूल नियंत्रण रेखा के पार से तस्करी कर लाए गए हथियारों को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को आपूर्ति करने में शामिल था। उन्होंने कहा

> ■ सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में दो बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके एक आतंकवादी और दो महिलाओं समेत आठ सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

कि जिले में हाल के दिनों में इन दो मॉड्यूल के भंडाफोड़ से बलों को बड़े आतंकवादी हमलों को नाकाम करने में मदद मिली है। एस.एस.पी. बारामूला ने कहा कि पहले मॉड्यूल का भंडाफोड 14 सितंबर को किया गया था, जिसमें पुंछ जम्मू के एक निवासी सहित तीन आतंकवादी सहयोगियों की गिरफ्तारी हुई थी। नागपुरे ने कहा कि बारामूला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमोद नागपुरे ने यह जानकारी दी।

बनारस के विद्वान करायेंगे रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 15 से 24 जनवरी तक आयोजित होगा

अयोध्या, 26 सितम्बर। रामजन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा काशी के विद्वान करेंगे। गत 11 सितंबर को काशी के कर्मकांडियों का दल इस निमित्त रामजन्मभूमि परिसर का भ्रमण भी कर चुका है और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का संयोजन कर रहे रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को आवश्यक व्यवस्था संबंधी निर्देश भी दे चुका है।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए मुहूर्त का निर्धारण भी काशी के ही विद्वानों ने किया है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव तो 15 से 24 जनवरी तक संयोजित है, लेकनि काशी के मूर्धन्य कर्मकांडी पं. लक्ष्मीकांत दीक्षित के उत्तराधिकारी पं. जयकृष्ण दीक्षित के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान 17 से 22 जनवरी के बीच संपन्न होगा और इसका आरंभ राम मंदिर के ईशानकोण पर स्थित उस स्थल पर पूजन से होगा, जहां कभी फकीरेराम मंदिर था।

> ■ रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले विद्वानों के दल में दो वर्ग होंगे।

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय के अनुसार, कांची के शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने प्राण प्रतिष्ठा के महोत्सव की महत्ता के अनुरूप काशी के विद्वानों को इस कार्य के लिए प्रेरित किया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले विद्वानों के दल में दो वर्ग होंगे। इसमें एक वर्ग ज्योतिषियों का होगा, जिसका नेतृत्व प्रख्यात ज्योतिषी गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ करेंगे। जबकि दूसरा वर्ग कर्मकांडियों का होगा, जिसमें लक्ष्मीकांत दीक्षित की शिष्य मंडली शामिल होगी।

रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साथ अन्य अनुष्ठानों के माध्यम से भी रामलला के प्रति अनुराग अर्पित होगा।

दिल्ली और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया बताते हैं कि टिकट-वितरण का आधार सुनील का सर्वे ही रहना चाहिए, लेकिन गहलोत निश्चित रूप से इससे असहमति व्यक्त करना चाहेंगे।

'हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य न्यायाधीश और वरिष्ठतम जज हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के लिए जजों के नाम की सिफारिश करते हैं। ये नाम केन्द्र सरकार को भेजे जाते है और वहां से हरी झंडी मिलने के बाद राष्ट्रपति नियुक्ति देते हैं।

अमित शाह व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकाश चन्द्र, निम्बाराम, रामप्रसाद से भी चर्चा कर सकते हैं।

गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री मोदी की ''परिवर्तन संकल्प महासभा'' के बाद भाजपा में उत्साह का माहौल है। प्रदेशभर में मोदी की सभा को लेकर चर्चाएं हैं, कि ऐसी ऐतिहासिक सभा राजस्थान में कभी देखने को नहीं मिली। परिवर्तन संकल्प महासभा की ऐतिहासिक सफलता से प्रदेश भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल है।

मुम्बई के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहकारी बैंक के पास यथेष्ट पूंजी तथा कमाई की क्षमता एवं संभावना नहीं है। कपोल सहकारी बैंक चालू वित्तीय वर्ष के जमाकर्ताओं को पूरा पैसे का भुगतान करने की स्थिति में नहीं है। इस स्थिति में, बैंक रेग्यूलेशन एक्ट 1949 की धारा 11 (1) , धारा 23 (3) के साथ ही, धारा 56 का उल्लंघन हो रहा है। इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने कहा, "बैंक का बना रहना जमाकर्ताओं के लिये नुकसानदेह है।" बैंक अब न तो जमाएं स्वीकार कर सकेगा और न जमाओं का पुनर्भुगतान कर सकेगा।

जमाकर्ताओं के पैसे का क्या होगा?

मुम्बई में स्थित इस बैंक का लाइसैंस रद्द कर दिया गया है। इसके बावजूद, कोई भी जमाकर्ता "डिपोजिट" इंश्योरैंस एवं क्रैडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डी.आई.सी.जी.सी.) के तहत 5 लाख तक की जमा का क्लेम कर सकता है। इसके अधिक जमाराशि का दावा पेश नहीं किया जा सकेगा। डेटा के अनुसार, इस समय करीब 96.09 प्रतिशत ग्राहक डी.आई.सी.जी.सी. से अपनी पूरी राशि पाने के हकदार हैं।

शाहनवाज हुसैन को कार्डियक अरैस्ट हुआ, एंजियोप्लास्टी के बाद स्टेंट डाला गया

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन को मंगलवार को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आज शाम उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टर्स ने इलाज के दौरान शाहनवाज की एंजियोप्लास्टी की। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश विजान ने उनका ऑपरेशन किया। सीनियर कंसल्टेंट डॉ. जलील पारकर की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

शाहनवाज हुसैन गणेश दर्शन और पार्टी से जुड़े दूसरे कामों के लिए मुंबई गए हुए थे। इसी दौरान उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और एसिडिटी की शिकायत हुई। इसके बाद मुंबई बीजेपी प्रमुख आशीष शेलार ने उन्हें लीलावती अस्पताल भेजा। शुरुआत में शाहनवाज ने बताया कि उन्होंने देर से डिनर किया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका "2डी" इको किया और सब कुछ सामान्य मिला। इसके बाद उनकी एंजियोग्राफी की गई। इस दौरान डॉक्टरों को एक ब्लॉक मिला और फिर स्टेंट डाला गया।

> ■ भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन गणेश दर्शन और पार्टी से जुड़े दूसरे कामों के लिए मुंबई गए हुए थे, मंगलवार शाम को उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और एसिडिटी की शिकायत के बाद लीलावती हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।
>
> ■ डॉक्टर्स के मुताबिक, शाहनवाज हुसैन फिलहाल आई.सी.यू. में हैं और उन्हें बुधवार को वॉर्ड में शिफ्ट किया जाएगा।

गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के कोटपूतली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पुत्र त्रिभुवन यादव डायरेक्टर हैं। वहीं, कोटपुतली में राजस्थान फ्लेक्सिबल पैकेजिंग फैक्ट्री के नाम से कंपनी है। इसमें पैकेजिंग के लिए कट्टे बनाए जाते हैं। इन्कम टैक्स की रेड के वक्त मिड-डे मील सप्लाई में गड़बड़ी से जुड़े मामले में यह फैक्ट्री रडार पर थी। मंत्री यादव इस कंपनी के डायरेक्टर हैं। कंपनी के प्रबंधक मधुर यादव हैं जो कि राजेन्द्र यादव के बड़े बेटे हैं।

इधर, शाम को ईडी की कार्रवाई के बाद मंत्री राजेन्द्र यादव ने जयपुर पहुंचकर मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि, मेरा कोई लेना देना नहीं है। मुझे सिर्फ बेवजह परेशान किया जा रहा है। यादव ने कहा कि, पहले इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट ने छापे मारे, अब मेरे घर पर ईडी आई है। मेरे दोनों बेटों के मोबाइल जब्त किए हैं। मिड-डे मील की सप्लाई का काम बेटे करते हैं और काम करना कोई अपराध नहीं है। अगर करोना के समय मेरे बच्चों को सप्लाई दी गई तो कोई गुनाह नहीं किया। मेरा भुगतान भी पिछले महीने ही हुआ है।

यादव ने कहा कि, आज कोटपूतली में मेरे दो बेटों के घर पर सर्च की गई है। अभी दो की सर्च रिपोर्ट आएगी। एक रिपोर्ट आ गई है, उसमें कोई सीज़र नहीं है। केवल 2 मोबाइल जब्त किए हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार की एजेन्सी ने माल लिया, उसमें हमारा क्या लेना देना है। हम बैग बनाते हैं। कल को उस बैग में कोई क्या ले जाए, उसमें मेरा क्या लेना देना। कमोडिटी कभी ज्यादा होती है, कीमत में, कभी कम होती है। हमारा तो विवाद भी हुआ पेमेंट को लेकर। हमने मुकदमा भी दर्ज किया है। मिड-डे मील में न तो हम सप्लायर हैं न मेरे बच्चों ने माल दिया है। उन्होंने कहा, भाजपा में जाने की चर्चाएं गलत हैं। मैं कम्फर्ट ज़ोन में हूँ। चुनाव आते हैं, उसके पहले इस तरह की कार्रवाई होती है।

राजेंद्र यादव ने कहा कि, आचार संहिता लगने से पहले इस तरह की कार्रवाई हो रही है। मैं सत्ता का भूखा नहीं हूं। चुनाव लड़ूंगा, लेकिन रहूंगा कांग्रेस में। पार्टी मेरे साथ खड़ी भी है और मैं भी सक्षम हूं, अपनी लड़ाई लड़ने में। मैं लीगल और राजनीतिक लड़ाई लड़ता रहूंगा। मंत्री ने कहा, ईडी ने मुझे नहीं, मेरे दोनों बेटों को बुलाया है। मेरे विपक्ष के लोग आज खुशियां मना रहे हैं। मैंने खुद ने पुरानी अलमारी, जिसकी चाबी खो गई थी, उसे तोड़ने को कहा था। मैं अलग तरह का व्यक्ति हूं। सत्य को कोई दबा नहीं सकता। मैं किसी से नहीं डरता।

कांग्रेस का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि गत सप्ताह जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया था तब राहुल ने ओ.बी.सी. महिलाओं को आरक्षण देने की मांग की थी। कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने महिलाओं के साथ धोखा किया है क्योंकि इसका क्रियान्वयन 10 साल बाद होगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908